जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 335 प्रभात बीकानेर, बुधवार 26 जून, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

अमित शाह, नड्डा, रिजिजू के साथ ओम बिड़ला लोकसभा महासचिव के कार्यालय पहुँचे, अपना पर्चा दाखिल कराने

कांग्रेस की ओर से केरल से आठ बार निर्वाचित सांसद के. सुरेश भी उम्मीदवार होंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ एन.डी.ए. गठबंधन ने आज एक तरह का इतिहास रचते हुए लोकसभा स्पीकर की नियुक्ति चुनाव के जरिए करवाने का विकल्प चुना। एन.डी.ए. ने लोकसभा स्पीकर पद के लिए कोई सर्वसम्मति बनाने के लिए विपक्ष को डैपुटी स्पीकर का पद ऑफर करने के बजाए चुनाव का रास्ता चुना।

- पहली बार कड़ा संघर्ष होगा, लोकसभा अध्यक्ष के पद के लिए।
- सरकार ने संघर्ष होने की जिम्मेवारी विपक्ष पर डाली, यह कह कर कि, विपक्ष ने सर्वसम्मति से लोकसभा स्पीकर के चयन के लिए शर्त रखी थी, पर, इतने बड़े पद के लिये शर्तें लगाना उचित नहीं है, अतः सर्वसम्मति नहीं बन पायी।
- समय पूर्व राहुल गांधी व अखिलेश यादव ने कहा था कि, अगर सरकार डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को देने को तैयार हो जाती है तो स्पीकर के नाम पर सर्वसम्मति बन सकती है।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इण्डिया गठबंधन से बातचीत कर रहे थे, सर्वसम्मति बनाने के लिये। विपक्ष ने घटनाक्रम पर टिप्पणी की कि, रक्षा मंत्री को अधिकार नहीं था कि, कुछ लिये-दिये की भावना से ऑफर करें, अतः सर्वसम्मति बनाने का प्रयास विफल रहा।
- इतिहास में पहली बार, स्पीकर के पद के लिये कड़ा संघर्ष वाला गंभीर चुनाव होगा, हालांकि, दो बार और इस पद पर प्रतीकात्मक चुनाव हुआ है।

कोटा के सांसद ओम बिड़ला ने एन.डी.ए. के सर्वसम्मति उम्मीदवार के रूप में लोकसभा स्पीकर पद के लिए नामांकन भरा। बिड़ला गत लोकसभा में भी स्पीकर रह चुके हैं।

केरल से आठ बार सांसद रह चुके कांग्रेस के के. सुरेश ने भी स्पीकर के चुनाव के लिए अपना नामांकन भरा।

बिड़ला जब लोकसभा महासचिव कार्यालय में अपना नामांकन भरने गए, तब उनके साथ केन्द्रीय मंत्री अमित शाह, जे.पी. नड्डा, किरण रिजीजू और एन.डी.ए. के सहयोगी दलों के नेता भी मौजूद थे।

बिड़ला राजस्थान के कोटा से तीसरी बार लोकसभा सांसद बने हैं।

स्पीकर पद के लिए बुधवार सुबह 11 बजे चुनाव होगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जिन्हें स्पीकर के मुद्दे पर विपक्ष को राजी करने का काम सौंपा गया था, ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से गत रात्रि से तीन बार बात की। सूत्रों ने बताया कि सरकार विपक्ष को कोई ऑफर दिए बिना ही बातचीत की कोशिश कर रही थी। यदि कोई ऑफर दिया जाता तो सरकार और विपक्ष की दूरियों में थोड़ी कमी आती। सूत्रों ने बताया कि स्पीकर के लिए विपक्ष के समर्थन की एवज में कांग्रेस डैपुटी स्पीकर का पद मांग रही थी, लेकिन रक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एग्री युनिवर्सिटी के स्ट्राँग रूम से ओ.एम.आर. शीट गायब

जोधपुर, (कासं)। शहर के कृषि विश्वविद्यालय के स्ट्राँग रूम से जूनियर एंट्रैंस टैस्ट (जे.ई.टी.) परीक्षा की ओ.एम.आर. शीट गायब हो गई। इस बारे में जे.ई.टी. जैट समन्यवक की तरफ से मंडोर थाने में केस दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने इसकी जांच आरंभ कर दी है।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा जैट का आयोजन दो जून को किया गया था तथा

- 2 जून को जॉइन्ट एन्ट्रैंस ट्रैस्ट (जैट) आयोजित हुआ था। कृषि विश्व विद्यालय के स्ट्राँग रूम में 333 अभ्यर्थियों की ओ.एम.आर. शीट थीं, पर 332 की ही मिलीं, एक शीट गायब थी।

जोधपुर, जयपुर, कोटा, बीकानेर एवं उदयपुर के कुल 94 परीक्षा केंद्रों पर इसका आयोजन हुआ था। कोटा के विद्याश्रम स्कूल नया नोहरा बारा रोड में भी यह परीक्षा आयोजित हुई थी। परीक्षा के बाद सभी केंद्राधीक्षकों की तरफ से ओ.एम.आर. शीट को सील बंद का संबंधित जगहों पर भेजा गया था। परीक्षा का परिणाम 5 जून को तैयार किया जाना था। जब कोटा के विद्याश्रम स्कूल की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आंध्र प्रदेश ने अभी तक माफ नहीं किया है कांग्रेस को प्रदेश के विभाजन के लिये

आंध्र वासियों का मानना है कि, विभाजन के बाद आज भी आंध्र की अपनी राजधानी नहीं है, और सारे धंधे व व्यापार की दुर्गति हुई है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। आंध्र प्रदेश की जनता कांग्रेस से अभी तक इसलिए नाराज़ है क्योंकि उसने प्रदेश का बंटवारा किया था और इसे आर्थिक संकट में डाल दिया क्योंकि आई.टी. हब एवं औद्योगिक केन्द्र हैदराबाद तेलंगाना को मिल गया और आंध्र को नुकसान हो गया। इसलिए जब से विभाजित आंध्र प्रदेश ने अपने प्रतिनिधियों को चुनना शुरु किया है उसने क्रोधवश कांग्रेस को नेस्तनाबूद कर दिया है।

- यह क्रोध ही कारण है कि, आंध्र में हाल ही में हुए लोकसभा व विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने धूल चाटी।
- कांग्रेस को ''नोटा'' विकल्प से कुछ ही ज्यादा मत प्राप्त हुए आंध्र में।
- पूर्व मु.मंत्री वाय.एस.आर. रेड्डी की बेटी शर्मीला भी आंध्र में कांग्रेस को कुछ ''रिलीफ'' नहीं दिला पायी हैं।
- प्रदेशाध्यक्ष शर्मीला को कांग्रेस के दयनीय प्रदर्शन के लिये जब जिम्मेवार ठहराया गया और इसके बारे में आलाकमान को पत्र लिखा तो शर्मीला ने शिकायत करने वाले प्रदेश कार्यालय में प्रवेश से वर्जित कर दिया तथा कांग्रेस को और उपहास का पात्र बनाया आंध्र प्रदेश में।

हालांकि, कांग्रेस अपने आपको तेलंगाना के तेलुगू भाषी प्रदेश में पुर्नजीवित करने में सफल हुई। इसका श्रेय जाता है के. चन्द्रशेखर राव के शासन के तरीके व सरकार के कुशासन से उपजी भयंकर सरकार-विरोधी लहर को पर आंध्र प्रदेश में मतदाताओं ने कांग्रेस को नोटा से कुछ ही अधिक वोट दिए हैं। पार्टी को कम से कम इस बात के लिए भी कृतज्ञ होना चाहिए कि उसे नोटा से कम वोट प्राप्त नहीं हुए, नोटा का प्रतिशत 1.09 तथा जबकि इसकी तुलना में कांग्रेस का वोट शेयर 1.72 प्रतिशत रहा है यह वोट प्रतिशत हाल ही में खत्म हुए लोकसभा चुनावों एवं प्रदेश की विधानसभा चुनावों के नतीजों में रहा है। इस स्थिति को देखा जाए तो यह तकनीकी रूप से इस बार 2019 के चुनावों की तुलना में कुछ सुधार ही हुआ है क्योंकि तब कांग्रेस को (1.17 प्रतिशत) मत मिले थे जो कि आंध्र प्रदेश में नोटा को डाले गए 1.28 प्रतिशत मतों से भी कम थे।

यहाँ तक कि शक्तिशाली वाय.एस. राजशेखर रेड्डी की बेटी और मुख्यमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इण्डिया गठबंधन नये सहयोगियों की तलाश में निकली

नवीन पटनायक की पार्टी बी.जे.डी. के बाद, आंध्र की वाय.एस.आर. कांग्रेस भी एन.डी.ए. से निराश होकर, नये ठिकाने (इण्डिया गठबंधन) की ओर देखने लगी है

-श्रीनदं झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। बीजू जनता दल (बी.जे.डी.) अध्यक्ष नवीन पटनायक का यह निर्णय कि वे राज्यसभा में विपक्ष का समर्थन करेंगे, यह इस कहावत को चरितार्थ करता है कि राजनीति में कोई स्थायी मित्र अथवा दुश्मन नहीं होता है।

- बी.जे.डी. व वाय.एस.आर. कांग्रेस के ज्यादा सांसद नहीं है, लोकसभा में, पर, राज्यसभा में बी.जे.डी. के 9 सांसद व वाय.एस.आर. कांग्रेस के ग्यारह सदस्य हैं। अतः, कांग्रेस भी इन दोनों पार्टियों का राज्यसभा में सहयोग व समर्थन पाने के लिये काफी लालायित है।

जबकि, ओडिशा में बी.जे.डी. एवं आंध्र प्रदेश में जगनमोहन रेड्डी की वाय.एस.आर.सी.पी. दोनों राजनीतिक पार्टियाँ एन.डी.ए. की सदस्य नहीं थी, पर इन पार्टियों ने नरेन्द्र मोदी के पहले व दूसरे कार्यकाल में राज्यसभा में भाजपा सरकार को बार-बार बचाया था।

विधानसभा व लोकसभा चुनावों में भाजपा के हाथों करारी हार झेलने के बाद समीकरण अब बदल रहे हैं।

चूंकि, बी.जे.डी. हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनावों में एक भी लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करने में विफल रही है और विधानसभा में इस पार्टी के विधायकों की संख्या घटकर मात्र 58 रह गई है जबकि इसके विपरीत भाजपा ने 78 विधानसभा सीटों पर विजय प्राप्त की थी और उसने वहां सरकार का गठन कर लिया। लेकिन संसद के उच्च सदन राज्यसभा में बी.जे.डी. के अभी नौ सांसद हैं।

बी.जे.डी. अब प्रदेश में ''मजबूत व जीवंत विपक्ष'' की भूमिका निभाएगी'' और पार्टी अध्यक्ष नवीन पटनायक ने कहा कि ''उनकी पार्टी राज्यसभा में विपक्ष का भी समर्थन करेगी।''

पटनायक ने यह भी कहा कि ''संसद में बी.जे.डी. ओडिशा के लिए मजबूत आवाज़ उठाएगी और संसद में राज्य से संबंधित मुद्दों को तत्परता से उठाएगी।''

यह कहावत है कि राजनीति में कोई किसी का स्थायी मित्र अथवा दुश्मन नहीं होता है, इसका आगामी महीनों में विस्तार होने की संभावना है जैसा कि हाल ही में गठबंधन के दलों ने यह संकेत देना शुरु कर दिय है अपने प्रदेश में अपनी स्थिति की समीक्षा के बाद ऐसे प्रदेश में महाराष्ट्र भी है।

आंध्र प्रदेश में अभी हाल ही में सम्पन्न विधानसभा व संसद के चुनावों में वाय.एस.आर.सी.पी. का सूपड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रिटायर्ड आई.एफ.एस. के वेतन में इन्क्रीमैंट का मसला एक माह में तय करे सरकार'

जयपुर, 25 जून। केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने छह साल पहले तीस जून को रिटायर हुए भारतीय वन सेवा के अधिकारी को एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ नहीं देने पर सरकार को

- केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने 30 जून 2018 को कोटा से रिटायर हुए आई.एफ.एस. अफसर ललित सिंह को 30 जून 2017 से 30 जून 2018 तक की वेतन वृद्धि नहीं दिए जाने पर सरकार को आदेश दिए।

कहा है कि, वह प्रकरण का एक माह में निस्तारण लक्ष्मण प्रसाद के मामले में दिए फैसले के तहत करे। अधिकरण ने कहा है कि, इस संबंध में पेश याचिकाकर्ता का अभ्यावेदन तय किया जाए। अधिकरण ने ये आदेश ललित सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में कहा गया कि, याचिकाकर्ता 30 जून, 2018 को कोटा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांज रिहा हुए

12 साल तक लम्बी कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद उन्हें लंदन की हाई सिक्यूरिटी जेल से रिहा किया गया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांज के लंदन की एक हाईसिक्योरिटी जेल से रिहा होने के साथ ही ''प्रैस फ्रीडम'' से संबंधित 21 वीं सदी का सबसे मशहूर कानूनी के केस आज प्रकट रुप से समाप्त हो गया।

- असांज वर्ष 2017 में एकाएक सुर्खियों में आए जब उन्होंने अमेरिका के इरॉक युद्ध व अफगानिस्तान वॉर से संबंधित 5 लाख गोपनीय दस्तावेज़ सार्वजनिक कर दिए।
- इससे आग बबूला अमेरिका ने असांज की गिरफ्तारी और उसे अमेरिका के सुपुर्द करने पर जोर दिया, इस अपराध के लिए अमेरिका में उन्हें 175 साल की सजा हो जाती।
- पर, दुनिया भर के मानवाधिकार एवं आज़ादी समर्थक संगठनों ने अमेरिका का विरोध किया।
- असांज ने लंदन के इक्वाडोर के दूतावास में शरण ली और यूरोपियन ह्यूमन राइट्स लॉ के तहत अपील की। उनका केस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रैस की आज़ादी के लिए संघर्ष का प्रतीक बन गया था।

असांज 12 वर्षों तक कैद में रहे। इस दौरान उन्होंने स्वयं को अमेरिका प्रत्यार्पित किए जाने के खिलाफ कानूनी लड़ाईयां भी लड़ी। इन 12 वर्षों में से 7 वर्ष तो उन्होंने लंदन स्थित इक्वेडोर दूतावास में बिताए और 5 साल ब्रिटेन की एक हाईसिक्योरिटी जेल में।

अमेरिका अपने गुप्त सैन्य दस्तावेजों के प्रकाशन को लेकर असांज को अपने यहां प्रत्यर्पित करवाना चाहता था। असांज ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासी हैं। जूलियन असांज ने इराक और अफगानिस्तान में अमेरिकी युद्धों से संबंधित 5 लाख गुप्त दस्तावेजों का प्रकाशन किया था। इन दस्तावेजों के सार्वजनिक हो जाने के बाद अमेरिका के आचरण को लेकर भारी विवाद छिड़ गया था और असांज ने दावे से कहा था कि ''इससे साबित होता है कि अमेरिका ने युद्ध अपराध किए हैं।''

इससे क्रोधित अमेरिका ने मांग की थी कि, असांज को गिरफ्तार कर कानूनी प्रक्रिया का सामना करने के लिए उसके यहां भेजा जाए। असांज को गिरफ्तार कर यदि अमेरिका लाया जाता तो उन्हें तकरीबन 175 वर्ष के कारावास की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री मोदी अगले महीने रूस की यात्रा पर जायेंगे

नई दिल्ली, 25 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने रूस की यात्रा पर जा सकते हैं। खुद रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी है। क्रेमलिन ने मंगलवार को घोषणा की कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने रूस की यात्रा पर जाने वाले हैं। व्लादिमीर पुतिन के विदेश मामलों के सहयोगी यूरी उशाकोव ने कहा कि, भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा की तैयारी की जा रही है, लेकिन उन्होंने कोई तारीख नहीं बताई। अगर दौरा होता है तो

- रुस के राष्ट्रपति कार्यालय ने जानकारी देते हुये बताया कि, प्र.मंत्री मोदी की रूस यात्रा की तैयारियां शुरु हो चुकी हैं।

करीब पांच वर्षों में भारतीय प्रधानमंत्री का यह पहला रूस दौरा होगा। मोदी ने सितंबर 2019 में रूस का दौरा किया था। उशाकोव ने कहा कि तारीख की घोषणा बाद में संयुक्त रूप से की जाएगी। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी की संभावित यात्रा पर भारतीय पक्ष की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई है। पीएम मोदी आखिरी बार 2019 में रूस के दौरा पर गए थे। हालांकि अब पीएम मोदी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मु.मंत्री भजनलाल ने राजस्थान इन्वैस्टमैंट समिट की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की

मु.मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि, समिट में होने वाले विभिन्न एम.ओ.यू. को केवल कागजों तक सीमित न रखा जाए अमल में लाया जाए

जयपुर, 25 जून (का.सं.)। मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्थान इन्वैस्टमैंट समिट-2024, की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि, राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार निवेशकों के लिए हर स्तर पर मदद कर अनुकूल वातावरण तैयार करेगी जिससे देश-विदेश से अधिकतम निवेश राज्य में आएं तथा राजस्थान देश में सबसे बड़े ''इन्वैस्टमैंट हब'' के रूप में उभरे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि, राजस्थान इन्वैस्टमैंट समिट-2024, के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी अधिकारी पूरे मनोयोग से जुट जाएं तथा इस ऐतिहासिक आयोजन की प्रत्येक गतिविधि की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि, समिट में होने वाले विभिन्न एम.ओ.यू. को केवल कागजों पर ही न रखकर धरातल पर उतारा जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि, सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ इस आयोजन का भव्य क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि, समिट में आने वाले निवेशकों के आतिथ्य सत्कार में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि, प्रचार-प्रसार किसी भी आयोजन की सफलता का मुख्य आधार होता है। अधिकारी प्रचार-प्रसार के लिए बेहतरीन कार्ययोजना बनाएं जिससे वैश्विक स्तर पर यह आयोजन चर्चा का विषय बने।

शर्मा ने कहा कि, सभी उद्योगों को एक ही छत के नीचे निवेश संबंधी सभी प्रकार की सुविधाएं देने के लिए सिंगल विंडो का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। सिंगल विंडो के लिए विभाग द्वारा अलग से पूरा सिस्टम तैयार किया जाए जिससे उद्यिमयों को निवेश में किसी भी तरह की समस्या का सामना

- मुख्यमंत्री ने कहा कि, हमारे राजस्थान को देश के सबसे बड़े इन्वैस्टमैंट हब के रूप में उभारना है और इसके लिए निवेश को एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं दी जाएंगी।
- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि, राजस्थान इन्वैस्टमैंट समिट-2024,का भारी प्रचार किया जाए, क्योंकि, प्रचार प्रसार ही आयोजन की सफलता का मुख्य आधार होता है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि, समिट में प्रवासी राजस्थानियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए।
- बैठक में उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, मुख्य सचिव सुधांश पंत व अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने सी.एम. ऑफिस में राजस्थान इन्वैस्टमैंट समिट-2024 की तैयारियों के संदर्भ में अयोजित समीक्षा बैठक में उच्च अधिकारियों से बातचीत की।

नहीं करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि, संसाधनों का समुचित उपयोग कर निवेश संबंधी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, राजस्थान के प्रवासी विश्व के प्रत्येक हिस्से में मौजूद हैं तथा वे अपनी मिट्टी से हमेशा जुड़े रहना चाहते हैं। इसलिए राजस्थान के प्रवासी प्रदेश में निवेश के लिए हमेशा अवसरों की तलाश में रहते हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि, समिट में प्रवासी राजस्थानियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए, उनके लिए अलग से सत्र आयोजित हों जिससे वे अपने राज्य में निवेश कर राज्य को औद्योगिक रूप से समृद्ध बनाने में अपनी महती भूमिका निभा सकें।

बैठक में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से इन्वैस्टमैंट समिट की गतिविधियां, मुख्य समारोह का प्रारूप, वित्त, उद्योग, परिवहन, पर्यटन, जेडीए, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग सहित विभिन्न विभागों की भूमिका, नवीन प्रस्तावित नीतियां,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल को सी.बी.आई ने तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, 25 जून। दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को

- सी.बी.आई. ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की जमानत याचिका से एक दिन पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार को तिहाड़ जेल में ही सी.बी.आई. ने केजरीवाल से पूछताछ की और तभी उन्हें गिरफ्तार करने का फैसला लिया।

सी.बी.आई. ने तिहाड़ जेल से गिरफ्तार कर लिया है। ई.डी. मामले में सुप्रीम कोर्ट में उनकी जमानत याचिका पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

लोहा गरम भले ही हो जाए पर हथौड़ा तो ठंडा रह कर ही काम कर सकता है। –सरदार पटेल

वयस्क टीकाकरण के दिशा निर्देशों पर चिकित्सकीय सहमति

टीकाकरण की बात आती है तो सभी का ध्यान जन्म के बाद बच्चों को लगने वाले टीकों पर ही जाता है। कोविड काल में पहली बार लोगों ने पाया कि वयस्कों को भी टीके लगाए जा सकते हैं। कोविड महामारी एक आपातकालीन स्थिति थी जिसने आमजन में टीकों के प्रति अभूतपूर्व जागरूकता पैदा की। यह सभी जानते हैं कि अनेक रोग जो भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए खतरा बने हुए हैं वे टीकों से रोके जा सकते हैं। ऐसे रोगों में इन्फ्लूएंजा और न्यूमोकोकल रोगों का खयाल आता है जो भारत में विशेष चिंता का विषय बने हुए हैं। यह जानकर बहुतों को आश्चर्य होगा कि टीके से रोके जा सकने वाले रोगों से हर साल मरने वाले वयस्कों का अनुपात बच्चों के इसी आंकड़े से 350 गुना अधिक है। इसी से भारतीय परिपेक्ष्य में इस चुनौती का अंदाजा लगाया जा सकता है। यही कारण है कि ऐसी चिकित्सा चुनौतियों और अधेड़ लोगों की बढ़ती हुई आबादी के कारण अब यह माना जाने लगा है कि वयस्कों के टीकाकरण के बारे में भी गंभीरता से सोचा जाए। इसके लिए एक सक्रिय और समग्र दृष्टिकोण अपनाये जाने की आवश्यकता है। सांख्यिकी विशेषज्ञों के अनुमानों के अनुसार अगले दशक के अंत तक भारत की लगभग 23 प्रतिशत आबादी 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की होगी। इसलिए स्वास्थ्य सेवा में लगे लोग कहते हैं कि वयस्कों के टीकाकरण के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। वयस्कों के शरीर में कमजोर होती प्रतिरक्षा (इम्यूनिटी), आयु संबंधी कारण, और महामारी जैसे अनेक सामान्य कारक हैं जो वयस्कों को टीके से रोके जा सकने योग्य रोगों पर ध्यान देने की जरूरत बताते हैं। यह साबित हो चुका है कि टीकाकरण से ऐसे रोग तथा उनकी गंभीरता कम हो जाती है जिन्हें टीका लगा कर रोका जा सकता है। इससे टीके से बचाव वाले रोगों की जटिलताओं की दर भी कम हो जाती है, जिससे सामाजिक-आर्थिक बोझ से राहत मिलती है और आबादी स्वस्थ आयुवृद्धि पाती है। मगर हम पाते हैं कि बाल टीकाकरण की तो सर्वत्र जागरूकता है मगर वयस्क टीकाकरण पर अभी पूरा ध्यान नहीं गया है। जानकारों का कहना है कि हालांकि वयस्क टीकाकरण के लाभ निर्विवाद हैं, फिर भी देश में उनके टीकाकरण की दरें आदर्श स्तर से बहुत नीचे हैं। जनसंख्या आधारित अध्ययन के अनुसार, भारत में इन्फ्लूएंजा, न्यूमोकोकल, टाइफाइड रोग और हेपेटाइटिस बी के लिए वयस्क टीकाकरण कवरेज क्रमशः 1.5 प्रतिशत, 0.6 प्रतिशत, 1.9 प्रतिशत और 1.9 प्रतिशत के बहुत निचले स्तर पर ही हैं। एक अन्य भारतीय सर्वेक्षण में बताया गया है कि 68 प्रतिशत वयस्क अपने लिए अनुशंसित टीकों के बारे में जानते ही नहीं हैं। यहां तक कि 38 प्रतिशत वयस्कों तो यह मानते पाये गये कि टीकाकरण केवल बच्चों के लिए ही होता है। टीके से रोकी जा सक्ने योग्य बीमारियों के बारे में जानकारी का अभाव, वयस्क टीकाकरण के लिए राष्ट्रव्यापी समान दिशानिर्देशों की अनुपलब्धता, नैदानिक जड़ता, वयस्कों में टीकाकरण के लाभों की कमी और अच्छी तरह से समन्वित टीकाकरण कार्यक्रमों की कमी देश में वयस्क टीकाकरण के सामने बाधा बनी खड़ी नज़र आती हैं।

हालांकि चिकित्सकों की कई मेडिकल संगठनों ने वयस्क टीकाकरण के लिए दिशा-निर्देश प्रकाशित किए हैं, मगर वे आयु और जोखिम आधारित स्थितियों के आधार पर भिन्न होने के कारण चिकित्सकों के लिए उन पर तर्कसंगत निर्णय लेना मुश्किल पाया गया। मगर अब सार्वजनिक स्वास्थ्य के इस महत्वपूर्ण पहलू – वयस्क टीकाकरण –के बारे में 'एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया' ने 13 अन्य मेडिकल संगठनों को एक साथ लेकर ''वयस्क टीकाकरण 2024 पर भारतीय सहमति दिशानिर्देश'' बनाने का एक बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य किया है। ये दिशानिर्देश 21 टीकों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं तथा प्रत्येक टीके के विवरण में उन्हें शामिल करते हैं, जिससे उनके बारे में चिकित्सकीय समझ के अंतराल को पाटा जा सके और वयस्क टीकाकरण के लिए चिकित्सकीय निर्णय लेने में स्पष्टता प्रदान करने के लिए एक सरल रणनीति अपनाई जा सके। दिशानिर्देशों में विभिन्न सह-रुग्णताओं/दीर्घकालिक स्थितियों के लिए टीकों की सिफारिशें भी की गई हैं जो चिकित्सकों को अपने पात्र रोगियों के लिए टीकाकरण कार्यक्रम को अनुकूलित करने में सहायता करेंगे। यह दिशानिर्देश पिछले दिनों नई दिल्ली में 'एसोसिएशन ऑफ फिजीशियन्स ऑफ इंडिया' के 79वें वार्षिक सम्मेलन में उप-राष्ट्रपति ने जारी किये। प्रकाशन के बाद अब इन दिशानिर्देशों को बड़े पैमाने पर प्रसारित किया जाएगा और चिकित्सकों द्वारा आसान कार्यान्वयन के लिए संबंधित मेडिकल सोसायटियों की वेबसाइटों पर उन्हें डाला जाएगा। वयस्क टीकाकरण के प्रस्तावित वर्गीकरण में, वैक्सीन की सिफारिशों को –महत्वपूर्ण, आवश्यक, और वांछनीय –तीन भागों में विभाजित किया गया है। इन सिफारिशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण टीके शामिल हैं, जो उच्च रुग्णता और मृत्यु दर वाले रोगों को लक्षित करते हैं और झुंड प्रतिरक्षा (हर्ड इम्यूनिटी) प्राप्त करने के लिए सार्वभौमिक कवरेज पर जोर देते हैं। ये आवश्यक सिफारिशें मध्यम से उच्च बोझ वाली बीमारियों को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं और रोग के असर को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए लक्षित टीकाकरण रणनीतियों को प्राथमिकता देती हैं। वांछनीय सिफारिशों में अतिरिक्त स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने वाले टीके भी शामिल हैं, लेकिन इसके लिए व्यक्तिगत जोखिम मूल्यांकन और लागत प्रभावशीलता जैसे कारकों पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता पर भी इनमें जोर दिया गया है। दिशानिर्देशों का यह ढांचा टीकों की सूक्ष्म प्राथमिकता को सक्षम बनाता है, संसाधन आवंटन को अनुकूलित करता है, और जनसंख्या स्वास्थ्य पर अधिकतम प्रभाव के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को प्रभावित करता है।

उदाहरण के लिए, यदि पोलियो का टीका न लगा हो तो यह रोग पक्षाघात का सबब या खसरा, मस्तिष्क ज्वर और अंधापन का कारण बन सकता है। टीके से रोके जा सकने वाले कुछ रोग टीका न लगने पर मृत्यु के कारण भी बन सकते हैं। चिकित्सकीय ज्ञान कहता है कि टीकाकरण के लाभ उसके जोखिम से कहीं अधिक हैं। बिना टीके के बहुत अधिक रोग और मौतें होंगी।

टीके जैविक पदार्थ होते हैं जो विशिष्ट रोगों के विरुद्ध प्रतिरक्षा विकसित करने के लिए शरीर में प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्तेजित करते हैं। टीके आम तौर पर रोगजनकों (जैसे बैक्टीरिया या वायरस) के कमजोर या निष्क्रिय रूपों, या उन रोगजनकों के टुकड़ों से बने होते हैं। टीकों में सिंथेटिक घटक भी हो सकते हैं जो रोगजनक की संरचना की नकल करते हैं।टीकाकरण करा कर वयस्क जन रोके जा सकने वाले रोगों से अपने कोबचा सकते हैं तथा संवेदनशील आबादी में रोग के संक्रमण को कम करने में मदद कर सकते हैं। यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि टीके कुछ बीमारियों से प्रतिरक्षा भी प्रदान कर सकते हैं क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ शरीर में प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है। अनुशंसित विशिष्ट टीके आयु, स्वास्थ्य स्थिति और जीवनशैली जैसे कारकों के आधार पर भिन्न हो सकते हैं। हालांकि वयस्कों के लिए अनुशंसित कुछ सामान्य टीकों में फ्लू वैक्सीन, टीडीएपी (टाइटनस, डिप्थीरिया और पर्टुसिस) वैक्सीन, न्यूमोकोकल वैक्सीन, शिंगल्स वैक्सीन और कुछ आयु समूहों के लिए एचपीवी (ह्यूमन पेपिलोमावायरस) वैक्सीन शामिल हैं। वयस्कों के लिए टीकाकरण कार्यक्रम टीके के प्रकार और व्यक्तिगत जोखिम कारकों के आधार पर भिन्न हो सकता है। आम तौर पर कुछ टीकों को समय-समय पर बूस्टर की आवश्यकता होती है, जबकि अन्य को जीवनकाल में एक या दो बार दिया जाना काफी होता है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए उपयुक्त टीकाकरण कार्यक्रम निर्धारित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से परामर्श आवश्यक है। कई मामलों में कुछ चिकित्सीय स्थितियों वाले वयस्कों को टीका लगाया जा सकता है और उन्हें टीका लगवाना भी चाहिए। हालांकि, विशिष्ट टीकों की उपयुक्तता व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सा इतिहास पर निर्भर करती है। जिन लोगों को टीके के घटकों से गंभीर एलर्जी है या टीकों के प्रति प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं का इतिहास है, उन्हें कुछ टीकाकरण से बचने की आवश्यकता हो सकती है। ऐसे में यह सवाल पूछा जा सकता है कि क्या टीकों के हानिकारक और दीर्घकालिक दुष्प्रभाव होते हैं? क्या टीकाकरण घातक हो सकता है? वर्ष 1998 के एक अध्ययन ने खसरा-कण्ठमाला-रूबेला (एमएमआर) वैक्सीन और ऑटिज्म के बीच संभावित संबंध के बारे में चिंता जताई थी। मगर इस अध्ययन को बाद में गंभीर रूप से दोषपूर्ण पाया गया, और इसे प्रकाशित करने वाली पत्रिका ने पेपर को वापस ले लिया। विद्वान चिकित्सक पूरे इत्मीनान से कहते हैं कि टीके बहुत सुरक्षित होते हैं। टीका प्रतिक्रियाएं आमतौर पर मामूली और अस्थायी होती हैं, जैसे कि हाथ में दर्द होना या हल्का बुखार आना। टीका लगने के बाद बहुत गंभीर स्वास्थ्य घटनाएं अत्यंत दुर्लभ हैं और उनकी सावधानीपूर्वक निगरानी और जांच की जाती है। किसी व्यक्ति को टीके की तुलना में टीके से रोके जा सकने वाली बीमारी से गंभीर रूप से प्रभावित होने की अधिक संभावना रहती है।

उदाहरण के लिए, यदि पोलियो का टीका न लगा हो तो यह रोग पक्षाघात का सबब या खसरा, मस्तिष्क ज्वर और अंधापन का कारण बन सकता है। टीके से रोके जा सकने वाले कुछ रोग टीका न लगने पर मृत्यु के कारण भी बन सकते हैं। चिकित्सकीय ज्ञान कहता है कि टीकाकरण के लाभ उसके जोखिम से कहीं अधिक हैं। बिना टीके के बहुत अधिक रोग और मौतें होंगी। सफल टीकाकरण कार्यक्रम, सफल समाजों की तरह, सभी की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति के सहयोग पर निर्भर करते हैं।वैज्ञानिक प्रमाण दर्शाते हैं कि एक ही समय में कई टीके देने से प्रतिरक्षा प्रणाली पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। लोग प्रतिदिन कई सौ ऐसे ऐसे पदार्थों के संपर्क में आते हैं जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को सक्रिय करते हैं। नई चिकित्सकीय सहमति वाले चिकित्सकों को दिशानिर्देश बनाकर चिकित्सा संगठनों ने महत्वपूर्ण काम किया है। आशा की जानी चाहिए कि अब शासन व्यवस्था वयस्क टीकाकरण को उसी प्रकार आगे बढ़ायेगी जिस प्रकार वह बाल टीकाकरण के लिए सफलतापूर्वक करती आई है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

उच्च शिक्षा का बजट

प्रो. अशोक कुमार

उच्च शिक्षा किसी भी देश के विकास और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। यह न केवल व्यक्तियों को बेहतर जीवन स्तर प्राप्त करने में मदद करता है, बल्कि देश की समग्र अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करता है।

उच्च शिक्षा के लिए पर्याप्त बजट आवंटित करना सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश है। यह शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने, शिक्षा में पहुंच और समानता को बढ़ावा देने, कुशल मानव पूंजी का निर्माण करने और देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में मदद करेगा।

वर्तमान में उच्च शिक्षा में क्या बजट होना चाहिए यह सुनिश्चित करने से पहले हमें इस बात को सुनिश्चित करना चाहिए कि उच्च शिक्षा का क्या स्वरूप हो। वर्तमान में महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में छात्रों की उपस्थिति दिन प्रतिदिन कम होती जा रही है ! हमें इस विषय में गंभीरता से सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या कारण है कि विद्यार्थी औपचारिक शिक्षा के प्रति आकर्षित नहीं होता है और वह कोचिंग केंद्रों पर अपना ध्यान लगाना चाहता है। मेरा ऐसा मानना है कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में शिक्षा का जो स्वरूप है उसमें विद्यार्थी को रोजगार की मिलने की आशा कम नज़र आ रही है ! इसलिए हमें चाहिए कि हम औपचारिक शिक्षा में रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करें ! इस शिक्षा को प्रदान करने के लिए हमें विश्वविद्यालय में एक परिवर्तन करना पड़ेगा ! हम ऐसे रोजगार से संबंधित विषयों को जिनकी औद्योगिकी से सीधा संबंध हो, छात्रों को उत्प्रेरित करें !

हमारे राज्य को विश्व स्तरीय उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने के लिए, हमें निम्नलिखित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है:–

1. उद्यमिता और नवाचार केंद्रों की स्थापना: उद्यमिता विकास केंद्र : प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान में उद्यमिता विकास केंद्र की स्थापना की जानी चाहिए, जो छात्रों को उद्यमिता और स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित कर सके। इन केंद्रों में व्यवसायिक प्रशिक्षण, वित्तीय परामर्श, और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए।

इनोवेशन हब्स: विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इनोवेशन हब्स की स्थापना की जानी चाहिए, जो छात्रों को नई तकनीकों और विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित करें। इन हब्स में उन्नत प्रयोगशालाएं और उपकरण होने चाहिए।

2. स्टार्टअप इनक्यूबेटर्स और एक्सेलेरेटर्स:

स्टार्टअप इनक्यूबेटर्स: उच्च शिक्षा संस्थानों में स्टार्टअप इनक्यूबेटर्स की स्थापना की जानी चाहिए, जो नवाचार और स्टार्टअप को प्रारंभिक चरण में मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान करें।

एक्सेलेरेटर्स प्रोग्राम्स: ऐसे प्रोग्राम्स की शुरुआत की जानी चाहिए जो स्टार्टअप्स को तेज़ी से बढ़ने में मदद करें। ये प्रोग्राम्स वित्तीय सहायता, मेंटरशिप, और बाजार में प्रवेश के अवसर प्रदान करें।

3. वित्तीय सहायता और निवेश: स्टार्टअप फंड: राज्य सरकार को एक विशेष स्टार्टअप फंड की स्थापना करनी चाहिए, जो नवाचार और स्टार्टअप्स को प्रारंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करे।

वित्तीय प्रोत्साहन: निवेशकों के लिए कर प्रोत्साहन और सब्सिडी जैसी योजनाएं शुरू की जानी चाहिए, जो वे स्टार्टअप्स में निवेश करते हैं।

4. उद्योग-शैक्षिक संस्थान साझेदारी:–

सहयोग और नेटवर्किंग: उच्च शिक्षा संस्थानों को उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि छात्रों को व्यावहारिक अनुभव और बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल मिल सके।

इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप: छात्रों को उद्योग से जुड़े प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए, जिससे वे वास्तविक दुनिया की समस्याओं को समझ सकें और उनके समाधान में योगदान कर सकें।निजी विश्वविद्यालय और निजी कॉलेज उच्च शिक्षा के संस्थान हैं जो सरकारों द्वारा संचालित, स्वामित्व या संस्थागत रूप से वित्त पोषित नहीं हैं। हालाँकि, उन्हें अक्सर कर छूट, सार्वजनिक छात्र ऋण और सरकारों से अनुदान प्राप्त होता है। अपने स्थान के आधार पर, निजी विश्वविद्यालय सरकारी विनियमन के अधीन हो सकते हैं।

डिजिटल और तकनीकी बुनियादी ढांचा:–

स्मार्ट क्लासरूम्स और ई-लर्निंग: उच्च शिक्षा संस्थानों में स्मार्ट क्लासरूम्स और ई-लर्निंग प्लेटफार्म्स की स्थापना की जानी चाहिए, जो छात्रों को डिजिटल शिक्षा और वैश्विक ज्ञान से जोड़ सकें।

ऑनलाइन कोर्सेज और सर्टिफिकेशन: विभिन्न क्षेत्रों में ऑनलाइन कोर्सेज और सर्टिफिकेशन प्रोग्राम्स शुरू किए जाने चाहिए, जो छात्रों को नवीनतम तकनीकों और कौशल में महारत दिला सकें।

6. अनुसंधान और विकास (R&D):–

अनुसंधान अनुदान: उच्च शिक्षा संस्थानों को अनुसंधान के लिए विशेष अनुदान प्रदान किए जाने चाहिए, जिससे वे नवीनतम खोजों और नवाचारों में योगदान कर सकें।

अनुसंधान केंद्र: प्रमुख विश्वविद्यालयों में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना की जानी चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दें।

इन सभी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करके, हम राजस्थान में उच्च शिक्षा को एक नए स्तर पर ले जा सकते हैं और हमारे युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम बना सकते हैं।

उच्च शिक्षा में क्या बजट होना चाहिए?

सारी दुनिया ने शिक्षा में बजट को बढ़ाया है। नेशनल एजुकेशन पालिसी में भी यह प्रावधान किया गया है। हमने हमारे शिक्षा बजेट मे जीडीपी का 6 प्रतिशत का प्रावधान किया था लेकिन आज भी हमारे देश में जीडीपी का 3 प्रतिशत ही खर्च किया गया है। अगर हम इसको अपने बजट (आय) का 6 प्रतिशत ला सके तो बेहतर होगा। जीडीपी की शुरुआत केन्द्रीय सरकार से होनी चाहिए।

दूसरे इस बजट को और ज्यादा प्रभावशाली करने के लिए हमारी राज्य सरकार को अलग से भी सोचना चाहिए। अपने प्रदेश में शिक्षा मे जहां पिछड़ापन अन्य राज्यों की तुलना मे पहले से ही ज्यादा है। इसलिए हमे दूसरे प्रदेशों की तुलना में आगे आने के लिए इसमें जीडीपी की प्रतिशत बढ़ानी पड़ेगी। राज्य सरकार अपने स्त्रोतों से भी इसको लागू करें।

हमें यह निर्धारित करना होगा कि जो बजट है उसकी क्या प्रथिमिकताएं हैं। हमारे राज्य मे उच्च शिक्षा में विभिन्न भोगोलिक परीस्थितियाँ हैं। हमारी शिक्षा में साइंस, आर्ट्स, कामर्स की अलग-अलग दशा है। हम आधारभूत संरचना की बात करें तो बुनियादी ढांचे, बेसिक इंफ्रास्ट्स और आवश्यक बुनियादी ढांचे भी बहुत ज्यादा अंतर है और वो भी अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग है। इसलिए हमे एक सीधा सीधा अनुपात मे हर क्षेत्र को बांटने की जगह पर आवश्यकता के अनुरूप उसका वितरण जब तक नहीं करेंगे बजट बढ़ाने का फायदा नहीं होगा।

विश्वविद्यालय के स्तर पर भी निश्चित रूप से अपने स्त्रोतों के बारे मे बड़े पैमाने पर सोचना होगा : एक, आय बढ़ा कर के दूसरा व्यय घटा करके। अगर हम आय नहीं बढ़ाते हैं तो व्यय ही घटा लें। तब भी हमारा बहुत सारा लक्ष्य पूरा हो सकता है।

बजट के सही उन्नयन के लिए, सही उपयोग के लिए, हम व्यवसायिक प्रोफेशनल बॉडीज और टेक्निकल बॉडीज का सहारा लेना चाहिए, जो भी हमारे पास हैं। कम हो वो हम प्रोफेशनल तरीके से प्रोफेशनल मार्गदर्शन के तहत ही उसको क्रियान्वित करें। विश्वविद्यालय को इसमें भी पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए। अपनी आवश्यकता के अनुरूप उपयोग करें ना की रूसा (आरयूएसए) की तरह।

विश्वविद्यालय प्रणाली में सार्वजनिक निजी भागीदारी को मजबूत किया जा सकता है।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग जैसी आंतरिक क्षमताओं को विभाजित करके वेब डिजाइनिंग, वेब रखरखाव और विभिन्न अन्य तकनीकी कार्यों का काम अपने हाथ में ले लें।

पोर्टल के प्रबंधन के लिए समर्थ जैसी सरकारी एजेंसियों पर अपनी निर्भरता बढ़ाएं, जिससे कंप्यूटर विक्रेताओं को दिए जाने वाले भारी खर्च को बचाया जा सके।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय

मां गंगा ना मैली थी, ना मैली होगी, गंगा सदैव पवित्र ही रहती है

राजेन्द्र जोशी

रविवार के दिन मां गंगा मैया बहुत व्यस्त रहती थी। लोग मिलने आ रहे थे या गंगा स्नान। गंगा स्नान के लिए भी कुछ लोग पर्यटक की तरह आते हैं। और कुछ आस्था से गंगा के पास दौड़े चले आते हैं। हमारे मित्र हीरालाल हर्ष की और हमारी इच्छा थी की गंगा आरती की जानी चाहिए, खोजबीन की गई गंगा महासभा के पदाधिकारियों से चर्चा हुई, उन्होंने हमारा प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार किया और सबसे ज्यादा भीड़ वाले दिन रविवार को हमें गंगा आरती का अवसर दिया। गंगा आरती से पूर्व हर की पौड़ी पर विधि विधान से गणपति गौरी और मां गंगा की पूजा-अर्चना के बाद महा आरती का आयोजन किया गया। प्रतिदिन मां गंगा की पूजा-अर्चना और महा आरती विधि विधान से 6:00 बजे शाम को प्रारंभ होती है 7:30 बजे आरती प्रारंभ होती है 8:00 बजे तक महा आरती चलती रही। मां गंगा स्वयं हमारे सामने उपस्थित हुई। और हमारी आरती को उन्होंने स्वीकार किया। प्रसन्न हो कर कह रही थी कि मेरी पवित्रता को बनाए रखने की जिम्मेदारी अब मेरी नहीं आपकी है, मैं तो बहती रहूंगी, न ठहरुंगी और न थकूंगी। विद्वान युवा पंडित गंगाधर पांडे ने विधि विधान से पूजा-अर्चना का दायित्व निभाया। गंगा का स्वरूप तो था ही परंतु स्वयं गंगा मैया मौजूद रही। यह समय वह था जब मां गंगा को थोड़ा आराम भी मिल जाता उसकी छाती पर खड़े होकर अठखेलियां करने वाले लोग थम गये।गंगा के चारों तरफ भीड़ ही भीड़, हर की पौड़ी का नजारा देखने लायक बनता है, शायद हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को भी यह अंदाज नहीं होगा कि जिस हर की पौड़ी के निर्माण की कल्पना उन्होंने की थी वह सबसे बड़ा आस्था का घाट बनेगा। महा आरती में शामिल होना खुद करना हमारे लिए एक भारतीय होने के नाते ऐतिहासिक काम हो गया। इस तरीके के काम में शामिल होने से विचारधारा नहीं बदलती यह व्यक्तिगत आस्था का प्रश्न है देश में सभी लोग मां गंगा को प्रणाम करते हैं चाहे वह किसी भी जाति धर्म संप्रदाय के क्यों ना हो यह किसी एक की ठेकेदारी में नहीं है बल्कि समस्त भारतीयों की जिम्मेदारी में है।

कितने भी लोग आ जाएं, संख्या बढ़ती जाएं पर फिल्मी गाना 'राम तेरी गंगा मैली हो गई...' से मैं बिल्कुल भी सहमत नहीं हूं, 'मेरी गंगा ना मैली थी, ना मैली होगी, गंगा सदैव पवित्र ही रहती है।' हिंदुस्तान में नदियों का अपना महत्व है सभी नदियां पवित्र है। तभी तो प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि सभी नदियों को मिला लीजिए पूरा देश पवित्र हो जाएगा, उनका यह कथन इसलिए नहीं था कि केवल पानी की उपलब्धता रहेगी बल्कि उनके कथन को इस रूप में देखना चाहिए कि जहां-जहां यह नदियां जाएगी वहां-वहां दुष्टता खत्म होगी पवित्रता बढ़ेगी। सकारात्मक सोच में बढ़ोतरी होगी, परंतु अटल बिहारी वाजपेयी के बाद उनकी पार्टी की सरकार के प्रधानमंत्री जो खुद को बनाने में लगे हैं उन्होंने कभी इस ओर ध्यान नहीं दिया।

मां गंगा जिस समय धरती पर अवतरित हुई थी क्या सोच रही होगी भागीरथ की भगवान विष्णु ने वचन पूरा करने के लिए देवाधिदेव शिव की जटा से गंगा को प्रवाहित किया और फिर भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर अवतरित होने लगी। उनके भीतर यह भी था कि गंगा के प्रभाव को धरती कैसे संभाल पाएगी अब तो नारायण और शिव प्रसन्न हो रहे होंगे कि भारत में गंगा ठीक से संभल भी गई, गंगा पूजनीय भी हो गई और तो और लाखों लोगों के रोजगार का साधन गंगा हो गई। गंगा जहां भी गई रोजगार का बड़ा साधन बन कर गई। हरि के द्वार में हरिद्वार में हजारों लोग प्रतिदिन अलग-अलग साधनों से विभिन्न क्षेत्रों से रोज आते हैं कुछ लोग यहां रुकते हैं, कुछ चले जाते हैं।

यहां के लोग भी आने वाले यात्रियों के स्वागत में पूरा दिल खोल देते हैं। गंगा स्नान तो हम बरसों से करते आ रहे हैं पर जब से गंगा आरती प्रचलित हुई है देश-दुनिया में गंगा आरती का आकर्षण हुआ, सोशल मीडिया पर एवं प्रत्यक्ष रूप से गंगा आरती के समय लगभग लाखों लोगों का आरती के दर्शन करना आरती में शामिल होना एक अजूबा ही है।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद्-साहित्यकार

उदयपुर में जहरीला आलू खाने को लोग मज़बूर

उदयपुर। उदयपुर में जहरीला आलू खाने को लोग मज़बूर हैं। उत्पादन की दृष्टि से सबसे अधिक आलू का उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है। परन्तु वहां आलू के प्रसंस्करण की कोई व्यापक उद्यमता अभी तक विकसित नहीं हो सकी है। हालांकि भण्डारण के लिए शीतगृह पूरे मध्य भाग में फैले हुए हैं जो उत्पादन मात्रा की दृष्टि से अभी भी काफी कम हैं और रहेंगे, जब तक आलू के प्रसंस्करण और विभिन्न उत्पाद यथा– आलू से स्टार्च, चिप्स, त्वरित सब्जी बनने योग्य आलू, भण्डारण और ट्रांसपोर्ट के लिए सुगम व सस्ता विकल्प, आलू आटा आदि अनेक पदार्थ आलू के मिश्रण से न विकसित हो जिससे आलू उत्पादन करने वाले किसान भी लाभान्वित हो सकें। और जो आलू उपयुक्त भण्डारण उपलब्ध न हो पाने से शीतगृह नजदीक सड़क पर महीनों सड़ते रहते हैं, उससे निजात मिल सके तथा पर्यावरण शुद्ध रह सके।

शिमला स्थित अनुसन्धान केंद्र पर चिप्सोना और चंद्रमुखी आलू की लुभावनी किस्में विकसित हो चुकी हैं जिनसे उत्तम गुणवत्ता के चिप्स बनाये जा सकते हैं।

सब्जी के तौर पर भी यह आलू पूरे उत्तरप्रदेश व अन्य राज्यों में पहाड़ी आलू के नाम से उस समय बिकता है जब लोकल आलू भण्डारण की अवधि में अंकुरित हो जाने से खाने योग्य नहीं रहता यह जहरीला हो जाता है, क्योंकि अंकुर स्फुरण से इसमें दो रसायन जिन्हें ग्ल्यकोएल्कलॉइड्स कहते हैं आलू के अंदर बन जाते है, इनमें सोलनिन्स और चाकोनिन्स प्रमुख हैं। उदयपुर में आलू बेचने वाले इन अंकुरों को हमेशा तोड़ते रहते हैं। राजस्थान के व अन्य आलू खरीदकर खाने वाले लोग इस बात से अनभिज्ञ हैं कि जो जहरीला रसायन अंकुरण से पैदा हो गया है वह तो अंकुर हटाने पर भी आलू के अंदर रह जाता है। और यह भूनने, उबालने, पकाने आदि से भी नष्ट नहीं होता, केवल आलू का स्किन पूरी तरह हटाने से यह अधिकांश छिलके में चला जाता है।

आलू के एक टूबर में अनेक आँखें होती हैं जिनसे अंकुर स्फुरण होता है। गृहणियां तो एक सप्ताह का आलू-प्याज लेकर रख लेती हैं। ऐसे में घरों में भी आलू का अंकुरण होता रहता है और गृहणियां इसके दुष्प्रभाव से अनभिज्ञ रहती हैं। अंकुरण से आलू की बाज़ारू गुणवत्ता भी कम हो जाती है। उदयपुर और प्रदेश के अन्य शहरों में भी संभवतः ऐसा आलू ही बिकता है क्योंकि इस प्रदेश में अनभिग्यता की पराकाष्ठा और कृषि ज्ञान प्रसार कार्यक्रमों में शिथिलता है। ये आलू मुख्य रूप से सूअरों को खिलाने और उन पर जल्दी चर्बी बढ़ाने में काम आता है।

फल व बागवानी महाविद्यालय अनुसंधान और विस्तार निदेशालय जैसे उपक्रम संसाधनों सहित सभी कुछ मौजूद है लेकिन इन सबकी आँखें और दिमाग बंद हो चुके हैं। उपभोक्ता सरकार से पूछे कि पहाड़ी आलू उदयपुर में क्यों नहीं आता और बिकता? जबकि अन्य प्रदेशों के छोटे शहरों में भी यह सुगमता से उपलब्ध होता है। अंकुरित आलू खाना सुरक्षित नहीं है। इसमें मौजूद रसायनों के पेट में पहुंचने पर पेट दर्द, उबकाई आना, उल्टियां, दस्त व अन्य पाचन तंत्र सम्बन्धी व्याधियां और सिर दर्द, बुखार और बेचैनी आदि लक्षण उत्पन्न हो जाते हैं। फलस्वरूप लोग उदयपुर में व अन्य जगह बिकने वाला अंकुरित आलू नहीं खाये। यदि वे चाहते हैं कि उन्हें अंकुरित आलुओं में मौजूद विषैले रसायनों की हानि से बचे रहना हो, आलू की कुकिंग करते समय भी ये विष पूरा नष्ट नहीं होता इसलिए कुकिंग के समय आलू कच्चा नहीं रहना चाहिए ताकि विषैले रसायन की मात्रा कुछ विष प्रभावी हो सके। वैसे ऐसी रिपोर्ट हैं कि ये विषैले रसायन ताप से नष्ट नहीं होता।

अंतिम अनुरोध और सलाह शासन और प्रशासन से भी किया है कि वे इस बात की समुचित व्यवस्था करें और व्यापारियों को भी निर्देशित करें कि वे अंकुरित आलू और अन्य ऐसी हानिकारक फल, सब्ज़ी, आदि न बेचे। फ़ूड सेफ्टी प्राधिकरण और जिला प्रशासन से भी अनुरोध किया है कि संभावित जहरीले खाद्य उपभोक्ताओं को न बेचे जायें।

गौरतलब है कि आलू काफी समय से देश में एक सब्जी के तौर पर लोग उपयोग में ला रहे हैं। ऐसा कहा जाता है कि सबसे पहले आलू एक भोज, जो सर टॉमस रौ ने बादशाह जहाँगीर के सम्मान में रामसर (अजमेर) नामक स्थान पर दिया था। इस शाही दावत में आलू के कई व्यंजन परोसे गए थे, इससे पूर्व बादशाह ने अजमेर में ही टॉमस रौ के सम्मान में भोज दिया था।

कहते हैं इस अवसर पर बादशाह ने टॉमस रौ को देश में तिजारत करने की आज्ञा प्रदान की थी, स्थान था 'रामसर' अजमेर के पास जहां आज भी एक सरकारी फार्म संभवतः संचालित है।

वहां कुछ वर्ष पूर्व स्विट्ज़रलैंड सरकार के साथ एक अनुबंध के तहद राजस्थान की एक प्रसिद्ध बकरी की नस्ल पर अनुसंधान और एक्सटेंशन कार्य संचालित किया गया था। इस शाही दावत से खुश होकर बादशाह ने सर टॉमस रौ से आलू का उत्पादन भारत में करने का अनुरोध किया था। इतिहास की सच्चाई पता नहीं परन्तु तब से आलू बहुत बड़े स्तर पर देश के प्रत्येक प्रदेश में विभिन्न किस्मों का उगाया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के शिमला में राष्ट्रीय आलू अनुसंधान केंद्र कई वर्षों से अनुसंधान करने और विभिन्न उपयोगों हेतु आलू विकसित करने के अनुसंधान में संलग्न है।

राशिफल

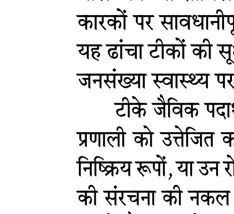

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 26 जून, 2024

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, धनिष्ठा नक्षत्र दिन 1:05 तक, विष्कुम्भ योग प्रातः 6:14 तक, कौलव करण दिन 10:04 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज नागपंचमी (बंगाल) कोकिला पंचमी, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:04 तक, शुभ 10:47 से 12:29 तक, चर 3:55 से 5:37 तक, लाभ 5:37 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:20

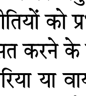

मेष

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

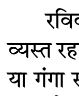

वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

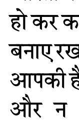

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा सफल रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

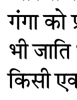

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मानसिक तनाव बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

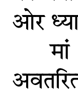

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

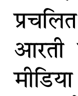

कन्या

आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

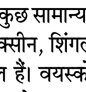

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

घर-परिवार के कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

धनु

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद समाप्त होंगे। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। परिज्रनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कुंभ

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा है।

मीन

आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति अधिक घातक, इसे रोकना जरूरी : राजेश गुप्ता

नशे के विरूद्ध जागरुकता अभियान के तहत कार्यशाला को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश गुप्ता ने सम्बोधित किया।

- **नशे की स्थिति एवं प्रकार, इसके दुष्प्रभाव तथा बचाव के उपायों के बारे में बताया**
- **कलेक्टर की पहल पर जिले में नशा छोड़ने वालों के लिए ई-शपथ और ई-प्रमाण पत्र संबंधी नवाचर किया**
- **नशे के विरूद्ध जागरूकता कार्यशाला आयोजित**

बीकानेर, (कासं)। मादक पदार्थों के दुरूपयोग एवं दुष्प्रभाव के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से चल रहे पखवाड़े के तहत मंगलवार को टीबी क्लीनिक सभागार में नशे के विरूद्ध जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश गुप्ता ने कहा कि आज नशा समाज को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृति अधिक घातक है। इसके प्रति जागरूक होने और दूसरों को प्रेरित करने की जरूरत है। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के स्टेट वाइस चेयरमैन विजय खत्री ने कहा कि प्रशासन के साथ विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं को इस मुहिम से जुड़ने की जरूरत है। इस जन आंदोलन बनाते हुए प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंच बनाई जाए। उन्होंने कहा कि सोसायटी द्वारा इस दिशा में अनवरत कार्यवाही की जा रही है।

अभियान प्रभारी एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल. डी. पंवार ने पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस दौरान केन्द्रीय कारागृह, स्कूलों और कॉलेजों, अस्पतालों में विभिन्न कार्यक्रम हुए। जिला कलेक्टर की पहल पर जिले में नशा छोड़ने वालों के लिए ई-शपथ और ई-प्रमाण पत्र संबंधी नवाचर किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने कहा कि नशा मुक्ति से जुड़े विभिन्न विभाग नशा करने वालों के साथ नशे का व्यापार करने वालों तक भी पहुंचे। उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताया और कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही नशे के दंश से बचा जा सकता है। इससे पहले क्षय रोग निवारण अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर मोदी ने पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से नशे की स्थिति एवं प्रकार, इनके दुष्प्रभाव तथा बचाव के उपायों के बारे में बताया।

मानसिक रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीगोपाल गोयल ने भी नशे से जुड़ा प्रस्तुतीकरण दिया। जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक हरिशंकर आचार्य ने आभार जताया और नशामुक्ति की शपथ दिलाई। इस दौरान नशे को ना कहें फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम का संचालन दंतौर विकास सार्वजनिक पुण्यार्थ ट्रस्ट के रामकिशोर बिश्नोई ने किया।

कार्यशाला में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एडवोकेटे जुगल किशोर व्यास, सदस्य जन्मेजय व्यास, हाजरा बानो, सुनीता चौधरी, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य अरविंद सिंह सेंगर, किरण गौड़, डॉ. तनवीर मालावत, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी सुनील बोड़ा, डूंगर महाविद्यालय के डॉ. अन्नाराम शर्मा, उद्योग विभाग के सहायक निदेशक सुरेंन्द्र कुमार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक डॉ. अरविंद आचार्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे।

श्रीगंगानगर में अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के उपलक्ष्य में 26 जून को चार साहिब जादे चेरिटेबल ट्रस्ट के नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र के तत्वावधान में 'नशा नाश का दूसरा दूजा नाम, तन मन धन तीनों बेकाम' नशा मुक्ति जागृति कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। केन्द्रीय जेल अधीक्षक डॉ अभिषेक शर्मा ने इसके पोस्टर का विमोचन किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष संदीप बुट्टर ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य नशे के गर्त में फंसे युवाओं को इस से बाहर निकालना है। इस आयोजन से एक भी युवा नशा छोड़ता है तो यही हमारे आयोजन की सार्थकता होगी। कार्यक्रम संयोजक सुमेश शर्मा ने बताया कि इसके तहत 26 जून को नशा मुक्ति हस्ताक्षर अभियान चलाया जायेगा। जिसमे प्रबुद्ध लोगों और युवाओं से हस्ताक्षर करवा कर शपथ दिलाई जायेगी। युवाओं के लिए नशा मुक्ति संगोष्ठी का आयोजन भी किया जायेगा। पोस्टर विमोचन में जेल अधीक्षक डॉ अभिषेक शर्मा, कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट सुमेश शर्मा, ट्रस्ट अध्यक्ष संदीप बुट्टर, पवन छिपा व अन्य लोग उपस्थित थे।

विवाहिता ने तोड़ा दम

बीकानेर, (कासं)। विवाहिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका के पिता ने इस आशय की रिपोर्ट पुलिस थाने में दी है।

रिपोर्ट में हेमेरां गांव निवासी प्रहलादराम जाट पुत्र नारायण राम ने बताया कि उसकी बेटी संतोष का विवाह 15 साल पहले कितासर गांव निवासी परमेश्वर जाट पुत्र आदुराम जाट के साथ हुआ था। आरोप लगाया कि उसका पति शराब के नशे में उसको मारता-पीटता था तथा सास भंवरी देवी व ससुर आदुराम उसे गालियां निकालते तथा उसके साथ मारपीट करते थे। आरोपी दहेज के लिए उसके साथ मारपीट कर उसे तंग व परेशान करते हुए दहेज की मांग कर रहे थे।

आरोप है कि संतोष के साथ 20 जून को उसके पति ने मारपीट की। संतोष ने फोन पर उसको इसकी सूचना देते हुए आरोपियों द्वारा जान से मार देने की बात कही। बेटी ने पिता से ससुराल आकर उसको वहां से ले जाने की गुहार भी लगाई। आरोप है कि 21 जून को आरोपियों ने संतोष को जहर पिला दिया। जिसके चलते वह बेहोश हो गई। जेठ ने उसको अस्पताल में भर्ती करवाया। उसका पति नशे के हालत में अस्पताल आया। आरोप है कि तीन दिन इलाज के बाद विवाहिता ने दम तोड़ दिया। पीड़िता पिता ने बेटी के हत्यारों को गिरफ्तार करने की गुहार लगाई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

वहीं सत्तासर गांव की रोही स्थित खेत में 38 वर्षीय श्रवण सिंह पुत्र सुगन सिंह राजपूत ने फांसी का फंदा बनाकर उस झूल गया। बताया जा रहा है कि युवक ने एक दुर्घटना में अपना एक पैर गंवा दिया था। उसके बाद वह हमेशा तनाव में रहता था।

सार-समाचार

मजदूरों का 12 सूत्री मांग पत्र सौंपा

सर्व कामगार सेवा संघ ने बीकानेर कलेक्टर के नाम मजदूरों का 12 सूत्री मांग पत्र सौंपा।

बीकानेर, (कासं)। सर्व कामगार सेवा संघ ने प्रदेशाध्यक्ष भंवर पुरोहित के नेतृत्व में अतिरिक्त जिला कलेक्टर संयुक्त श्रम आयुक्त बीकानेर को निर्माण श्रमिकों की राज्यव्यापी समस्याओं का 12 सूत्री मांगपत्र सौंपा। प्रदेशाध्यक्ष ने मांग पत्र में बताया कि अतिशीघ्र रिक्त पदों पर श्रम निरीक्षकों की नियुक्ति की जाये, योजना व पंजीयन में अपील की समय सीमा बढाई जाये, आवेदनों का ऑटो रिजेक्ट सिस्टम बंद किया जाये, विभागीय अधिकारियों द्वारा आवेदनों की सही व पूर्ण जांच की जाये, शुभ शक्ति योजना को पुनः शुरू किया जाए। प्रसुति योजना का भुगतान पुनः एक मुश्त शुरू किया जाए, शिक्षा एवं कौशल विकास का भुगतान समय पर किया जाए, घायल व मृत्यु सहायता का भुगतान तुंरत किया जाये, सुलभ आवास योजना को भी गति प्रदान की जाए, अधिसूचना 2015-2019 के लिए लेबर ट्रेड यूनियनों को पाबंद किया जाए, रिन्युअल में नियोजक जानकारी अपलोड करने का सिस्टम शुरू किया जाए, शिक्षा व कौशल विकास में पूरक उत्तीर्ण विद्यार्थी को भी शामिल किया जाये। जिलाध्यक्ष धन्नादास ने बताया कि सिलिकोसिस पीड़ित व्यक्ति का आवेदन पहले की भांति श्रम पोर्टल पर शुरू किया जाए, ई मित्र पर पोर्टल के आवेदित सभी पेज ओपन करने का सिस्टम शुरू किया जाए, नियोजक की आई डी पर ओटीपी सिस्टम शुरू किया जाये। उपस्थित जिला व प्रदेश कार्यकारिणी ने कहा कि मजदूरों के लिए संघ संघर्ष के हर द्वार को खटगटायेगा। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री आर. एस. हर्ष, सुभाष पुरोहित, जितेन्द्र सुथार, चन्द्र प्रकाश स्वामी, अशोक प्रजापत, राजू गहलोत, भवानी शंकर नायक, जगदीश शर्मा, उम्मेदसिंह भाटी उपस्थित थे।

नर्सरी में पौध वितरण कार्य शुरू

श्रीगंगानगर, (कासं)। वन विभाग की ओर से टीओएफआर योजना के तहत वर्ष 2024-25 में वितरण हेतु तैयार किये गये पौधों के वितरण का कार्य वन विभाग की पौधशालाओं में 25 जून से आरम्भ कर दिया गया है। उपवन संरक्षक दिलीप सिंह राठौड़ ने बताया कि वन मंडल श्रीगंगानगर की 21 पौधशालाओं में 9.50 लाख पौधे राजकीय विभागों, आमजन और निजी संस्थाओं के वितरण हेतु तैयार किये गये हैं। इन पौधशालाओं में नीम, खेजड़ी, बबूल, अमलतास, जामुन, बकायन, हारश्रृंगार, गुलाब, गूलर, चांदनी, अमरूद, शीशम, शहतूत, गुलमोहर, पपीता, मोलसरी, अनार, बेलपत्र, इमली, बेर, अंजीर, लसोड़ा, अंगूर, नींबू आदि के पौधे तैयार किये गये हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक व्यक्ति वन विभाग की पौधशालाओं से पौधे निर्धारित दरों पर प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा पौध खरीद के लिये वन विभाग के पोर्टल एफएमडीएसएस पर भी बुकिंग करवाई जा सकती है। बुकिंग के दौरान ऑनलाईन भुगतान की व्यवस्था की गई है। साथ ही उक्त पोर्टल पर नजदीकी नर्सरियों में किन-किन प्रजाति के कितने पौधे उपलब्ध हैं की जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है। प्रत्येक पौधशाला का क्यूआर कोड जनरेट किया गया है, जिससे कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल से स्केन कर पौधशालाओं में उपलब्ध पौधों की जानकारी प्राप्त कर सकता है।

लम्बे समय बाद छह अस्पतालों को मिलेंगे स्थाई अधीक्षक

- **मेडिकल कॉलेज से संबद्ध छह अस्पतालों के लिए स्थाई अधीक्षक के लिए 30 जून तक आवेदन मांगे**

बीकानेर, (कासं)। संभाग का सबसे बड़ा पीबीएम अस्पताल लम्बे समय से कार्यवाहक अधीक्षकों के भरोसे ही चल रहा है। गौर करें तो डॉ. विनोद बिहाणी एवं डॉ. पी.के. बैरवाल के बाद यहां पर अस्थाई अधीक्षकों ने ही अधीक्षक पद का कार्यभार संभाला। अब सरकार ने स्थाई अधीक्षक लगाने का फैसला किया है।

इसलिए 30 जून तक आवेदन मांगे गए हैं। यह पहला मौका है जब मेडिकल कॉलेज से संबद्ध छह अस्पतालों के लिए स्थाई अधीक्षक नियुक्त किए जायेंगे। बहरहाल चिकित्सकों ने आवेदन भरने प्रारंभ कर दिए हैं। पीबीएम में डॉ. विनोद बिहाणी एवं डॉ. पी.के. बैरवाल ही स्थाई अधीक्षक की कुर्सी पर काबिज रहे। डॉ. बिहाणी 30 मार्च 2007 से 31 मई 2011 तक स्थाई अधीक्षक रहे। इसके अलावा डॉ. पी.के. बैरवाल 20 जुलाई 2016 से 7 अप्रेल 2020 तक स्थाई अधीक्षक रहे। डॉ. बैरवाल को हटाकर डॉ. मोहम्मद सलीम को कार्यवाहक अधीक्षक का पदभार दिया गया था। इस समय कोविड लहर के चलते डॉ. सलीम को कार्यभार सौंपा गया था। सात माह तक डॉ. सलीम के अधीक्षक बने रहने के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज का अस्थाई प्राचार्य बना दिया गया।

डॉ. बिहाणी एवं डॉ. बैरवाल के स्थाई अधीक्षक रहने के अलावा 9 चिकित्सक अस्थाई अधीक्षक के रूप में कामकाज देख चुके हैं। इसमें डॉ. ओ.पी.श्रीवास्तव, डॉ. सतीश कच्छावा, डॉ. वीर बहादुरसिंह, डॉ. के.के. वर्मा, डॉ. सीताराम गोठवाल, डॉ. जीएल मीणा, डॉ. मोहम्मद सलीम तथा डॉ. परमिन्द्र सिरोही शामिल हैं। डॉ. पी.के. सैनी इस समय भी कार्यवाहक अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ. सीताराम गोठवाल का सबसे कम पांच माह का कार्यकाल रहा। डॉ. गोठवाल एक जुलाई 2015 से 21 दिसंबर 2015 तक अधीक्षक रहे। इसी तरह डॉ. सलीम आठ माह तक अधीक्षक रहे। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध छह अस्पतालों के लिए स्थाई अधीक्षक के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इसमें पीबीएम अस्पताल मर्दाना, जनाना, क्षय चिकित्सालय, जिला चिकित्सालय, गंगाशहर अस्पताल तथा एसएसबी शामिल हैं।

नहर में बहकर आया शव

बीकानेर, (कासं)। जिले में जहां इन्दिरा गांधी नहर में पानी के साथ बहकर शव आया है। वहीं करंट लगने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई।

बीकानेर में महाजन कस्बे के बीच से होकर गुजरने वाली इंदिरा गांधी नहर की कंवरसेन लिफ्ट नहर में एक जने का शव पानी के साथ बहकर आया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव दो-तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। पानी में रहने की वजह से शव की चमड़ी गल चुकी है।

वहीं सादुलपुर के हमीरवास पुलिस थानान्तर्गत करंट लगने से एक वृद्ध की मौत हो गई। इन्द्रपुरा निवासी जागेराम जाट ने पुलिस को दी रिपोर्ट के मुताबिक उसके चाचा हवा सिंह पुत्र चंदगीराम लघुशंका के चलते घर से बाहर निकले थे। घर के नजदीक ही बिजली के खम्भे के पास वे लघुशंका से निवृत हो रहे थे। इसी दौरान खम्भे के पास तार में प्रवाहित करंट की चपेट में आ गए।

पेंशन लाभार्थियों को मिलेगी बढ़ी हुई राशि

- **एक अप्रैल से 1000 की जगह 1150 रूपये प्रति पेंशनर को मिलेंगे**

बीकानेर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 27 जून को झुंझुनूं में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों को बढ़ी हुई राशि का हस्तांतरण सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से किया जायेगा। जिले के लाभार्थी रविन्द्र रंगमंच से इस कार्यक्रम से जुड़ेंगे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल.डी. पवार ने बताया कि इसके लिए प्रातः 11.30 बजे से रविन्द्र रंगमंच पर कार्यक्रम होगा। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने जिले के सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों को आमंत्रित करने, बैठक, फूड पैकेट, पेयजल, जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने, कार्यक्रम स्थल पर वीडियो वॉल लगाने, प्रचार प्रसार, साफ-सफाई, मेडिकल टीम और कानून व्यवस्था सहित सभी कार्यों के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बताया कि अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) उम्मेद सिंह रतनू कार्यक्रम के ओवरऑल प्रभारी होंगे तथा सभी तैयारियां को बुधवार को अंतिम रूप दिया जायेगा।

संयुक्त निदेशक पंवार ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के 88.44 लाख लाभार्थियों के खातों में 1038.55 करोड़ रूपए की डीबीटी की जायेगी। इसमें जिले के 2.20 लाख लाभार्थी सम्मिलित हैं, जिनके खातों में 25.36 करोड़ रुपए बीडीटी किए जाएंगे। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 1 अप्रैल से 1150 रुपए बढ़ी हुई पेंशन मिलेगी।

भूमि आवंटित कराने की मांग : बीकानेर में अखिल भारतीय सफाई श्रमिक कांग्रेस ने राज्य सरकार के सफाई कर्मचारी आयोग के लिए भूमि आवंटित कर भवन निर्माण कराने की मांग की हैं। तदुपरांत आयोग कार्यालय अपने निजी भवन में संचालित हो सके।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मिन अभिभाष्या श्रीमती इन्द्रा देवी पत्नी स्व. श्री ब्रजमोहन सिंह निवासी गली नम्बर 17 रामपुरा बस्ती, लालगढ़, बीकानेर के पुत्र विरेन्द्र रावत एवं पुत्रवधु पूजा का व्यवहार मेरी अभिभाष्या के प्रति अच्छा नहीं रहा है तथा अपनी मनमर्जी करते हैं कहने सुनने में नहीं है और पृथक रहते हैं। इसलिए मेरी अभिभाष्या अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करती है। उक्त दोनों का मिन अभिभाष्या व उसके परिवार से कोई संबंध सरोकार नहीं है भविष्य में इन दोनों के द्वारा किये गये किसी भी संव्यवहार वाद विवाद से कोई लेना देनानहीं होगा, उसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। मिन अभिभाष्या की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे।
जयपुर (अश्वनी कुमार मीणा) एडवोकेट
दिनांक-25.06.202 मो.नं. 9413965938

रावतभाटा राजस्थान साईट, एन.पी.सी.आई.एल.
ईओआई आमंत्रण संख्या, आरआरसाईट/सीएमआर/2023-24/01
एन.पी.सी.आई.एल. आरआर साईट दो साल की अवधि के लिए सी.एस.आर. के अंतर्गत दिव्यांग छात्रों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए पंजीकृत गैर सरकारी संगठनों, ट्रस्ट और स्वायत्त संगठन आदि से ई.ओ.आई. आमंत्रित करती है। परियोजना की अनुमानित लागत रूपये 1,63,22,460/- (एक करोड तिरेसठ लाख बाईस हजार चार सौ साठ मात्र) है। उपरोक्त क्षेत्र में अनुभव रखने वाले इच्छुक पक्ष www.npcil.nic.in से दस्तावेज डाउनलोड कर सकते है। या अधोहस्ताक्षरी से सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सते है। प्रस्ताव 17.07.2024 को 11 बजे तक प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
संबंधित व्यक्ति- प्रवीण कुल्हरी, प्रोजेक्ट प्रभारी, आरआर साइट।
ईमेल pkulhari@npcil.co.in मोबाइल 9412768253
CBC 48132/12/0007/2425

धारदार हथियारों के हमले में घायल

- **बर्छी व सरियों के साथ मारपीट कर मोबाइल छीनने का आरोप**

बीकानेर, (कासं)। सदर पुलिस थाना क्षेत्र में एक जने को बीच सड़क पर रूकवाकर उस पर बदमाशों ने धारदार हथियारों से हमला बोल दिया। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसको तुरंत पीबीएम के ट्रोमा सेन्टर ले जाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। इस मामले में पीड़ित ने पांच युवकों समेत दो महिलाओं को नामजद किया है।

सदर थाना पुलिस के मुताबिक हमले में हुए घायल सुभाषपुरा निवासी मोहम्मद रसीद उर्फ लाला पुत्र उस्मान गनी है। पुलिस के मुताबिक हमले में घायल मोहम्मद रसीद उर्फ लाला ने पर्चा बयान दिया है कि वह दोपहर को किसी काम से जा रहा था। आरोप है कि भुट्टों का बास की गली में उस्मान खां की पत्नी काली ने हाथ से इशारा कर उसको रूकने के लिए बोला और पूछा कि कहां जा रहे है। इसी के साथ काली ने पहले से वहां खड़े लड़कों से कहा कि इसको जिंदा मत जाने देना। आरोप है कि उसके कहने के साथ ही आरोपी धनु पुत्र उस्मान खां, हाजी पुत्र उस्मान खां, छोटू पुत्र उस्मान खां, नजमा, राजू, ममदे खां व खुद काली ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपितों ने उसके साथ बर्छी व सरियों से मारपीट कर उसका मोबाइल छीन लिया।

पत्रावली दफ्तर दाखिल

बीकानेर, (कासं)। ग्राम पंचायत सोमलसर के पूर्व सरपंच रावताराम मेघवाल के विरूद्ध अकाल राहत कार्यों एवं अन्य योजनाओं में अनियमितता के प्रकरण की जांच के बाद समाप्त कर पत्रावली को दाखिल दफ्तर कर दिया गया है।

संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने बताया कि प्रकरण की जांच जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा की गई। जांच अधिकारी ने अपनी जांच रिपोर्ट में बताया कि रावताराम मेघवाल की मृत्यु होने के जांच किया जाना संभव नहीं है। सिंघवी ने बताया कि प्राप्त जांच रिपोर्ट के अवलोकन एवं परीक्षण के उपरांत ग्राम पंचायत सोमलसर के पूर्व सरपंच रावताराम मेघवाल के विरूद्ध विचाराधीन प्रकरण को समाप्त किया जाकर पत्रावली दाखिल दफ्तर करने के निर्देश दिए।

पेयजल वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने में जुटा जलदाय विभाग

बीकानेर, (कासं)। भीषण गर्मी में बेहतर जल प्रबंधन और भविष्य के लिए जल भंडारण एवं वितरण के संसाधनों में वृद्धि किसी भी सरकार के लिए महत्वपूर्ण होते हैं।

इस दिशा में किये गए प्रयासों के दूरगामी सकारात्मक परिणाम आते हैं। प्रदेश में भी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में किये गए कार्य करोड़ों प्रदेशवासियों के लिए राहत भरे रहे। वहीं बीकानेर जिले में भी जलदाय विभाग द्वारा मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप कार्य किए गए। अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने से लेकर भविष्य के मद्देनजर किए जाने वाले कार्यों को गति दी गई।

जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश पुरोहित ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार पिछले छह महीनों में पुर्नगठित शहरी जल योजना के तहत पिछले 4 उच्च जलाशय, 3 स्वच्छ जलाशय और 60 किलोमीटर एचडीपीई पाइपलाइन बिछाई गई। दस किलोमीटर डीआई पाइपलाइन कार्य गत छह माह में किया गया है। इस पर 52.55 करोड़ रुपये व्यय किए गए। जल जीवन मिशन के तहत जिले में पिछले छह महीनों में 5 हजार 633 कनेक्शन जारी किए गए। जल जीवन मिशन के तहत इस दौरान विभिन्न योजनाओं में 51.85 किमी डीई पाइपलाइन तथा 183 किमी एचडीपीई पाइपलाइन बिछाई गई।

वहीं जेजेएम के तहत ही इस दौरान 40 उच्च जलाशय, 9 आरडब्लयूआर एवं 2 आरजीएफ का कार्य पूर्ण किया गया। इन सभी कार्यों पर 17.42 करोड़ रूपये के कार्य करवाए गए हैं। जिले में गत छह माह में 20 नए नलकूप और 24 हैण्डपम्प निर्माण किए गए।

भीषण गर्मी को देखते हुए समर कंटीजेंसी प्लान के तहत स्वीकृत 23 और कैनाल कंटीजेंसी के तहत ग्रामीण क्षेत्र के 18, वहीं शहरी क्षेत्र के 6 कार्य पूर्ण कर दिए गए हैं। राज्य सरकार के निर्देशानुसार गर्मी के दौरान पेयजल वितरण को लेकर विशेष सतर्कता रखी गई, जिससे आमजन को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email- SECYUTT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
Office Address :- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2024/3673 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक 24.6.2024
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती इन्द्रा देवी पत्नी श्री विजय सिंह निवासी मकान नं. 35, 2 के, मिर्जेवाला, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित भूखण्ड रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 10 जैड मुरब्बा सं. 7 किला सं. 7, 14 माप 30 इंटू 50 फीट भूखण्ड संख्या बी-16, ग्रीन लैण्ड सिटी, श्रीगंगानगर	उक्त भूखंड का आवासीय पट्टा सं. 8113 दिनांक 27.4.2018 को श्रीमती पूजा सिंगल पत्नी श्री मुकेश सिंगल के नाम से जारी किया हुआ है। वर्तमान में उक्त भूखंड इन्हीं के नाम से दर्ज है।	श्रीमती इन्द्रा देवी द्वारा उक्त भूखंड को पंजीकृत उपहार पत्र दिनांक 18.12.2023 के द्वारा प्राप्त कर उक्त भूखंड के नामांतरण हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में श्रीमती इन्द्रा देवी पत्नी श्री विजय सिंह निवासी मकान नं. 35, 2 के, मिर्जेवाला, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पटटे के सम्बन्ध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकतें है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति उजर स्वीकार नहीं होगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

विजेताओं को दिए नकद पुरस्कार, नन्हें शातिरों को मिले चैस बोर्ड

स्व. कुशाल चंद व्यास स्मृति प्रथम जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया।

- **व्यास स्मृति जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता संपन्न**

बीकानेर, (कासं)। स्व. कुशाल चंद व्यास स्मृति प्रथम जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता आज संपन्न हुई। बेसिक पीजी महाविद्यालय में आयोजित समापन समारोह में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) डॉ. दुलीचंद मीणा, अपर जिला न्यायाधीश जयपुर डॉ. मनोज जोशी, एडवोकेट एस.एल. हर्ष तथा प्रेमरतन व्यास बतौर अतिथि मौजूद थे।

अतिथियों ने इस आयोजन को शहरी क्षेत्र के शातिरों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि आने वाले समय में ये शातिर बीकानेर का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि स्व. कुशाल चंद व्यास की स्मृति में ऐसे आयोजन समय-समय पर किए जाएं। आयोजन प्रभारी राम व्यास ने प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने आयोजकों का आभार जताया। आयोजन से जुड़े शिवकुमार व्यास ने बताया कि प्रतियोगिता सीनियर जूनियर और महिला वर्ग में आयोजित हुई। सीनियर वर्ग में शेर सिंह चौहान 7 अंकों के साथ प्रथम, कपिल पवार और बजरंग लाल प्रजापत 5.5 अंकों के साथ क्रमशः द्वितीय और तृतीय तथा नगेंद्र राठौड़ और मनोज जोशी पांच अंकों के साथ चौथे और पांचवें स्थान पर रहे।

बालिका वर्ग में अनन्या सांखला ने 6.5 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। अन्वेषा व्यास छह अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। वहीं युक्ति हर्ष, तोषिका जोशी और याशिका चौधरी ने 5.5 अंक हासिल करते हुए प्रोग्रेसिव गणना के आधार पर क्रमशः तीसरा चौथा और पांचवा स्थान प्राप्त किया।

वहीं जूनियर वर्ग में हर्षवर्धन पडिहार और विभोर चौपड़ा ने 6.5 अंक हासिल किए। प्रोग्रेसिव गणना के आधार पर पडि़हार ने पहला तथा चोपड़ा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं होमिल मदान, रविकांत मारू तथा पुंज प्रथम शर्मा ने 6 अंक प्राप्त किए।

किश्तें वसूल कर लगाई चपत

हनुमानगढ़, (कासं)। फाइनेंस कंपनी की किश्तें एकत्रित कर गबन करने के आरोप में जंक्शन थाने में कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया।

राजेश कुमार पुत्र मदनलाल शर्मा निवासी वार्ड 15, भज कॉलोनी, जंक्शन ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि आईआईएफएल समस्ता फाइनेंस लिमिटेड कम्पनी अधिनियम के अंतर्गत रजिस्टर्ड कम्पनी है, जिसका वह शाखा प्रभारी है। आरबीआई से लाइसेंस प्राप्त यह कंपनी ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं एवं आमजन को ऋण उपलब्ध करने का कार्य करती है। कम्पनी की शाखा जंक्शन के हाउसिंग बोर्ड में है। इसमें पदस्थापित कर्मचारी बलजीत सिंह पुत्र टीका सिंह निवासी वार्ड 19, 5 एआरडब्लयू ए, तलवाड़ा झील ग्राहकों को ऋण देने से संबंधित सत्यापन कार्य एवं ऋण की किश्तों की वसूली का कार्य करता था। सत्यापन में यह सामने आया कि बलजीत सिंह ने विभिन्न 16 ग्राहकों से किश्तों की 88233 रुपए की राशि वसूल कर कम्पनी के बैंक खाते में जमा करने की बजाए गबन कर लिया।

राजस्थान आवासन मण्डल
RAJASTHAN HOUSING BOARD
(राज.आवा.मण्डल अधिनियम 1970 के तहत गठित राज्य सरकार का उपक्रम)
(A State Government Enterprise Constituted Under RHB Act 1970)
वृत-बीकानेर, **Circle-Bikaner**
क्रमांकः-उआआ/आरएचबी/बीका/2024-25/178 दिनांक :- 24/5/2023
आम सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल की नीलामी योजना -2005 में श्री सफदर खां पुत्र श्री हसनुदीन खां ने दुकान आवंटन हेतु पंजीकरण करवाया था। आवटी को दुकान सं.3/17 पवनपुरी नगर, बीकानेर का कुल क्षेत्रफल 13.50 वर्गमीटर का आवंटन पत्र क्रमांक 769 दिनांक 30.6.2005 को जारी किया गया था। मूल आवंटी के पक्ष में उक्त दुकान उप पंजीयन कार्यालय बीकानेर में दिनांक 22.5.2007 को पंजीकृत है। तत्पश्चात श्री सफदर खां पुत्र श्री हसनुदीन खां ने उक्त दुकान का बैचान बैयनामा के माध्यम से श्रीमति शकुन्तला देवी पत्नि श्री सत्यनारायण उपाध्याय के नाम किया गया। उक्त बैयनामा उप पंजीयन कार्यालय बीकानेर से दिनांक 20.7.2012 से पंजीकृत हैं।
श्रीमति शकुन्तला देवी पत्नि श्री सत्यनारायण उपाध्याय ने समस्त पंजीयन प्रपत्रों की सत्यापित प्रति निर्धारित शुल्क की रसीद जमा करवाकर मण्डल रिकार्ड में अपना नाम दर्ज करने हेतु आवेदन किया है। श्रीमति शकुन्तला देवी पत्नि श्री सत्यनारायण उपाध्याय का नाम मण्उल रिकार्ड में दर्ज करने की कार्यवाही विचाराधिन है। यदि किसी व्यक्ति/हितकारी को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 10 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में प्रस्तुत करे अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकार्ड में नाम द र्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमति शकुन्तला देवी पत्नि श्री सत्यनारायण उपाध्याय का नाम मण्डल रिकार्डमें दर्ज कर लिया जाएगा।यदि उक्त दुकान में उनके वारिसों एवम् अन्य कोई भी व्यक्ति द्वारा न्यायालय/पुलिस थाना में किसी भी प्रकार का कोई वाद-विवाद पाया गया तो आवंटी स्वयं जिम्मेदार होगा।
सहायक आवासन अधिकारी
राजस्थान आवासन मण्डल
वृत्त बीकानेर

प्लास्टिक पाइप फैक्ट्री में भीषण आग लगी, 90 लाख का माल जला

आगजनी से तीन गोदामों में रखा माल और मशीनें जलकर खाक हो गई

कपासन में सिंचाई प्लास्टिक पाइप बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई।

कपासन, (निसं)। कपासन में सिंचाई प्लास्टिक पाइप बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। अज्ञात कारणों से लगी आग की लपटों को देख मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने नगर पालिका की फायर ब्रिगेड और कपासन पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

■ **सिंचाई पाइप बनाने वाली फैक्ट्री में प्लास्टिक दाना सहित बड़ी मात्र में पाइप रखे हुए थे, जिससे आग तेजी से फैल गई**

वहीं आगजनी से तीन गोदाम में रखा माल और वहां लगी मशीनें जलकर खाक हो गई। घटना रीको इंडस्ट्रीज एरिया में कमल प्लास्टिक इंडस्ट्री फैक्ट्री में मंगलवार सुबह चार बजे की है। फैक्ट्री मालिक ने 90 लाख का नुकसान होना बताया है। फैक्ट्री मालिक उदयपुर निवासी राजकुमार जैन (धाकड़) ने बताया कि वो और उनकी पत्नी फैक्ट्री स्थित आवास पर ही सो रहे थे। मंगलवार को सुबह करीब पांच बजे लाइट बंद होने पर उनकी नींद खुली। उसी दौरान पड़ोस की फैक्ट्री से उन्हें आग लगने का पता चला। इसके बाद वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि आग 2500 स्क्वायर फीट क्षेत्र में बने तीनों गोदाम और वहां लगी मशीनों में फैल गई है। इसके बाद कपासन फायर ब्रिगेड और पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर नगर पालिका की फायर ब्रिगेड सहित पानी के पंप वाले टैंकर मौके पर आए और आग बुझाने में जुट गए। वहीं चित्तौड़गढ़ से भी एक फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पास ही ट्रांसफार्मर की फैक्ट्री थी, लेकिन बड़ा हादसा टल गया।

सिंचाई पाइप बनाने वाली फैक्ट्री में प्लास्टिक दाना सहित बड़ी मात्र में पाइप रखे हुए थे। जिससे आग तेजी से फैल गई। वहीं पाइप बनाने वाली फैक्ट्री के पास ही ट्रांसफार्मर की फैक्ट्री है, जिसमें बड़ी मात्रा में तेल और ट्रांसफार्मर रखे हुए थे, लेकिन समय रहते आग पर काबू पा लेने से आग तीन गोदाम से आगे नहीं बढ़ पाई, जिससे गोदाम में रखा माल और वहां लगी मशीनें जलकर राख हो गई।

शॉर्ट सर्किट से रेडीमेड कपड़ों के शोरूम में भीषण आग लगी

बंद शटर में नीचे और ऊपर की तरफ से धुंआ उठता देख रास्ते से जा रहे लोग चिल्लाए

डूंगरपुर, (निसं)। शहर में अस्पताल रोड पर एक रेडीमेड कपड़ों के शोरूम में सोमवार रात अचानक आग लग गई। बंद शटर से धुंआ उठता देख रास्ते से जाने वाले लोग चिल्लाए। शोरूम मालिक ने शटर खोला तो वहां आग लगी हुई थी। एक बार दमकल का पानी खत्म होने के बाद उसे वापस आने में घंटे भर से ज्यादा का समय लग गया। इस बीच टैंकर से आग बुझाने के प्रयास हुए, लेकिन तब तक कपड़े जलकर राख हो गए।

जानकारी के अनुसार शहर में अस्पताल रोड पर महाराणा प्रताप सर्कल के पास स्थित टीम पेरिस के शोरूम में सोमवार रात को अचानक आग लग गई। घटना से करीब दो घंटे पहले ही शोरूम बंद किया गया था। बंद शटर में नीचे और ऊपर की तरफ से धुंआ उठता देख रास्ते से जा रहे लोग चिल्लाए। इसके बाद लोगों की भीड़ लग गई। शोरूम मालिक भी आ गए। शटर खोलते ही अंदर से आग की लपटें उठने लगी। धुएं के गुबार निकलने लगे। नगर परिषद से दमकल मौके पर पहुंची, लेकिन एक दमकल से आग नहीं बुझा पाए और कपड़ों में लगी आग बढ़ने लगी। फायर ब्रिगेड की दूसरी गाड़ी खराब होने से वही गाड़ी फिर से पानी लेने पहुंची, लेकिन वह वापस आती तब तक एक घंटे से ज्यादा का वक्त हो गया। इस बीच टैंकर से आग बुझाने के प्रयास हुए, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। घंटेभर बाद फायर ब्रिगेड के आने के बाद आग पर काबू पाया जा सका। तब तक कपड़े जल गए थे।

■ **नगर परिषद से दमकल मौके पर पहुंची, लेकिन एक दमकल से आग नहीं बुझा पाए**

नगर परिषद के कार्यवाहक आयुक्त कुलदीप सिंह ने बताया कि शॉर्ट सर्किट की वजह से शोरूम में आग लगना बताया जा रहा है, लेकिन जांच के बाद ही असली कारणों का पता लग सकेगा।

शोरूम से आग की लपटें उठती देख आसपास के व्यापारी भी घबरा गए। शोरूम के नजदीक ही एक किराना सामान का उपभोक्ता बाजार था, जबकि दूसरी ओर कपड़ों का एक और शोरूम था। आग लगने के बाद आस-पास की दुकानों के व्यापारी भी पहुंच गए और उनकी दुकान तक आग नहीं पहुंचे इसके लिए प्रयास में जुट गए। नगर परिषद के पास दो फायर ब्रिगेड है। जिसमें से एक फायर ब्रिगेड की गाड़ी खराब बताई जा रही है। उसी वजह से एक फायर ब्रिगेड का पानी खत्म होने के बाद उसी गाड़ी को वापस आने में घंटेभर का वक्त लग गया। दूसरी फायर ब्रिगेड की गाड़ी होती तो समय पर आग बुझाई जा सकती थी। फायर ब्रिगेड को लेकर भी लोगों ने आक्रोश जताया।

सूरसागर उपद्रव मामला : स्थिति सामान्य होने लगी

45 जनों की गिरफ्तारी के बाद एक पक्ष ने केस दर्ज कराया

जोधपुर, (कासं)। शहर के सूरसागर इलाके आंबों का बास व्यापारियों का मोहल्ला में गत गुरूवार को उपजे सांप्रदायिक तनाव के बाद अब क्षेत्र में शांति बहाल होने लगी है। बाजार खुल चुके हैं और स्थिति तेजी से बदल रही है। पुलिस ने प्रकरण से जुड़े से 45 लोगों को सोमवार को गिरफ्तार किया था और उनसे अब पूछताछ चल रही है। वहीं एक और केस महिला की तरफ से अब दर्ज करवाया गया है, जिसमें आरिफ नाम के शख्स सहित अन्य को नामजद किया गया है। सूरसागर में यह दूसरा मामला प्रकरण के संबंध में दर्ज हुआ है।

■ **अब तक दो प्रकरण दर्ज, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी**

पुलिस उपायुक्त पश्चिम राजेश यादव ने बताया कि स्थिति अब तेजी से सामान्य होने लगी है। बाजार खुल चुके हैं। एहतियात के तौर पर पुलिस का जाब्ता तैनात है और प्रताप नगर वृत के पांच थानों क्षेत्रों सूर सागर, प्रताप नगर, प्रताप नगर सदर, देव नगर और राजीव गांधी नगर में धारा 144 लागू है। एक महिला रूपावतों का बास सूरसागर निवासी लाजवंती गहलोत ने आरिफ सहित अन्य शख्स के खिलाफ रिपोर्ट दी है।

रिश्वत लेते कांस्टेबल ट्रैप

सीकर, (निसं)। सीकर एसीबी की टीम ने लक्ष्मणगढ़ में मंगलवार को कार्रवाई कर लक्ष्मणगढ़ पुलिस थाने के कॉन्स्टेबल को सात हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया है। टीम के डीवाईएसपी रविंद्र सिंह ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी कि उसके खिलाफ उत्तरप्रदेश के हाथरस के पुलिस थाना कोतवाली में दर्ज एक मामले में उत्तरप्रदेश पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल मनोज तस्दीक करने के लिए आए थे। 11 जून को लक्ष्मणगढ़ थाने का कॉन्स्टेबल रघुवीर भी उनके साथ परिवादी के पास गया। दोनों ने परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी, जिसके बाद कॉन्स्टेबल रघुवीर सात हजार रुपए की रिश्वत लेने पर सहमत हुआ, जिसके बाद करवाई करते हुए रघुवीर को सात हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया है।

चार हजार की रिश्वत लेते फायरमैन गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। एंटी करप्शन ब्यूरो कोटा टीम ने सांगोद कस्बे में ट्रैप कार्रवाई की है। टीम ने सांगोद नगर पालिका के फायरमैन को 4 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। फायरमैन देवेंद्र बिल पास करने की एवज में परिवादी से रिश्वत की डिमांड कर रहा था। परिवादी ने इसकी शिकायत कोटा एसीबी चौकी में दी, जिसके बाद कोटा की टीम ने सांगोद जाकर ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया।

एडिशनल एसपी विजय स्वर्णकार ने बताया कि परिवादी ने नगर पालिका सांगोद में हुए कार्य में एलईडी वॉल लगाने का काम किया था। जिसका 18 हजार का भुगतान बाकी था। बिल पास करने की एवज में फायरमैन देवेंद्र ने पांच हजार की डिमांड की। चार हजार में सहमति बनी। परिवादी की शिकायत पर मामले का सत्यापन करवाया। सत्यापन में रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। जिसके बाद आज टीम ने सांगोद में ट्रैप का जाल बिछाया। दोपहर में परिवादी ने नगर पालिका में जाकर फायरमैन को रिश्वत की रकम दी। टीम ने फायरमैन को पकड़ लिया। फायरमैन ने लेखाशाखा रूम में बैठकर रिश्वत ली। फायरमैन के पास पहले लेखा शाखा का काम था। फिलहाल कार्रवाई जारी है। आरोपी के घर व संभावित ठिकाने पर सर्च कार्रवाई जारी है।

■ **फायरमैन ने बिल पास करने की एवज में परिवादी से रिश्वत मांगी थी**

जीएसटी टीम ने व्यापारी के दो ठिकानों पर छापा मारा

व्यापारी के बेटे ने जीएसटी टीम से छीना-झपटी की, कागज लेकर फरार हुआ

कोटपूतली, (निसं)। जिले के बानसूर कस्बे में जीएसटी विभाग की टीम ने एक व्यापारी के दो ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की। इस दौरान कस्बे के व्यापारियों में हड़कंप मच गया। विभाग की टीम देर शाम तक व्यापारियों के ठिकानों पर जांच कर रही थी।

जानकारी के अनुसार कस्बे के व्यापारी ओमप्रकाश के नारायनपुर रोड पर किराना दुकान और ऑयल मील कर रखी है, जहां जीएसटी विभाग की टीम मंगलवार को कार्रवाई करने पहुंची। जीएसटी टीम व्यापारी की दुकान पर कागजों की जांच कर रही थी। इसी दौरान व्यापारी का बेटा आया और टीम के साथ हाथापाई कर कागज लेकर फरार हो गया। इस दौरान विभाग की अधिकारी ऋतु यादव ने बानसूर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर बानसूर थाना प्रभारी अरुण सिंह मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली और घटना को लेकर सीसीटीवी कैमरे चैक किए। थाना प्रभारी ने बताया कि अभी जीएसटी विभाग की कार्रवाई चल रही है। अभी तक किसी प्रकार की कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है। कार्रवाई पूरी होने के बाद ही मामले का पता लग पाएगा।

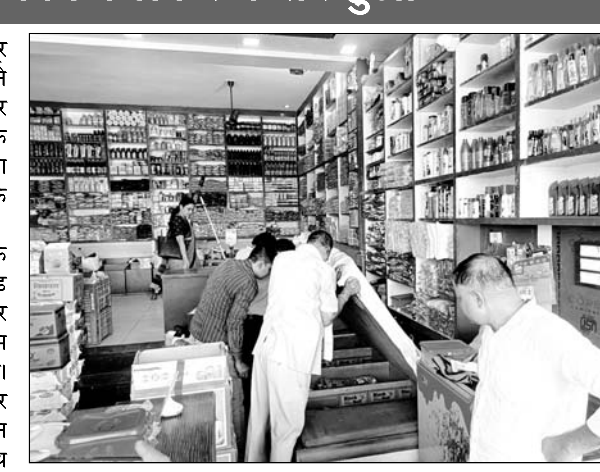

बानसूर में जीएसटी टीम ने दुकान में कार्यवाही की।

207 अपराधी गिरफ्तार

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर पुलिस ने एक दिन में ताबड़तोड़ कार्रवाई की। पुलिस की 52 टीमों ने 249 स्थानों पर दबिश दी। पुलिस ने विभिन्न मामलों में 207 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर राहुल प्रकाश आईपीएस के निर्देशन एवं धौलपुर पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के निर्देशन में सोमवार को अभियान के अन्तर्गत धौलपुर जिले में पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज शर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी कमल कुमार जांगिड़ के सुपरवीजन में सभी थानों पर विशेष टीमें गठित कर अलग अलग स्थानों पर दबिशें दी गईं। इस अभियान में करीब 250 पुलिस अधिकारियों और जवानों की 52 टीमों ने कार्रवाई में भाग लेकर 249 स्थानों पर दबिश देकर 207 बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

आकाशीय बिजली गिरने से 32 बकरियों की मौत

करौली, (नि.सं.)। करौली के निकटवर्ती बहादुरपुर गांव में आकाशीय गर्जना के साथ बिजली गिरने से 32 बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई।

ग्राम पंचायत बहादुरपुर के धर्म सिंह पुत्र नारायण माली की 32 बकरियों की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। गणपत शर्मा एवं रामजीत माली ने बताया कि बकरी चराने वाला अपनी बकरियों को रोज की भांति प्रात: जंगल में बकरियों को चराने ले गया। धर्म सिंह माली अपनी बकरियों को लेकर जंगल में चरा रहा था। शाम को वह करीब छह बजे के लगभग घर वापस लौट रहा था तो रास्ते में वर्षा के दौरान आकाशीय गर्जना के साथ बिजली गिरने से 32 बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर हलका पटवारी व ग्राम विकास अधिकारी ने जायजा लिया। वहीं मामचारी थाना पुलिस ने पशु चिकित्सालय के चिकित्सक से पोस्टमार्टम की कार्रवाई कराई।

बहादुरपुर में बिजली गिरने से 32 बकरियों की मौत हो गई।

युवक ने सुसाइड किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। वार्ड नंबर आठ में एक युवक ने पेड़ से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। श्रीमाधोपुर के वार्ड आठ निवासी मुकेश कुमार जाट ने सुसाइड कर लिया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया मृतक मुकेश कोटा के कैथून नगर पालिका में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत था। युवक करीब 8-10 दिन से अपने घर श्रीमाधोपुर आया हुआ था। सूचना पर एसआई बनवारीलाल यादव मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लेकर शव को कब्जे में लेकर सीएचसी की मॉर्च्यूरी में रखवाया।

महिला से दुष्कर्म

हनुमानगढ़, (निसं)। आधार कार्ड बनाने गई विवाहिता से जान-पहचान कर संपर्क बढ़ाकर अश्लील फोटो खींचने व उसे वायरल करने की धमकी देकर बलात्कार करने के आरोप में नोहर थाने में दो जनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

पीड़िता ने रिपोर्ट दी कि वर्ष 2015 में उसका विवाह हुआ था। इसके बाद उसे तीन संतान हुई। चार साल पहले उसके पति का देहांत हो गया। करीब चार माह पहले वह आधार कार्ड बनाने प्रमोद ई-मित्र के पास गई थी। तब उसकी मुलाकात वहां काम करने वाले सुरेन्द्र मेघवाल से हुई। आरोपी ने मोबाइल फोन नंबर लेकर उससे बात शुरू कर दी। करीब दो माह पूर्व जब वह अपने मंदबुद्धि भाई की देखभाल करने पीहर आई तो आरोपी उसके पास आया और बलात्कार किया। आरोपी ने उसकी अश्लील फोटो खींच ली और वायरल करने की धमकी देते हुए दो-तीन बार देहशोषण किया। इसके बाद आरोपी ने उसे किसी ओर के सुपुर्द कर दिया। सुभाष नाम के व्यक्ति ने भी एक माह तक उसके साथ बलात्कार किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खण्ड जालोर

क्रमांक-/लेखा/2024-25/1563 दिनांक- 18.06.2024

ई-बिड सूचना संख्या 02 वर्ष 2024-25

NIB Code- WRD2425A0076

माननीय राज्यपाल महोदय राजस्थान सरकार की ओर से अद्योहस्ताक्षरकर्ता द्वारा मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के प्रथम चरण में बाडमेर जिले में स्वीकृत कार्य Repair Raising and Restoration of Godimar Anicut (अनुमानित राशि 48.74 लाख) की E-Procurement प्रक्रिया द्वारा दिनांक 21.06.2024 से 30.06.2024 को सायं 6.00 बजे तक ऑनलाईन बोली आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 01.07.2024 को प्रात 11.00 बजे खोली जायेगी। उपरोक्त बोली में भाग लेने वाले ठेकेदार/फर्म जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत हो या के.लो.नि.वि.ए. डाक, दूरसांर, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारों/केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों/संगठनों के पास सूबिद्ध हो जो राजस्थान राज्य के पात्र श्रेणी के समतुल्य हो वे निर्धारित अअवधि में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in से बोली हेतु विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात पात्र है। जिसका विवरण निम्नलिखित वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है एवं खण्ड कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस देखा जा सकता है।

(UBN: WRD2425WSOB00298)

अधिशाषी अधियन्ता
जल संसाधन खण्ड जालोर

DIPR/C/4656/2024

अनियंत्रित होकर पिकअप पलटी, 28 महिला और पुरुष घायल

मांडल से माली समाज के लोग दाह संस्कार में बरडोद (हमीरगढ़) जा रहे थे

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में माण्डल से बरडोद में दाह संस्कार में जा रही पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में पिकअप सवार कई लोग घायल हो गए, जिनका हमीरगढ़ अस्पताल में इलाज चल रहा है। गंभीर घायलों को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है।

थाना प्रभारी दिलीपसिंह ने बताया कि मांडल से माली समाज के लोग दाह संस्कार में बरडोद (हमीरगढ़) जा रहे थे। जोधसिंहजी का खेड़ा के पास विकट मोड़ पर पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। पिकअप में महिलाएं और पुरुष सहित कुल 28 लोग सवार थे जो सभी घायल हो गए। घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से हमीरगढ़ व भीलवाड़ा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हमीरगढ़ हॉस्पिटल में इलाज के बाद एक पुरुष और दो महिलाएं गंभीर घायल होने के चलते उन्हें भीलवाड़ा रेफर किया गया था, लेकिन हमीरगढ़ हॉस्पिटल में एक ही डॉक्टर होने के कारण हमीरगढ़, गंगरार की एंबुलेंस एवं प्राइवेट वाहन की सहायता अन्य लोगों को भी भीलवाड़ा भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है।

■ **जोधसिंहजी का खेड़ा के पास विकट मोड़ पर पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई**

घायल होने वालों में मांडल निवासी सीमा पत्नी कालू माली, मंजू पत्नी नारायण माली, कैलाशी पत्नी भीमराज माली, कंकू पत्नी घीसू माली, कोयली पत्नी स्व. बंशीलाल माली, पीरू पुत्र दोला माली, मोहनी पत्नी मिश्रीलाल माली, केसर पत्नी कालू माली, नंदू पत्नी नारायण माली, प्रिया पत्नी धनराज माली, नानू पत्नी लादू माली, कालू पुत्र कजोड़ माली, सुखदेव पुत्र छीतर माली, देवकरण पुत्र बंशीलाल माली, बंशीलाल पुत्र मांगीलाल माली, पन्नालाल पुत्र शंकर माली, धन्नी पत्नी हाबूलाल माली व सोसर पत्नी बंशीलाल माली आदि शामिल है।

घायलों को एम्बुलेंस से हमीरगढ़ व भीलवाड़ा अस्पताल में भर्ती करवाया।

जवाहर कला केन्द्र

जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर

JKK Jawahar Kala Kendra, Jaipur

JKK GSTIN - 08AAAJJ0462D1ZM

खुली निविदा सूचना संख्या- 2024-25/3082, 3084 एवं 3085

		NIB: JKK2425A0002 UBN: JKK2425WSOB00001	NIB: JKK2425A0003 UBN: JKK2425SLOB00002	NIB: JKK2425A0004 UBN: JKK2425WSOB00003
1	कार्य का नाम	जवाहर कला केन्द्र में स्थित केन्द्रीय वातानुकूलन संयंत्र 150 टन का कौम्प्रेहेन्सिव (Comprehensive) वार्षिक रखरखाव व संचालन संबंधी (आवश्यकतानुसार) अनुबंध	जवाहर कला केन्द्र में मासिक आधार तथा केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के दौरान किराये पर वाहनों की व्यवस्था	केन्द्र की वी.आई.पी. पार्किंग में डामर सड़क (Mastic Asphalt) का कार्य
2	अनुमानित लागत राशि	7.00 लाख	27.00 लाख	18,00,000/- लाख
3	बोली प्रपत्र शुल्क (रुपये)	500/-	1000/-	500/-
4	बोली प्रतिभूति शुल्क (कैश, बैंकर चैक, डी.डी., अतिरिक्त महानिदेशक ज.क.के. के नाम से देय)	14000/-	54000/-	3600/-
5	बिड प्रोसेसिंग शुल्क (रुपये)		500/- एम.डी आई.आर.एस.एल जयपुर	500/- एम.डी आई.आर.एस.एल जयपुर
6	कार्य पूर्ण करने की अवधि		एक वर्ष	45 दिवस
7	निविदा प्रपत्र जारी करने की तिथि	दिनांक 21.6.24 से 28.6.24 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 24.6.24 से 03.7.24 को दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 24.6.24 से 03.7.24 को सायं 6.00 बजे तक
8	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 28.6.24 को दोपहर 2.00 बजे तक	दिनांक 25.04.23 को दोपहर 2.00 बजे तक	दिनांक 4.7.24 को दोपहर 1.00 बजे तक
9	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 28.6.24 को दोपहर 3.00 बजे तक	दिनांक 4.7.24 को दोपहर 3.00 बजे से	दिनांक 4.7.24 को दोपहर 3.00 बजे
10	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक	बाद में सूचित किया जायेगा	बाद में सूचित किया जायेगा	बाद में सूचित किया जायेगा

*निविदा शुल्क एवं बिड सिक्योरिटी राशि में डी.डी. की फोटो प्रति निविदा के साथ संलग्न करें। *दर निविदा खोलने की दिनांक - तकनीकी रूप से सफल निविदादाताओं को उचित माध्यम से सूचित कर दिया जायेगा। *निविदादाता द्वारा निविदा शुल्क एवं बिड सिक्योरिटी राशि अतिरिक्त महानिदेशक जवाहार कला केन्द्र जयपुर के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक/डी.डी. के रूप में कार्यालय में जमा कराना आवश्यक है। *इन निविदाओं को इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट में वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है, तथा निविदादाता इन प्रपत्रों को डाउनलोड कर सकते है।

राज.संवाद/सी/24/1245

शिक्षित और समृद्ध प्रदेश के निर्माण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अपने निवास पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मण्डल से मुलाकात की।

- 'देश और प्रदेश की उन्नति में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण'
- 'बेटियों के साथ बेटों को भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर प्रदान करेगी राज्य सरकार'

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश और प्रदेश की उन्नित में युवाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है तथा राज्य सरकार आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प के अनुरूप युवा शक्ति के उन्नयन के साथ शिक्षित और समृद्ध प्रदेश के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मण्डल से मुलाकात के दौरान सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी का मानना है कि इस देश में युवा, महिला, किसान, गरीब जैसे चार वर्ग हैं, जिनके उत्थान के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत आरक्षण करने से प्राथमिक स्तर पर हमारे बच्चों की नींव मजबूत होगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार बेटियों के साथ बेटों को भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी परिवर्तित बजट में युवाओं के कल्याण तथा सशक्तीकरण के लिए विभिन्न निर्णयों का समावेश किया जाएगा। इस अवसर पर युवाओं ने विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने, रोजगार के लिए विशेष अभियान, खेल सुविधाओं का विस्तार, महिला सुरक्षा, परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने, भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार सहित विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि छात्र संगठनों को युवाओं की समस्याओं को उजागर करने के साथ-साथ उनके समाधान का भी माध्यम बनना चाहिए। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ युवा सशक्तिकरण व छात्र कल्याण से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इससे पहले संगठन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर ध्येय यात्रा पुस्तक भेंट की। इस दौरान राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मौजूद थे।

एक नेता की निजी अदावत का नुकसान उठाया जयपुर कांग्रेस ने

- दो साल से कांग्रेस बनी रही मूकदर्शक, इसका नुकसान कांग्रेस को विधानसभा और लोकसभा चुनावों में उठाना पड़ा
- चर्चा है कि यह लड़ाई कांग्रेस पार्षदों की नहीं, बल्कि खाचरियावास और मुनेश गुर्जर की है

जयपुर, (का.प्र.)। एक कांग्रेस नेता की निजी आदावत जयपुर शहर की पूरी कांग्रेस को पिछले 2 साल से भारी पड़ रही है और इसका नुकसान न सिर्फ कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में, बल्कि लोकसभा चुनाव में भी नुकसान उठाना पड़ा और आगे आने वाले निकाय चुनाव में भी कांग्रेस को यह नुकसान होना तय है। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, जो जयपुर नगर निगम हेरिटेज की महापौर को लेकर एक तरह से निजी लड़ाई लड़ते दिख रहे हैं। दूसरी ओर पूरी कांग्रेस 2 साल से इस लड़ाई को तमाशबीन बनकर देख रही है।

यह पूरी कहानी तब से है, जब जयपुर में दो नगर निगम बनाए गए थे। सभी को यह बात याद होगी कि पहले सिविल लाइन विधानसभा क्षेत्र ग्रेटर का हिस्सा बनाया गया था और मालवीय नगर हेरिटेज नगर निगम का हिस्सा बनाया गया था, लेकिन उसे समय कैबिनेट मंत्री पद पर रहते हुए प्रताप सिंह खाचरियावास ने इस सीमांकन को बदलवाकर सिविल लाइन को हेरिटेज का हिस्सा बनवाया, तो मालवीय नगर ग्रेटर का हिस्सा बन गया। इसका फायदा यह हुआ कि मुस्लिम वोटर्स के सहारे कांग्रेस का बोर्ड बना, लेकिन मुस्लिम पार्षद 80 प्रतिशत जीतने के बावजूद खुद की ओबीसी महिला को इसलिए महापौर नहीं बनवा पाए, क्योंकि जयपुर के दोनों मुस्लिम विधायक रफीक खान और अमीन कागजी नहीं चाहते थे, कि कोई ओर मुस्लिम नेता जयपुर में उभरे। इसका फायदा यह हुआ कि प्रताप सिंह अपनी खाचरियावास ने सिविल लाइन विधानसभा क्षेत्र से जीती मुनेश गुर्जर को महापौर बनवा दिया, लेकिन ऐसे में उप महापौर का पद मुस्लिम के हिस्से गया और प्रताप सिंह खाचरियावास के बेहद नजदीकी पार्षद मनोज मुद्गल उप महापौर बनने से चूक गए।

चर्चा है कि कांग्रेस 2 साल से लगातार इस तमाशे को देख रही है, कि किस तरह से महापौर मुनेश गुर्जर से प्रताप सिंह खाचरियावास के राजनीतिक संबंध बिगड़ने के बाद उन्होंने हर दिन महापौर को हटाने का हर प्रयास किया। जब ऐसा नहीं हुआ और उसके बाद जब एसीबी ने महापौर के घर छापा मारा और उनके पति की गिरफ्तारी हुई, तो खाचरियावास और उनके साथ ही अमीन कागजी और रफीक खान गुट के पार्षदों की तरफ से इस तरह का दबाव बनाया जाता रहा। हालांकि महापौर दो बार हाईकोर्ट से स्टे लेकर पद पर बैठ गई।

अब एसीबी को महापौर की मिलीभगत के सबूत मिले हैं, लेकिन अभियोजन स्वीकृति सरकार जब तक नहीं देती, तब तक महापौर पद पर बैठी है। इस पूरे प्रकरण में कांग्रेस के नेता पहले भी मूकदर्शक थे आज भी सिर्फ नोटिस दिए गए हैं। हालांकि जयपुर शहर कांग्रेस के अध्यक्ष आर आर तिवारी ने इस मामले को लेकर प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और जयपुर के प्रभारी विधायक रोहित बोहरा को स्पष्ट कहा है कि अगर कड़ी कार्यवाही नहीं की गई, तो पार्टी में अनुशासनहीनता के मामले और बढ़ेंगे।

आपातकाल लोकतंत्र पर काले धब्बे के समान : मुख्यमंत्री

- 'संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय में प्रतिबद्धता' विषयक संगोष्ठी में मुख्यमंत्री सम्मिलित हुए
- 'प्रबुद्ध वर्ग वंचित तबके को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराएं'
- आपातकाल लगाकर इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र की हत्या की, स्वयं सेवकों को जेल भेजा और चौथे स्तंभ पर लगाया प्रतिबंध : घनश्याम तिवाड़ी

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत के संविधान और लोकतंत्र में निष्ठा रखने वाले लोग 25 जून 1975 का दिन कभी नहीं भूल सकते। आज जो लोग लोकतंत्र एवं संविधान बचाने का ढोंग कर रहे हैं, उनके द्वारा इस दिन देश में लागू किया गया आपातकाल लोकतंत्र पर काले धब्बे के समान है।

शर्मा मंगलवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में संविधान संरक्षण मंच द्वारा आयोजित 'संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय में प्रतिबद्धता' विषयक संगोष्ठी में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार संविधान को सर्वोपरि मानती है। उन्होंने देश के संविधान की रक्षा का अपना वचन बार-बार दोहराया है और प्रदेश में भी संविधान की रक्षा का दायित्व हम पूरी निष्ठा के साथ निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अल्प समय में ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि एक हजार से बढ़ाकर 1150 रुपए करने, किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ा कर 8 हजार रुपए करने, 73 लाख परिवारों की महिलाओं को 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने जैसे कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने प्रबुद्ध वर्ग से आह्वान किया कि वंचित तबके को केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराएं ताकि वे भी समाज की मुख्य धारा में जुड़ सकें।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अपने सम्बोधन में 1975 में तत्कालीन सरकार द्वारा आपातकाल लागू किए जाने से जुड़ी दमनकारी घटनाओं को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आपातकाल में लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष के कारण ही देश में पुन: लोकतंत्र बहाली हो सकी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास की भावना के अनुरूप अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति सहित वंचित वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है। राज्य विधानसभा में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि बाबा साहेब ने वंचितों को बराबरी का हक दिलाने के लिए समता का मार्ग दिखाया, वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक सरसंघचालक डॉ. केशवराव हेडगेवार ने सामाजिक समरसता का संदेश दिया। समता और समरसता दोनों ही आपसी बंधुभाव में निहित हैं।

विधायक रामसहाय वर्मा ने संविधान संरक्षण मंच के द्वारा इस संगोष्ठी के आयोजन के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। संगोष्ठी में विधायक, संविधान संरक्षण मंच के पदाधिकारी, वर्तमान एवं सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारीगण और बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

वहीं दूसरी ओर भाजपा प्रदेश कार्यालय पर भाजपा युवा मोर्चा की ओर से आपातकाल की बरसी पर विचार संगोष्ठी आयोजित की गई। भाजपा कार्यालय में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने युवाओं को कांग्रेस के काले कारनामे बताए। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाडी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि 25 जून 1975 के दिन ही तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'आपातकाल' की घोषणा की थी। भाजपा आज इस दिन को भारतीय लोकतंत्र में काले दिवस के रूप में मना रही है। जब इंदिरा गांधी के चुनाव को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अवैध घोषित कर दिया था। जेपी आंदोलन अपने चरम पर था। तब इंदिरा गांधी ने बिना कैबिनेट की स्वीकृति लिए राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद से हस्ताक्षर करवाकर देश को जेल की कोठरी के रूप में बदल दिया। लोकतंत्र की हत्या करते हुए इंदिरा गांधी ने सारे नेताओं को जेल में डाल दिया और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया। सभी के मौलिक अधिकारों का हनन किया गया था। लाखों लोगों को जेल में ठूंस दिया गया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक पर प्रतिबंध लगा दिया। इन सब के खिलाफ राष्ट्रीय स्वयं सेवकों ने बहुत बड़ा संघर्ष किया। इसके बाद चुनाव हुए और चुनाव में इंदिरा गांधी हार गई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने आज अपने दिल्ली स्थित आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 25 जून 1975 के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा कर सभी के मौलिक अधिकारों का हनन किया था। भाजपा आज के दिन को सम्पूर्ण देश में काला दिवस के रूप में मना रही है। यह लोकतंत्र के इतिहास का काला दिन है, आज के दिन लोकतंत्र को रौंदा गया था।

सीकर रोड पर ड्रेनेज प्रोजेक्ट का शिलान्यास

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मंगलवार को 36.88 करोड़ लागत से बन रहे सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट शिलान्यास किया। दिया कुमारी ने कहा कि मानसून में जल-भराव की समस्या से सभी लोग बरसों से परेशान थे, परन्तु आज इस ड्रेनेज प्रोजेक्ट अब इस समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल पायेगा।

उन्होने कहा कि विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में विकास के कई बड़े प्रोजेक्ट, रेलवे ओवर ब्रिज, बालिका कॉलेज औऱ सेटेलाईट हास्पिटल आ रहे हैं। अन्य जनसमस्याओं की निराकरण के लिए मैं जल्द ही इलाक़े में साप्ताहिक जनसुनवाई शुरु करने जा रही हूँ। सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य पूरा होने से भवानी निकेतन, ढेहर के बालाजी, अल्का सिनेमा, 1 नंबर सन एण्ड मून, मुरलीपुरा एवं विद्याधर नगर आदि क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। वार्ड नं 4 में दो करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से सर्वोदय कॉलोनी से लालाराम नगर बढारना में जल निकास ड्रेनेज का निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। इस दौरान जिला पदाधिकारी, समस्त मंडल अध्यक्ष, समस्त वार्ड पार्षद, मोर्चा अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, व्यापार मंडल पदाधिकारी, कार्यकर्ता व विद्याधर नगर के सम्मानित जन मौजूद रहे।

विधायक आवास परिसर में सुविधाओं का विस्तार

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को यहां विधायक आवास परिसर में बैंक एटीएम ई-कॉर्नर, सहकारी उपभोक्ता संघ, सरस डेयरी और चिकित्सालय का उद्‌घाटन संसदीय कार्य मंत्रीजोगाराम पटेल, डेयरी मंत्रीजोराराम कुमावत, सहकारिता राज्य मंत्री गोतम कुमार, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधानसभा के सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग की मौजूदगी में किया।

देवनानी ने कहा कि विधायक आवास परिसर में लगभग 125 विधायक और उनके परिजन निवास कर रहे हैं। परिसर में यहां के निवासियों की आवश्यकताओं के अनुरुप सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। एसबीआई बैंक एटीएम का ई-कॉर्नर, सहकारी उपभोक्ता संघ का विविध वस्तु भण्डार, सरस डेयरी का पार्लर और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के लिये शहरी स्वास्थ्य केन्द्र का शुभारम्भ किया गया है। भविष्य की आवश्यकतानुसार अन्य सुविधाओं का भी समयानुसार विस्तार किया जायेंगा।

देवनानी ने कहा कि चिकित्सालय में वर्तमान में ऐलोपेथी और होम्योपैथी चिकित्सकों की व्यवस्था की गई है। भविष्य में जरूरत के अनुरूप आयुर्वेद चिकित्सकों की भी यहाँ सुविधा उपलब्ध करवाई जायेगी। चिकित्सालय का समय भी आवश्यकतानुसार बढ़ाया जायेगा। परिसर में एक समिति का गठन किया गया है, जो यहां निवास कर रहे लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगी। उन्होंने कहा कि परिसर की सुरक्षा के भी पुख्ता प्रबंध किये गये है। यहां रहने वाले विधायक, उनके परिजन और उनके अतिथि की सुविधा और सुरक्षा के इंतजाम किये गये हैं।

देवनानी ने कहा कि विधानसभा के आगामी सत्र में सभी को साथ लेकर चलने के बेहतर प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि 16वीं विधानसभा के द्वितीय सत्र के आरम्भ होने से पहले भी सर्वदलीय बैठक बुलाकर बात की जायेंगी। आगामी 2 जुलाई को प्रस्तावित सर्वदलीय बैठक का मकसद है कि सदन नियमों के अनुसार शांतिपूर्ण चलें।

तबादले पर अधिकरण ने रोक लगाई

जयपुर, (का.सं.)। सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने पंचायती राज विभाग के अधीन कार्यरत कर्मचारी का तबादला आदेश उसके कार्यग्रहण करने के तीन दिन बाद रद्द करने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिकरण ने मामले में प्रमुख पंचायती राज सचिव, सवाई माधोपुर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और गंगापुर सिटी जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अधिकरण ने पूछा है कि जब तबादला आदेश की पालना में कार्य ग्रहण कर लिया गया तो ट्रांसफर आदेश को रद्द क्यों किया गया। अधिकरण ने यह आदेश देवकी नंदन की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता विजय पाठक ने अधिकरण को बताया कि अपीलार्थी सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाडा में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत था। गत सात मार्च को उसका तबादला यहां से गंगापुर सिटी जिला परिषद में कर दिया।

जयपुर में पीने के पानी की मांग को लेकर प्रदर्शन

- महिलाओं ने सड़क पर धरना दिया
- बदनपुरा पुलिस चौकी का घेराव कर नारेबाजी की

जयपुर। राजधानी में लोग पीने के पानी के लिए परेशान है। मंगलवार को दोपहर बाद चारदीवारी के पास स्थित बासबदनपुरा एरिया की खारवाल बस्ती की महिलाओं ने परेशान होकर बदनपुरा चौकी का घेराव कर दिया और रास्ते पर धरना देकर बैठ गईं।

दरअसल, बासबदनपुरा में अब तक पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई। यहां पीएचईडी की तरफ से टैंकर के जरिए ही पानी सप्लाई होता है। स्थानीय महिला शांति देवी ने बताया कि यहां करीब 100 से ज्यादा परिवार 50 साल से रह रहे हैं। यहां 50 साल से पानी की सप्लाई अब तक शुरू नहीं हुई। कुछ समय पहले सरकार ने यहां लाइन बिछाने का काम शुरू किया तो कुछ जगह लाइन डालने के बाद काम बंद कर दिया। आज भी यहां 100 से ज्यादा परिवार के लोग टैंकर से पानी भरकर अपना गुजर-बसर कर रहे है। आज पानी की सप्लाई नहीं होने से परेशान महिलाएं दोपहर करीब 3 बजे धरने पर बैठ गईं। पुलिस चौकी की सामने दो दर्जन से ज्यादा महिलाएं और पुरूष चौकी के सामने रस्सी लेकर खड़े हो गए और रास्ता बंद कर दिया। इससे ट्रेफिक रूक गया। इस दौरान बारिश शुरू हो गई तो महिलाएं सड़क पर ही धरने पर बैठ गई।

विरोध बढ़ता देख जेईएन सुरभि पुलिस चौकी पहुंची। उन्होंने प्रदर्शन कर रही महिलाओं का आश्वासन दिया कि दो दिन का समय दे विभाग यहां दोबारा लाइन बिछाने का काम शुरू करवा देगा। जेईएन ने बताया कि आप ही में से कुछ लोगों ने विरोध करके यहां काम कर रहे ठेकेदार के कर्मचारियों को भगा दिया था। जेईएन ने बताया कि इस कॉलोनी में 100 मीटर से ज्यादा लम्बाई में लाइन बिछाने का काम शुरू किया था, लेकिन 40 मीटर में लाइन बिछने के बाद लोगों ने ही काम बंद करवा दिया।

साइबर थाने की खिड़की से कूद कर अपराधी भागा

जयपुर। साइबर थाने से सोमवार देर रात एक बदमाश पुलिस को चकमा देकर भाग निकला। जानकारी के अनुसार साइबर ठगी के आरोप में साइबर थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। कमरे में पूछताछ के दौरान पुलिसकर्मी के बाहर आने पर बदमाश खिड़की से कूदकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की तलाश में जगह-जगह दबिश दी। लेकिन उसका कोई पता नहीं लग सका। इस संबंध में पुलिस ने विधायकपुरी थाने में फरार बदमाश के खिलाफ पुलिस कस्टडी से भागने का मामला दर्ज करवाया है।

साइबर थानाधिकारी श्रवण कुमार ने बताया कि पुलिस कस्टडी से भागने वाला आरोपी दीपक सिंह (21) पुत्र राजेन्द्र सिंह खण्डार सवाई माधोपुर का रहने वाला है। साइबर थाने में दर्ज मामले में आरोपी दीपक सिंह के साइबर फ्रॉड के लिए फेक अकाउंट उपलब्ध करवाने का पता चला था। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर दबिश देकर आरोपी दीपक सिंह को रविवार शाम गिरफ्तार किया था। पुलिस टीम ने सोमवार दोपहर आरोपी को कोर्ट में पेश कर दो दिन का रिमांड लिया था।

दो स्थानों से सड़क सीमा में आ रहे अतिक्रमणों को हटाया

जयपुर विकास प्राधिकरण की टीम ने जोन-9 में गोमती नगर द्वितीय सांगानेर में व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बनाई जा रही अवैध दुकान को ध्वस्त किया।

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-7 में ग्राम सिरसी में रोड़ पर सड़क सीमा में आ रहे कब्जा-अतिक्रमणों को ध्वस्त किया गया। जोन-9 में गोमती नगर द्वितीय सांगानेर में व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बनाई जा रही अवैध दुकान को प्रारम्भिक स्तर पर पूर्णत: ध्वस्त किया गया। साथ ही जोन-14 में ग्राम बिलवा चन्द्रवन के सामने रोड़ सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा जोन-7 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम सिरसी रोड़ पर कब्जा-अतिक्रमण कर कन्टेनर डीपो लगाकर, पत्थर मलवा इत्यादि डालकर किये गये कब्जे-अतिक्रमण को आज जोन-7 में रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-7 स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

जेडीए द्वारा जोन-8 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित गोमती नगर द्वितीय सांगानेर में अवैध रूप से बेसमेन्ट खोदकर व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बनाई जा रही अवैध दुकान को आज जोन-8 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से प्रारम्भिक स्तर पर ही ध्वस्त किया गया। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-8 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

इसी प्रकार जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम बिलवा चन्द्रवन के सामने रोड़ सीमा पर कब्जा-अतिक्रमण कर थड़ी, छप्पर पोष इत्यादि लगाकर किये गये कब्जे-अतिक्रमण को आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-14, 10 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

डी-मार्ट से 1.80 लाख रुपये का जुर्माना वसूला

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार झोटवाड़ा जोन की टीम द्वारा सिरसी रोड़ वार्ड नं. 48 स्थित निर्माणाधीन डी-मार्ट से 1 लाख 80 हजार रूपये का जुर्माना राशि वसूल किया। उपायुक्त झोटवाड़ा जोन कमलेश मीना ने बताया कि सिरसी रोड़ वार्ड नं. 48 स्थित डी-मार्ट के निर्माणधीन भवन की निर्माण सामग्री सरकारी भूमि पर डालकर अस्थाई अतिक्रमण किये जाने पर नोटिस जारी किये गये। नोटिस दिये जाने के बाद झोटवाड़ा जोन की संयुक्त टीम ने डी-मार्ट की निर्माणाधीन बिल्डिग के ठेकेदार और प्रतिनिधि से 1 लाख 80 हजार रूपये की जुर्माना राशि वसूल की।

ग्रेटर निगम 1000 रु. में खरीदेगा ट्री गार्ड, हैरिटेज निगम में 2100 रु. चुकाने की तैयारी!

इस मानसून हैरिटेज निगम 2.66 करोड़ में खरीदेगा 12700 ट्री गार्ड, जबकि ग्रेटर में 74 लाख की लागत से लिए जाएंगे 7400 ट्री गार्ड

- सूत्रों का कहना है कि नगर निगम प्रशासन ने इस बार भी शर्त यह रखी है कि, जो फ़र्म इन टेंडरों में भाग लेगी, उसे पिछले तीन वर्षों में से किसी एक वर्ष में सरकारी विभाग, निगम और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में लोहे के ट्री गार्ड आपूर्ति का अनुभव होना चाहिए, जो कि इन टेंडरों की एक तिहाई राशि के बराबर होना चाहिए। जबकि ठेकेदारों का कहना है कि ट्री गार्ड की क्वालिटी देखने के बजाय अधिकारी बेवजह की शर्तें लगाकर चहेतों को फायदा पहुंचाना चाहते हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। हैरिटेज नगर निगम की उद्यान शाखा इन दिनों चहेते ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए बेवजह करोड़ों रुपए उड़ा रही है। हैरिटेज निगम ने इस मानसून में लगाए जाने वाले पौधों की सुरक्षा के लिए 12700 ट्री गार्ड का टैंडर करीब 2.66 करोड़ रुपए में निकाला है, यानी कि 1 ट्री गार्ड करीब 2100 रुपए में खरीदा जाएगा।

ताज्जुब की बात यह है कि ग्रेटर निगम में भी 7400 ट्री गार्ड लिए जाने है, लेकिन इनकी अनुमानित लागत सिर्फ 74 लाख रुपए रखी गई है, यानी कि एक ट्री गार्ड सिर्फ 1000 रुपए में खरीदा जाएगा। ऐसे में सवाल उठता है कि जयपुर के दोनों नगर निगम की उद्यान शाखा की कार्यशैली में इतना भारी अंतर क्यों है?

सूत्रों की माने तो हेरिटेज नगर निगम की उद्यान शाखा ने पिछले दिनों हवामहल-आमेर और किशनपोल जोन के लिए 4000, आदर्श नगर के लिए 4500 और सिविल लाइन्स के लिए 4200 ट्री गार्ड खरीदने के लिए निविदा जारी की है। बताया जा रहा हैं कि इन कुल 12700 ट्री गार्ड की अनुमानित लागत करीब 2.66 करोड रुपए रखी गई है। हैरिटेज निगम प्रशासन ने ट्री गार्ड की जो साइज और ऊंचाई तय की है, जिसके अनुसार इसका वजन अनुमानित करीब 16-17 किलो होगा।

वहीं दूसरी ओर ग्रेटर नगर निगम ने जो 7500 ट्री गार्ड मांगे हैं, उनका अनुमानित वजन करीब 9 किलो होगा। खास बात यह है कि ग्रेटर निगम मात्र 1000 रुपए में ट्री गार्ड लेगा, जबकि हैरिटेज निगम करीब 2100 रुपए में।

सूत्रों का कहना है कि नगर निगम प्रशासन ने इस बार भी अलग शर्त यह रखी है कि, जो फ़र्म इन टेंडरों में भाग लेगी, उसे पिछले तीन वर्षों में से किसी एक वर्ष में सरकारी विभाग, निगम और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में लोहे के ट्री गार्ड आपूर्ति का अनुभव होना चाहिए, जो कि इन टेंडरों की एक तिहाई राशि के बराबर होना चाहिए। जबकि ठेकेदारों का कहना है कि ट्री गार्ड की क्वालिटी देखने के बजाय अधिकारी बेवजह की शर्तें लगाकर चहेतों को फायदा पहुंचाना चाहते है।

चर्चाएं यह है कि अधिकारियों ने यह शर्त उन ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए रखी है जो पहले नगर निगम में ट्री गार्ड सप्लाई का काम कर चुके हैं। हैरिटेज सिटी कॉन्ट्रैक्टर्स सोसाइटी समेत करीब आधा दर्जन फर्मों ने इन शर्तों को लेकर निगम प्रशासन के समक्ष आपत्ति भी जताई थी, लेकिन अधिकारियों ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया।

सूत्रों की माने तो ग्रेटर और हैरिटेज निगम पिछले कई वर्षों से ट्री गार्ड की खरीद करता आ रहा है। हर साल करीब 15 से 20 हजार ट्री गार्ड लिए जाते हैं, लेकिन अगला मानसून आते आते यह ट्री गार्ड गायब हो जाते हैं। बताया जा रहा है कि पार्षदों के अनुशंसा पत्र पर पेड़ और ट्री गार्ड लगाए जाते हैं, लेकिन इनकी मॉनिटरिंग नहीं हो पाने के कारण इन ट्री-गार्ड का कोई अता-पता नहीं रहता। नियमानुसार उद्यान शाखा के अफसरों को बकायदा रजिस्टर में ट्री गार्ड की एंट्री करनी होती है, लेकिन पिछले कई सालों से यह काम भी बंद हैं।

भाजपाईयों ने आपातकाल की 49 वीं बरसी को काला दिवस के रूप में मनाया

बीकानेर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी बीकानेर संभाग मुख्यालय पर आज आपातकाल की 49 वीं बरसी को भाजपाईयों ने काला दिवस के रूप में मनाया।

इस अवसर पर शहर जिला उपाध्यक्ष गोकुल जोशी की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री काशीराम गोदारा मुख्य वक्ता थे। इस अवसर पर आपातकाल के संघर्ष के सिपाही जिन्होंने प्रत्यक्ष रूप से आपातकाल का विरोध किया और उस समय की तानाशाह कांग्रेस सरकार का डटकर मुकाबला करने वाले रिखाबदास बोड़ा व मुमताज अली भाटी का सम्मान किया गया।

बीकानेर भाजपा संभाग कार्यालय में आपातकाल की बरसी पर आयोजित संगोष्ठी को भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री काशीराम गोदारा ने सम्बोधित किया।

मुख्य वक्ता काशीराम गोदारा ने बताया 25 जून, 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू किया था। आज आपातकाल की 49 वीं वर्षगांठ हैं। इसको प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकतंत्र का काला दिन करार दिया है। उन्होंने कहा कि आज का दिन उन सभी महान पुरूषों और महिलाओं को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया। आपातकाल का काला दिवस हमें याद दिलाता है कि कैसे कांग्रेस पार्टी ने बुनियादी स्वतंत्रताओं को नष्ट किया और भारत के उस संविधान को रौंदा, जिसका हर भारतीय बहुत सम्मान करता है।

विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि सत्ता हासिल करने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हर लोकतांत्रिक सिद्धांत की अवहेलना की और देश को जेल खाना बना दिया। कांग्रेस से असहमत होने वाले हर व्यक्ति को प्रताड़ित किया गया। सबसे कमजोर वर्गों को निशाना बनाया गया और सामाजिक रूप से प्रतिगामी नीतियां लागू की गई। उन्होंने कहा कि आपातकाल लगाने वालों को हमारे संविधान के प्रति अपने प्रेम को दर्शाने का कोई अधिकार नहीं है।

महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित ने कहा कि लोकतंत्र की हत्या और उस पर बार-बार आघात करने का कांग्रेस का लम्बा इतिहास रहा है। 1975 में आज के ही दिन कांग्रेस द्वारा लगाया गया आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। अहंकार में डूबी, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार के सत्ता सुख के लिए 21 महीनों तक देश में सभी प्रकार के नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे। आपातकाल के खिलाफ संसद से सड़क तक आंदोलन करने वाले असंख्य सत्याग्रहियों,

- **21 महीनों तक देश में सभी प्रकार के नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे**

समाजसेवियों, श्रमिकों, किसानों, युवाओं व महिलाओं के संघर्ष को नमन करती हूं।

आज की संगोष्ठी में पूर्व विधायक बिहारीलाल विश्नोई, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य सत्यप्रकाश आचार्य, पूर्व जिलाध्यक्ष शशि शर्मा, उप महापौर राजेंद्र पंवार, महामंत्री मोहन सुराना, श्यामसुंदर चौधरी, श्यामसुंदर पंचारिया, उपाध्यक्ष आनंद सिंह भाटी, हनुमान सिंह चावड़ा, जितेंद्र राजवी, मंत्री भारती अरोड़ा, महेश व्यास, जगदीश सोलंकी, कौशल शर्मा, कुणाल कोचर, महावीर चारण, कुमनाथ सिंद्ध, रमजान अब्बासी, चंद्र मोहन जोशी, भंवर जांगिड, सोहनलाल चांवरिया, विक्रम भाटी, वेद व्यास, जसराज सिंवर, देवीलाल मेघवाल, कमल आचार्य, नरसिंह सेवग, विनोद करोल, मुकेश ओझा, चंद्रप्रकाश गहलोत, सुधा आचार्य, राधा खत्री, अनिल हर्ष, धर्मेन्द्र सिंह, उमाशंकर सोलंकी, अशोक राजपुरोहित, चतर सिंह, अनूप गहलोत, कमल सैन, राजेश गहलोत, राजकुमार व्यास उपस्थित थे।

रेलवे ट्रैक पर मिला शव

बीकानेर, (कासं)। नापासर पुलिस थानान्तर्गत रेलवे ट्रैक पर एक जने का शव मिला है। बीती रात को सींथल गांव के नजदीक इस युवक का सिर व धड़ अलग हो गए।

पुलिस को देर रात को सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस के मुताबिक मृतक की उम्र 24 साल की है। जो कि ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा इतना वीभत्स था कि युवक का सिर व धड़ अलग हो गए। पुलिस के मुताबिक मृतक ने कानों में बालियां पहन रखी है। मेहंदी कलर का लॉवर तथा धारीदार टी-शर्ट पहन रखी है। चूंकि मामला जीआरपी क्षेत्र का है। ऐसे में शव को पुलिस ने जीआरपी पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। मृतक की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है।

24-नलकूप चालू करते समय करंट लगने से किसान की मौत

वहीं हनुमानगढ़ टाउन थाना क्षेत्र के चक 11 एमडी में खेत में नलकूप चालू करते समय करंट लगने से किसान की मौत हो गई। इस संबंध में टाउन थाने में मर्ग दर्ज कराई गई। राजेश कुमार पुत्र प्रेमकुमार जाट निवासी चौधरी चेतराम वाला चक 15 एसपीएम ने पुलिस को बताया कि उसका भाई रणजीत (42) चक 11 एमडी में प्रशान्त गोदारा पुत्र राजेन्द्र गोदारा के खेत में कृषि कार्य के लिए गया था। रणजीत फसल में पानी लगाने के लिए नलकूप को चालू करने लगा तो करंट की चपेट में आ गया। उसे अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सार-समाचार

ई-ग्राम परियोजना का प्रशिक्षण

पंचायत समिति अनूपगढ़ में मुख्यमंत्री ई-ग्राम परियोजना का प्रशिक्षण सरीना ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी ने दिया।

श्रीगंगानगर, (कासं)। मुख्यमंत्री ई-ग्राम परियोजना के ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन मंगलवार को उपखण्ड अधिकारी की अध्यक्षता में पंचायत समिति सभागार अनूपगढ़ में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक रणजीत सिंह ने ग्राम से संबंधित मूलभूत सुविधाओं के अन्तर्गत सृजित परिसम्पत्तियों एवं प्रदत्त सेवाओं के सत्यापन हेतु एक प्रबंधक प्रणाली मुख्यमंत्री ई-ग्राम परियोजना की जानकारी दी। ई-ग्राम का प्रशिक्षण सरीना ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी द्वारा दिया गया, जिसमें प्रत्येक गांव तक राजकीय सुविधाओं की स्थिति और जनता के द्वारा उनके उपयोग को मॉनिटर करने के लिए ई-ग्राम प्रणाली विकसित की गई। प्रशिक्षण में उपस्थित समस्त प्रशिक्षणार्थियों, जिसमें ग्राम विकास अधिकारी, पटवारी, शिक्षक, कृषि पर्यवेक्षक, एएनएम को संबधित 12 विभागों के फील्ड लेवल के कार्मिक से समन्वय कर सूचना संकलन करके ई-ग्राम प्रपत्र-1 में सही सूचना को भरकर संबंधित पंचायत प्रभारी को जमा करवाने हेतु प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में रणजीत सिंह मीणा संयुक्त निदेशक, पीएमयू आयोजना विभाग जयपुर, अजीत गोदरा उपखण्ड अधिकारी अनूपगढ, मोहनलाल उप निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग श्रीगंगानगर, अतिरिक्त विकास अधिकारी दलवीर सिंह, सांख्यिकी निरीक्षक राजवीर सिंह व श्रीमती संतोष व कनिष्ठ सहायक मनदीप सिंह ब्लॉक सांख्यिकी कार्यालय से उपस्थित थे।

सफेद दाग के 30 मरीजों की जांच

डॉ बी. सी. घीया ने विटिलिगो दिवस पर चर्म रोग विभाग में रोगियों की जांच कर दवा दी।

बीकानेर, (कासं)। विश्व विटिलिगो दिवस पर पी.बी.एम चिकित्सालय के चर्म रोग विभाग में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सफेद दाग की भ्रांतियों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान मेडिकल विद्यार्थियों के लिये सेमिनार का आयोजन भी किया गया। शिविर में डॉ. बी.सी. घीया ने सफेद दाग के 30 मरीजों की जांच कर 3 मरीजों को विटिलिगो सर्जरी के लिए चिन्हित किया तथा 5 मरीजों को फोटोथैरेपी उपचार के लिए बुलाया। शेष मरीजों की जांच करवाकर दवाई दी गई। डॉ घीया ने कहा कि भविष्य में भी चर्म रोग के प्रति जागरूकता के लिये विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। जिससे मरीजों को उचित विशेषज्ञों से इलाज मिल सके। मरीज झोलाछाप डॉक्टर्स के चक्कर में ना पड़े। उन्होंने मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श के बिना स्टेराइडयुक्त दवाईयां नहीं लेने की सलाह देते हुए कहा कि इससे भंयकर साइड इफेक्ट होने का खतरा रहता है।

शोधार्थियों को आर्थिक सहयोग देंगे

बीकानेर, (कासं)। सादूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट बीकानेर, प्रबंध मंडल की बैठक मंगलवार को राजकीय संग्रहालय परिसर स्थित इंस्टीट्यूट के कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सादूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट के सचिव कवि-कथाकार राजेन्द्र जोशी ने की। बैठक के निर्णय की जानकारी देते हुए इंस्टीट्यूट के सदस्य साहित्यकार राजाराम स्वर्णकार ने बताया कि मंगलवार को आयोजित बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया आज की बैठक में इंस्टीट्यूट के सचिव राजेन्द्र जोशी, व्यंग्यकार-संपादक डॉ. अजय जोशी, प्रोफेसर नरसिंह बिन्नाणी, अब्दुल शकूर सिसोदिया एवं शिवकुमार सोनी ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए राजेन्द्र जोशी ने कहा कि सादुल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट राजस्थानी में रिसर्च करने वाले शोधार्थियों को आर्थिक सहयोग देने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि रिसर्च करने वाले विद्यार्थी इंस्टीट्यूट में उपलब्ध सामग्री का उपयोग कर सकेंगे। जोशी ने कहा कि आगामी समय में राजस्थान भारती के अंक इच्छुक व्यक्तियों को उपलब्ध करवाने का भी निर्णेय लिया गया। उन्होंने बताया कि पहला कार्यक्रम प्रत्येक महीने के पहले आयोजित होगा जिसमें राजस्थानी के युवा कवि भाग लेंगे। इस कार्यक्रम को 'समकालीन कविता के युवा स्वर' नाम दिया गया है तथा दूसरा कार्यक्रम हर महीने आयोजित होगा जिसका नाम दिया गया है 'मरुस्थल की कविता के स्वर'। बैठक में डॉ. अजय जोशी ने बताया कि संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष तैस्सितोरी अवार्ड राजस्थानी के विद्वान साथियों को अर्पित किए जाते हैं।

सरसों की सरकारी खरीद का भुगतान नहीं होने से किसान परेशान

श्रीडूंगरगढ़, (कासं)। सरकार की ओर से किसानों को उनकी फसल का वास्तविक मूल्य दिलाने के लिए समर्थन मूल्य पर खरीद की जाती है, लेकिन सरकारी खरीद से संबंधित कार्मिकों की उदासीनता के चलते फसल बेचने के बाद उसका भुगतान नहीं मिलने से किसान परेशान हो रहे हैं।

क्रय विक्रय सहकारी समिति की ओर से सरसों की खरीद की गई, लेकिन अभी तक किसानों को भुगतान नहीं मिला है। फसल तुलवाने के एक माह बाद भी भुगतान नहीं मिलने से किसान चक्कर लगा रहे हैं। जानकारी के अनुसार 1 अप्रेल से सरकारी समर्थन मूल्य पर सरसों की खरीद शुरू हुई थी। सरसों की अंतिम तुलाई 28 मई को हुई थी। अब तक कुल 36 हजार 563 बैग की खरीद हुई थी और एक बैग का वजन 50 किलो होता है। सरसों की समर्थन मूल्य 5650 रूपए प्रति क्विंटल था।

जानकारी के अनुसार अभी तक वेयर हाउस में सरसों के बैग नहीं पहुंचने के कारण किसानों का भुगतान अटकने की बात सामने आ रही है।

- **क्रय विक्रय सहकारी समिति की ओर से सरसों की खरीद की गई, लेकिन अभी तक किसानों को भुगतान नहीं मिला**

मुख्य व्यवस्थापक गौरव जैन ने बताया कि सरसों के 518 बैग अभी तक वेयर हाउस नहीं भेजे गए है।

एक तरफ जहां मुख्य व्यवस्थापक गौरव जैन 518 बैग वेयर हाउस में जमा नहीं होने की बात कह रहे हैं। वहीं राजफैड के क्षेत्रीय अधिकारी शिशुपाल सिंह ने बताया कि 2193 बैग का वेयर हाउस रिसिप्ट उन्हें नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि मुख्य व्यवस्थापक जैन ने शीघ्र ही डब्लयू आर जमा करवाने की बात कही है। गौरतलब है कि इस बार क्रय-विक्रय सहकारी समिति ने ठेकेदार के माध्यम से सरसों की सरकारी खरीद करवाई है।

सरकारी खरीद पर सरसों तुलवा चुके करीब 70 से अधिक किसानों को अभी तक भुगतान नहीं हुआ है। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार वेयर हाउस में माल पहुंचने के बाद डब्लयू आर जमा होने पर किसानों को भुगतान देने की प्रक्रिया शुरू होती है, लेकिन अभी तक कई किसानों का माल वेयर हाउस तक पहुंचा नहीं है और कई किसानों के माल की वेयर हाउस रिसिप्ट जमा नहीं हुई है। इस प्रक्रिया में देरी के चलते किसानों का भुगतान अटका हुआ है।

श्रीगंगानगर। जिले में राज्य सरकार खरीफ की बुवाई के लिए उन्नत बीज के मिनी किट वितरण कर रही है। लेकिन कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय तक बीज की आपूर्ति नहीं हो रही। इसको लेकर कृषि विभाग और कृषि पर्यवेक्षकों के बीच विवाद की स्थिति बन गई है। कृषि पर्यवेक्षक संयुक्त समन्वय समिति जिला श्रीगंगानगर ने बीज मिनी किट अपने स्तर पर वित्तीय भार वहन करते हुए जिला मुख्यालय से गांवों तक ले जाने के कृषि विभाग के आदेश पर रोष जताया है।

बिजली विभाग में तोड़फोड़, सात जनों पर केस

बीकानेर,(कासं)। जोधपुर विद्युत वितरण निगम के ऑफिस में हुई तोड़फोड़ व धक्का-मुक्की के मामले में पुलिस ने सात जनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार जोधपुर डिस्कॉम के सहायक अभियंता धीरज बिश्नोई पुत्र रामस्वरूप ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बिजली विभाग की ओर से गांव गैरसर रोही में टयूबवैल पर बिजली कनेक्शन दिए हुए है। जिसमें बिजली वोल्टेज कम रहने के कारण क्षेत्र लोग कार्यालय में घुस आए और उन्होंने कर्मचारियों से मारपीट की तथा दरवाजों के शीशे तोड दिए व मारपीट की। बिजली की मांग को लेकर इन लोगों ने कर्मचारियों से मारपीट की। बाद में ऑफिस में रखे कंप्यूटर व अन्य सामान भी तोड़ दिए।

पुलिस ने एईएन की रिपोर्ट पर अमीर खां पुत्र अली शेर, भंवराराम मेघवाल, आसिफ अली, दुर्गाराम मेघवाल, चोरू पुत्र शेर मोहम्मद, रफीक व अब्दुल के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच उपनिरीक्षक महेन्द्र सिंह को सौंपी गई है।

बीकानेर में बिजली व्यवस्था चौपट

बीकानेर, (कासं)। पूर्व मंत्री एवं लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे गोविंद राम मेघवाल ने बिजली विभाग में तोड़फोड़ के मामले को लेकर अधिकारियों से बातचीत की है।

साथ ही प्रदेश की भजनलाल सरकार पर बरसते हुए कहा है कि भाजपा सरकार अकर्मण्यता एवं कुशासन का पर्याय बन चुकी है। भारी बिजली कि कटौती के कारण आज बीकानेर में विद्युत कार्यालय सहायक अभियंता ग्रामीण जोधपुर डिस्काउंट में गेरसर गांव के ग्रामीणों ने बिजली समस्या के कारण ऑफिस गये। जहां पर ग्रामीणों ने अपनी उचित मांग कर्मचारी के सामने रखी और विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने कहा कि सरकार हमें उचित बिजली उपलब्ध नहीं करवा रही है। जिसके कारण बिजली की कटौती हो रही है। इससे गुस्साए ग्रामीण ने तोड़फोड़ की, इससे यह दर्शाता है कि सरकार नाकाम है और बीकानेर जिले की बिजली व्यवस्था एकदम चौपट हो गई है।

मेघवाल ने बताया कि उन्होंने बीकानेर के विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों से दूरभाष पर बात करके

- **बिजली विभाग में तोड़फोड़ मामले में गोविंदराम मेघवाल ने की अधिकारियों से बात**

कहा कि किसानों के अन्याय न करें और उनकी उचित कार्रवाई करें ताकि उनकी फसलें नष्ट नहीं हो और खेतों में किसानों की ट्यूबवैल की मोटर भी जल रही है। कम वोल्टेज के कारण और गांव में अवशोषित बिजली के कारण पेयजल की सप्लाई भी नहीं हो रही है। साथ ही गांवों के अन्दर आटा चक्की भी बंद पड़ी है जिसे भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मेघवाल ने ग्रामीणों को समझाते हुए कहा कि आप अपनी मांग गांधीवादी तरीके से रखें। अपराधिक कदम नहीं उठाएं। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि जल्द से जल्द इस बिजली व्यवस्था में सुधार किया जाये। यदि बिजली व्यवस्था नहीं सुधरी तो जिले में एक बड़े आंदोलन की बिजली पानी को लेकर रूपरेखा तैयार की जायेगी।

कर भुगतान अब यू.पी.आई, क्रेडिट कार्ड से भी

बीकानेर, (कासं)। प्रदेश में जीएसटी करदाताओं के लिए भुगतान सुविधा बढ़ाने और भुगतान प्रक्रिया का सरलीकरण के तहत भुगतान के डिजिटल विकल्प दिए गए है।

वाणिज्यिक कर विभाग के मुख्य आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपूर ने बताया कि राजस्थान में भी असम, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश की तर्ज पर करदाता यूपीआई, डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड से कर राशि का भुगतान कर सकेंगे।

हाल ही में राज्य कोषागार एवं जीएसटी पोर्टल के एकीकरण के तहत यह सुविधा करदाताओं को प्रदान की गई है। वर्तमान में वैट करदाताओं के लिए पहले से ही डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। अब जीएसटी करदाताओं के लिए भी सुविधा दी गई है। दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया की बीकानेर ब्रांच की ओर से सीए दिवस के अवसर पर दस दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

अध्यक्ष सीए जसवंत सिंह बैद ने बताया कि सोमवार को आईसीएआई भवन में चिकित्सकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुशील फलोदिया ने कहा कि सीए दिवस पर कई तरह के कार्यक्रम करके सीए अपनी एकता का संदेश दे रहे हैं।

लाखों रूपए व भूखंड हड़पने का मामला दर्ज

बीकानेर, (कासं)। गंगाशहर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के लाखों रूपए व भूखंड हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट पर सात जनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिवादी जयनारायण व्यास कॉलोनी निवासी लालचंद पुत्र तौरंग लाल ब्राह्मण ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि संजय सिंह, राजेश जयपाल युद्धवीर सिंह, प्रशांत बेनीवाल, पवन यादव, कन्हैयालाल भाटी, जितेन्द्र बोथरा के खिलाफ 67,65,000 रूपए एवं 242 आवासीय भूखंड हड़पने का आरोप लगाया है।

खुले नाले में जब्त किया खराब मावा डालने पर विवाद

बीकानेर, (कासं)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कल कमला कॉलोनी में की गई कार्यवाही में जब्त खराब मावे को स्वास्थ्य विभाग द्वारा खुले नाले में लोहे के पीपे सहित डाल दिया गया।

विभाग के अनुसार यह मावा उपयोग लायक नहीं था। हालांकि विभाग ने इस जब्त मावे को लेकर प्रेस मीडिया के माध्यम से खूब वाहवाही लूटने की कोशिश की गई। लेकिन विभाग द्वारा इस जब्त खराब मावे के निस्तारण में भयंकर लापरवाही बरती गई। मेडिकल विभाग के आधिकारिक ट्विटर पर साझा किए गए वीडियो में

- **महापौर सुशीला कंवर ने सोशल मीडिया के माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह को टैग कर अवगत कराया**

साफ तौर पे यह खराब मावा खुले नाले में फेंका जा रहा है।

महापौर सुशीला कंवर ने सोशल मीडिया के माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को टैग करते हुए इस गंभीर मामले में स्वास्थ्य विभाग को निर्देश जारी करने की अपील की है। महापौर ने लिखा है कि स्वास्थ्य विभाग से जब्त खराब मावे को इस तरह खुले नाले में फेंकने से न सिर्फ वायु प्रदूषण होगा बल्कि आगे मानसून के समय वर्षा जलभराव की स्थितियां भी उत्पन्न होंगी। महापौर ने बताया कि इस संबंध में सीएमएचओ से फोन पर बात की गई है। पहले भी हजारों लीटर पाम ऑयल जब्त किया था। उसे भी इसी तरह नाले में डाल दिया गया था। खराब मावा को खुले नालों में डालना सीधे तौर पर स्वास्थ्य से खिलवाड़ है।

खंड स्वास्थ्य समिति बैठक में आयुष्मान कार्ड वितरण को गति देने पर मंथन

बीकानेर, (कासं)। जिले की श्रीडूंगरगढ़ की खंड स्वास्थ्य समिति बैठक में आयुष्मान कार्ड वितरण तथा ई केवाईसी कार्य को गति देने पर विशेष रूप से मंथन किया गया।

उपखण्ड अधिकारी उमा मित्तल की अध्यक्षता में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की खण्ड स्तरीय मासिक बैठक का आयोजन सभागार उपजिला चिकित्सालय, श्रीडूंगरगढ़ में किया गया। बैठक में जिला स्तर से जिला औषधि भंडार प्रभारी डॉ. नवल गुप्ता, जिला आशा समन्वयक रेणु बिस्सा, खण्ड स्तर से खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव सोनी, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस. के. बिहानी, खण्ड कार्यक्रम प्रबंधक राकेश थालौड़, बाबूलाल सारस्वत आदि उपस्थित थे।

श्रीडूंगरगढ़ में खंड स्वास्थ्य समिति की बैठक को उपखंड अधिकारी उमा मित्तल ने संबोधित किया।

बैठक में उपखण्ड अधिकारी उमा मित्तल ने मुख्यत: प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत खण्ड श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र के लाभार्थियों की ई-केवाईसी करवाई जाकर आयुष्मान कार्ड वितरण किए जाने के निर्देश दिए। जिसके लिए माइक्रोप्लान तैयार कर शीघ्र शत-प्रतिशत ई-केवाईसी करने व अब तक बने हुए आयुष्मान कार्ड लाभार्थियों को वितरण करने के निर्देश दिए। डॉ. नवल गुप्ता ने नि:शुल्क दवा योजना के अंतर्गत चिकित्सा संस्थानों पर नि:शुल्क दवा योजना के अंतर्गत समस्त प्रकार की दवाईयां पर्याप्त मात्रा में रखने व रोगियों को दी जाने वाली दवाईयों का शत-प्रतिशत इन्द्राज किए जाने के निर्देश दिए।

- **श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र के लाभार्थियों की ई-केवाईसी कराकर आयुष्मान कार्ड वितरण किए जाने के निर्देश दिए**

इसके साथ ही डॉ. राजीव सोनी ने चिकित्सा सेवाओं के विशेष इंडिकेटर में गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण की प्रगति रिपोर्ट ली और अधिकारी व कर्मचारियों को शत-प्रतिशत लक्ष्य अर्जित करने के निर्देश दिए। राकेश थालौड़ व बाबूलाल सारस्वत ने आगामी 30 जून 2024 को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो कार्यक्रम की कार्य योजना पर समीक्षा करते हुए खण्ड क्षेत्र श्रीडूंगरगढ़ में 0-5 वर्ष तक के समस्त बच्चों को पोलियो की दवा पिलाए जाने हेतु निर्देशित किया।

मथेरन चित्र कार्यशाला में विष्णु के चौबीस अवतारों का चित्रण

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान ललित कला अकादमी और कला संस्कृति विभाग की ओर से राजकीय उच्च अध्ययन शिक्षा संस्था (आईएएसई) में चल रहे ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण मथेरन कला में मंगलवार को बच्चों ने मथेरी कला में भगवान विष्णु के चौबीस अवतारों को अलग- अलग सरफेश पर चित्रित किया।

पंद्रह दिवसीय शिविर में मथेरी कला के प्रशिक्षक मूलचंद महात्मा, समन्वयक मोना सरदार डूडी, संयोजक कमल जोशी और सह संयोजक सुनील दत्त रंगा ने बीकानेरी बादल के साथ भगवान विष्णु के 24 अवतारों को पेपर प्लेट, मिट्टी की हांडी और पंखियों पर अलग-अलग अंदाज से चित्रित किया। नए पटल आधुनिक सरफेस के साथ मथेरी कला का नया रूपांतरण शिविर में देखने को मिला।

ललित कला अकादमी के सचिव और चित्रकार डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि इस प्रकार के प्रयोग से बीकानेर की इस लुप्त हो रही कला को एक नया आयाम मिलेगा। इससे हमारी

मथेरन चित्र कार्यशाला में भगवान विष्णु के 24 अवतारों को पेपर प्लेट, मिट्टी की हांडी और पंखियों पर चित्रित किया।

संस्कृति और धरोहर से आने वाली पीढ़ी भी अवगत होगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम राजस्थान के कई जिलों में भी चल रहे हैं। इसका उद्देश्य राजस्थान की पौराणिक और लुप्त हो रही कला और कलाकारों को बढ़ावा देना है, जिससे ये कलाएं पुन: अपना पौराणिक स्वरूप बरकरार रख सकें। इस प्रशिक्षण कर्यक्रम के दौरान इस लुप्त कला को अलग अलग परिवेश में बनाकर एक नवजीवन दिया जायेगा और बाजार में इसको नए रूप में उतारा जायेगा।

वार्नर जैसा तीनों प्रारूप में प्रभाव छोड़ने वाला खिलाड़ी मिलना बहुत मुश्किल है। मैं उनके साथ खेला भी हूं। मैंने वास्तव में उनके साथ रहने का पूरा आनंद लिया। उन्होंने जो कुछ किया उसके लिए उन्हें खुद पर गर्व होना चाहिए।
- रिकी पोंटिंग

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान, डेविड वार्नर की प्रशंसा में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **रोहित शर्मा**

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रनों की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। अपनी इस पारी के दम पर रोहित शर्मा टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने और बाबर आजम का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। ये टी20 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका बेस्ट स्कोर रहा। रोहित ने अपनी पारी में लगातार 8 छक्कों की मदद से 200 छक्के पूरे किए और ऐसा करने वाले वो दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धति के सह निर्माता फ्रैंक डकवर्थ का निधन

नयी दिल्ली 24 जून। क्रिकेट के वर्षा प्रभावित मैचों में परिणाम निर्धारित करने के लिए प्रयुक्त होने वाली डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धित के सह निर्माताओं से एक फ्रैंक डकवर्थ निधन हो गया है।

वह 84 वर्ष के थे। फ्रैंक डकवर्थ का बीते शुक्रवार निधन हुआ। डकवर्थ ने साथी सांख्यिकीविद् टोनी लुईस के साथ बारिश या अन्य कारकों से बाधित सीमित ओवरों के मैचों में निष्पक्ष परिणाम सुनिश्चित करने के लिए डीएलएस नियम को तैयार किया था। इस नियम पहली बार 1997 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लागू किया गया था। वर्ष 2001 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इसे आधिकारिक रूप से अपनाया। वर्ष 2014 में डकवर्थ और लुईस के सेवानिवृत्त होने के बाद उनके योगदान को मान्यता देते हुए इस विधि का नाम बदलकर डीएलएस कर दिया गया। डकवर्थ और लुईस दोनों को क्रिकेट में उनकी सेवाओं के लिए वर्ष 2010 में ब्रिटेन में सम्मानित किया गया था।

सिर्फ ब्रायन लारा थे जिन्हें हमारे सेमीफाइनल में पहुंचने का यकीन था : राशिद खान

किंग्सटाउन, 25 जून। दो महीने पहले ब्रायन लारा ने अफगानिस्तान के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना जताई थी तो कइयों को हैरानी हुई लेकिन यह करिश्मा कर दिखाने वाली टीम के कप्तान राशिद खान ने उनसे वादा

किया था कि वह उनके भरोसे पर खरे उतरकर दिखायेंगे। और ऐसा ही हुआ। काबुलीवाला की कहानी वाले युद्ध से जर्जर इस देश की यह कामयाबी अब क्रिकेट की किवदंतियों का हिस्सा होगी। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को सुपर आठ चरण के आखिरी मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से आठ विकेट पर हराकर न सिर्फ पहली बार विश्व कप के अंतिम चार में जगह बनाई बल्कि आस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज को भी टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। लारा ने मई में पीटीआई संपादकों से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा था ,'' वेस्टइंडीज, भारत और इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच सकते हैं। चौथे स्थान के लिये मेरा दाव एक डार्कहॉर्स अफगानिस्तान पर है। मैने ग्रुपिंग देखी नहीं है लेकिन अफगानिस्तान ने जितने विश्व कप उसने अतीत में खेले हैं, यह टीम प्रगति की राह पर है और अंतिम चार में जगह बना सकती है।'' राशिद ने सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के बाद कहा ,'' हमारे लिये सेमीफाइनल में पहुंचना सपना सच होने जैसा है। हमने न्यूजीलैंड को हराया तो यह भरोसा बनने लगा था।''

यूरो कप : क्रोएशिया से ड्रॉ के बाद इटली नॉकआउट में

बर्लिन, 25 जून। इटली के स्थानापन्न खिलाड़ी मात्तिया जाकानी ने स्टॉपेज टाइम के आखिरी मिनट में गोल करके क्रोएशिया को 1-1 से ड्रॉ पर रोका और अपनी टीम को नॉकआउट चरण में जगह भी दिला दी। इससे पहले क्रोएशिया के लिये लुका मॉद्रिच ने दूसरे हाफ में गोल किया था । इटली को अंतिम 16 में जगह बनाने के लिए ड्रॉ की जरूरत थी जबकि क्रोएशिया को हर हालत में जीत दर्ज करनी थी। क्रोएशिया के तीन मैचों में दो ही अंक है और अब तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप में नॉकआउट चरण में जगह बनाने के लिये उसे बाकी मैचों के नतीजों का इंतजार करना होगा। इटली का सामना अंतिम 16 में शनिवार को स्विटजरलैंड से बर्लिन में होगा। संभवत: अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे क्रोएशिया के लुका मॉद्रिच ने इटली के खिलाफ गोल किया तो वह यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया और उन्हें प्लेयर आफ द मैच पुरस्कार भी मिला लेकिन वह इसका जश्न मनाने के मूड में नहीं थे। इटली के मात्तिया जाकानी ने स्टॉपेज टाइम के आठवें मिनट में गोल कर दिया। इससे क्रोएशिया की नॉकआउट चरण में पहुंचने की राह कठिन हो गई है।

अफगानिस्तान की ऐतिहासिक जीत पर झूमा तालिबान, विदेश मंत्री ने दी बधाई

अफगानिस्तान, 25 जून। तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने लाखों अफगानिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों की भावनाओं को दोहराया जब उन्होंने मंगलवार, 25 जून को राशिद खान से वीडियो कॉल पर बात की और पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए टीम को बधाई दी। मुत्ताकी ने अपनी बातचीत (मुबारक) के साथ शुरू की, जब उन्होंने किंग्सटाउन, सेंट विंसेंट के अर्नोव वेले ग्राउंड में अपने आखिरी सुपर 8 मैच में अफगानिस्तान की बांग्लादेश पर रोमांचक जीत के ठीक बाद राशिद खान को एक संदेश भेजा। अफगानिस्तान ने पहली बार पुरुष टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपनी सबसे यादगार जीत में से एक हासिल की। कैरेबियाई क्षेत्र में अफगानिस्तान ने बड़े पैमाने पर जायंट किलर साबित हुई क्योंकि उन्होंने सुपर 8 मैच में ऑस्ट्रेलिया पर सनसनीखेज जीत हासिल करने से पहले ग्रुप चरण में पूर्व फाइनलिस्ट न्यूजीलैंड को हराया था।

अफगानिस्तान पहली बार आईसीसी इवेंट के सेमीफाइनल में

लिटन दास खड़े देखते रहे, अफगानिस्तान ने आठ रन से मार लिया मैदान

अफगानिस्तान की जीत से ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल की रेस से बाहर हुआ

किंग्सटाउन, 25 जून। टी-20 विश्वकप के सुपर आठ ग्रुप एक में बंगलादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन कुमार दास नाबाद (54) खड़े देखते रहे और राशिद खान की अगुवाई वाली अफगानिस्तान टीम के गेंदबाजों ने इतिहास रचते हुए आठ रन से वर्षा बाधित मुकाबले को जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान और नवीन उल हक ने बेहतरीन गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए चार-चार विकेट चटकाते हुए बंगलादेश को 17.5 ओवर में 105 रन पर ढ़ेरकर मुकाबला जीतकर ऑस्ट्रेलिया को भी विश्वकप से बाहर कर दिया है। बंगलादेश के लिटन कुमार दास एक छोर थामे खड़े रहे लेकिन किसी भी बल्लेबाज ने उनका साथ नहीं दिया।

उन्होंने 49 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से नबाद (54) रनों की पारी खेली। मैच के बीच में बारिश होने के कारण डकवर्थ लुईस नियम के तहत बंगलादेश का एक ओर घटाकर 19 ओवर में संशोधित लक्ष्य दिया गया था। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

रहमतउल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान की सलामी जोड़ी ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 59 रन जोड़। 11वें ओवर में रिशाद हुसैन ने इब्राहिम जदरान (18) को आउट कर बंगलादेश को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अजमतउल्लाह उमरजई भी (10) बनाकर पवेलियन लौट गये। गुलबदीन नईब (4) और मोहम्मद नबी एक रन बनाकर आउट हुये।

रहमतउल्लाह गुरबाज ने सर्वाधिक (43) रन बनाये। कप्तान राशिद खान 10 गेंदों में (19) और रहमत करीम (7) रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान ने 20 ओवरों में पांच विकेट पर 115 रनों का स्कोर खड़ा किया। बंगलादेश की ओर से रिशाद हुसैन ने तीन विकेट लिये। तस्किन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

डेविड वार्नर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

सेंट लूसिया, 25 जून। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। वॉर्नर ने अफगानिस्तान द्वारा बंगलादेश को आठ रन कर सेमीफाइनल में प्रवेश करने के बाद ऑस्ट्रेलिया के टी-20 विश्वकप 2024 से बाहर होने के साथ संन्यास की घोषणा की है। इसी के साथ ही वॉर्नर डेविड का 15 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त हो गया है। उन्होंने एकदिवसीय विश्वकप 2023 में अपना आखिरी मैच और इसके बाद जनवरी 2024 में पाकिस्तान के साथ अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला था।

उन्होंने भारत के खिलाफ टी-20 विश्वकप 2024 में अपने टी-20 करियर का अंतिम मैच खेला है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए वर्ष 2009 में टी-20 प्रारूप से ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया था। उन्होंने 11 जनवरी 2009 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टी-20 मैच खेला था। इस वर्ष 18 जनवरी को दक्षिण अफ्रीका खिलाफ एकदिवसीय मैच में पर्दापण किया। उन्होंने 2011 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ब्रिसबेन में टेस्ट मैच में पर्दापण किया था।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के 112 टेस्ट में 8786 रन बनाए जिसमें अर्धशतक 37 और शतक 26 शामिल है। वहीं 161 एकदिवसीय मैचों में 6932 रन बनाए। इसमें अर्धशतक 33 और शतक 22 है। 110 टी-20 मैचों में 3277 रन बनाए। जिसमें 28 अर्धशतक और एक शतक शामिल है।

20 किमी. पैदल चाल में प्रियंका गोस्वामी ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, 25 जून। उत्तर प्रदेश की प्रियंका गोस्वामी ने 20 किलोमीटर पैदल चाल में गोल्ड मेडल जीतकर ओलिंपिक के लिए क्वॉलीफाई कर लिया है। एक घंटा 28 मिनट 50 सेकंड के समय के साथ विश्व चैंपियनशिप और 2024 ओलंपिक दोनों के लिए टिकट कटा लिया है। फिलहाल प्रियंका एथलेटिक्स से 2024 खेलों के लिए क्वॉलीफाई करने वाली पहली भारतीय हैं।

टोक्यो ओलिंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी 26 बरस की प्रियंका ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं की 10,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में सिल्वर

जीता था। प्रियंका का लक्ष्य 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना है। प्रियंका गोस्वामी का जीवन कठिनाइयों से भरा रहा है। रोडवेज ने प्रियंका के पिता परिचालक मदनपाल गोस्वामी की नौकरी छीन ली थी। प्रियंका ने पिता की नौकरी जाने के बाद कमजोर आर्थिक स्थिति और अन्य मुश्किलों का सामना कर ओलंपिक तक का सफर तय किया है।

2006 में मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना क्षेत्र के सागड़ी गांव से मदनपाल गोस्वमी, पत्नी अनीता गोस्वामी और दोनों बच्चों कपिल व प्रियंका को लेकर मेरठ आ गए थे। पिता मदनपाल रोडवेज में परिचालक थे। मदनपाल का कहना है कि 2010 में रोडवेज के उच्चाधिकारियों ने मिलीभगत कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी और नौकरी से निलंबित करा दिया।

हमने अपने समर्थकों को निराश किया, मैं टीम की तरफ से माफी मांगता हूं : शांतो

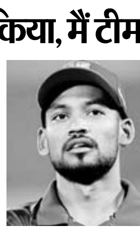

किंग्सटाउन, 25 जनू। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टी20 विश्व कप में अपनी टीम के खराबप्रदर्शन के लिए प्रशंसकों से माफी मांगते हुए इस निराशाजनक अभियान के लिए बल्लेबाजों को दोषी ठहराया। भारत की ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद बांग्लादेश के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका था लेकिन सुपर 8 के अपने अंतिम मैच में उसे अफगानिस्तान से हार का सामना करना पड़ा। शांतो ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,''सबसे पहले मैं यह कहना चाहूंगा कि एक टीम के रूप में हमने बांग्लादेश के अपने प्रशंसकों को निराश किया। इसलिए मैं टीम की तरफ से माफी मांगता हूं। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए।'' उन्होंने कहा,''हमें इसके लिए खेद है। हम भविष्य में इस तरह की परिस्थितियों में अच्छा खेल दिखाने का प्रयास करेंगे।'' बांग्लादेश की टीम सुपर 8 में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन शांतो ने कहा कि उनके लिए कुछ सकारात्मक पहलू भी रहे। उन्होंने कहा,''हमारे लिए सकारात्मक पहलू यह रहा कि हमारे गेंदबाजों ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। रिशाद हुसैन ने इस तरह के बड़े टूर्नामेंट में लगभग हर मैच में अच्छी गेंदबाजी की। हमारे लिए कई चीजें सकारात्मक रही लेकिन बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमने प्रशंसकों और अपने देश के लोगों को निराश किया।

किसान का बेटा किशोर कुमार जेवलिन थ्रो में दिखायेगा दमखम

नई दिल्ली, 25 जून। किशोर कुमार जेना ने चीन के हांगझोऊ में 86.77 मीटर भाला फेंककर पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। ओडिशा के पुरी जिले के कोठासाही गांव में किशोर जेना का घर है। छह बहनों में सबसे छोटे भाई किशोर जेना के पिता किसान हैं और अपनी बेटियों की शादी की व्यवस्था करने में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद उन्होंने अपने बेटे की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास कभी नहीं छोड़ा। जेना के अनुसार, जब वह किशोर थे, तब वह वॉलीबॉल खेलते थे। उन्होंने 2015 में भाला फेंकना शुरू किया।

किशोर जेना का घर ओडिशा के पुरी जिले के कोथासाही गांव में है। छह बहनों के सबसे छोटे भाई किशोर जेना के पिता खेती करते हैं और सभी बेटियों की शादी के लिये आर्थिक अड़चनें झेलने के बावजूद बेटे के सपने पूरे करने में कभी पीछे नहीं हटे। किशोर जेना के मुताबिक, वह पहले वॉलीबॉल खेलते थे। 2015 में उन्होंने भाला फेंक को अपनाया था। उन्होंने भुवनेश्वर के स्पोर्ट्स हॉस्टल से अपनी शुरूआत की थी। अब वह पटियाला साई केंद्र का हिस्सा हैं। परिवार में कोई खेलों से जुड़ा नहीं है। उनका साधारण मध्यमवर्गीय परिवार है। यह भाला फेंक में उनकी प्रतिभा ही थी जिसने उन्हें साल 2018 में भोपाल में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में नौकरी दिला दी।

साल 2022 में बेंगलुरु में नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अपने आखिरी प्रतिस्पर्धी मुकाबले में जेना ने 78.05 मीटर के नए व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ के साथ कांस्य पदक जीता। साल 2023 में जेना अपने खेल को एक अलग स्तर पर ले गए। उन्होंने बेल्लारी में इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक के साथ सीजन की शुरुआत की, इस इवेंट में उन्होंने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 78.93 मीटर का थ्रो किया। तिरुवनंतपुरम में 2023 इंडियन ग्रां प्री में, किशोर जेना ने पहली बार 80 मीटर के बाधा को पार किया। उन्होंने 81.05 मीटर थ्रो के साथ एक और स्वर्ण पदक जीता।

तीरंदाजी में बोम्मादेवरा धीरज पदक पर लगायेंगे निशाना

नई दिल्ली, 25 जून। बोम्मादेवरा धीरज ने तीरंदाजी प्रतियोगिता के जरिए पेरिस ओलंपिक-2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इससे पहले भी वे विश्व चैंपियनशिप समेत कई बड़ी प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर

चुके हैं। बोम्मादेवरा धीरज का जन्म 3 सितंबर 2001 को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में हुआ था । उनके पिता बोम्मादेवरा श्रवण कुमार भारतीय तीरंदाजी संघ के तकनीकी अधिकारी हुआ करते थे। उन्होंने विजयवाड़ा के एसआरआर और सीवीआर गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में डिग्री के लिए अध्ययन किया। उन्होंने 2006 में विजयवाड़ा में वोल्गा तीरंदाजी अकादमी में तीरंदाजी शुरू की। चार साल तक पुणे में आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण लेने के बाद, वह 2021 में हवलदार के पद पर सेना में शामिल हुए। वह रिकर्व पुरुष व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। रिकर्व पुरुषों में, वह विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर हैं।इसके साथ ही बोम्मादेवरा धीरज कई प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। जिसके तहत उन्होंने 2023 में मिश्रित टीम स्पर्धा के अलावा पुरुष टीम और व्यक्तिगत स्पर्धाओं में बर्लिन, जर्मनी में विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

एमिटी ने नोएडा सिटी और नॉर्दन यूनाइटेड ने एम 2 एम को हराया

नयी दिल्ली, 25 जून। विनय के दो बेहतरीन गोलों की मदद से एमिटी इंडियन नेशनल ने नोएडा सिटी एफसी को 2-1 से परास्त कर डीएसए ए डिवीजन के सुपर सिक्स मुकाबले में पूरे अंक अर्जित किए। इस जीत से एमिटी के चैंपियनशिप जीतने की उम्मीद बढ़ गई है। पराजित नोएडा सिटी के लिए कर्मण्य ने गोल किया। वहीं एक अन्य मुकाबले में नॉर्दन यूनाइटेड ने हेमंत ठाकुर के पेनल्टी गोल से एम 2 एम को 1-0 से पराजित किया। एमिटी की जीत का आकर्षण विनय द्वारा क्रमश 48वें और 53वें मिनट में जमाए गोल रहे। पांच मिनट में दो गोल करने के बाद एमिटी की फार्म में यकायक गिरावट आई और उसे रक्षात्मक खेलना पड़ा। गोल उतारने के लिए नोएडा सिटी ने भरसक प्रयास किया किंतु कर्मन्य बंसल ही गोल जमा पाया। अंतिम बीस मिनट में एमिटी पर दबाव बढ़ जाने के कारण उसके मिड फील्डर और फारवर्ड चल नहीं पाए। नतीजन नोएडा सिटी ने खेल पर पकड़ तो बनाई लेकिन लगातार आसान मौके और मैच गंवाया।

मैंने तेज हवाओं के बीच मैदान के हर कोने में शॉट लगाने की रणनीति बनाई : रोहित

ग्रॉस आइलेट, 25 जून। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए टी-20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में सेंट लूशिया में चल रही तेज हवाओं के बीच चतुराई से बल्लेबाजी करते हुए मैदान के हर कोने में शॉट लगाने की रणनीति बनाई जो सार्थक रही। प्लेयर ऑफ द मैच बनने के बाद रोहित ने मैच जीतने के बाद कहा, मैंने पहले ओवर से ही मन बना लिया था और बेहद तेज हवा भी चल रही थी। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए हवा के खिलाफ गेंदबाजी करनी शुरू कर दी थी। इसी कारण मुझे मैदान का दूसरा हिस्सा भी खोलना पड़ा। जब हम खेलते हैं तो हमें चतुराई दिखानी होगी। मैं ऐसा करने के लिए तैयार था।

उन्होंने कहा, आपको समझना होगा कि गेंदबाज भी चतुर हैं। वे हवा की ओर गेंदबाजी नहीं करने वाले हैं। आपको मैदान का हर कोना खुला रखना होगा और केवल एक दिशा में खेलने को नहीं देखना होगा। यही बात मेरे दिमाग में चल रही थी। मैं हर संभव क्षेत्र में गेंद को मारने के लिए देख रहा था। जब आप केवल एक ही शॉट खेलने के लिए नहीं देखते हैं तो आप मैदान के किसी भी कोने में शॉट खेल सकते हैं। मैं यही करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा, विकेट अच्छा था। जब आप अच्छी विकेट देखते हैं तो एक बल्लेबाज़ के रूप में इस तरह के शॉट खेलने के लिए स्वयं को तैयार रखते हैं। मैं कई सालों से ऐसा करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं खुश हूं कि आज़ यह अच्छे से हो पाया। उन्होंने कहा, यह काफी सुखद है और विशेषकर तब जब आप ऐसा खेलते हैं। हम विपक्षी टीम को और उनके द्वारा उत्पन्न किए जाने वाले खतरे को अच्छे से जानते हैं। मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हम बेहद अच्छा खेले। हम वो चीजे करते रहे जो हमसे उम्मीद थी और हम जो करना अच्छा से जानते हैं। ऐसे मैच से हमारे आत्मविश्वास काफी वृद्धि होगी।

स्टीपलचेज में अविनाश को पेरिस का टिकट मिला

नई दिल्ली, 25 जून। भारत के स्टीपलचेज़ चैंपियन अविनाश साबले ने अपने कठिन परिश्रम की बदौलत अगले माह फ्रांस में होने

वाले पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। कुछ साल पहले ट्रैक पर उतरने के बाद स्टीपलचेज़र अविनाश साबले ने इस पीढ़ी के भारत के प्रमुख लंबी दूरी के धावक के रूप में खुद को तेज़ी से स्थापित किया है। उनके माता-पिता किसान थे और सार्वजनिक परिवहन की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें अपने स्कूल जाने के लिए हर दिन छह किलोमीटर दौड़ना पड़ता था। अविनाश साबले ने कभी भी बड़े होकर किसी भी खेल को अपना करियर बनाने के बारे में नहीं सोचा और अपने परिवार की मदद करने के लिए सेना में शामिल होने का मन बना लिया।

डीएसपी पारुल चौधरी से ओलंपिक में पदक की उम्मीद

नई दिल्ली, 25 जून। उत्तर प्रदेश के मेरठ के एक गाँव की बिटिया पारुल चौधरी को पिछले साल एशिय़न गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने के कारण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीएसपी नियुक्त किया था। अगले माह फ्रांस की राजधानी पेरिस में होने वाले ओलंपिक में भी पारुल पर देशभर की निगाहें टिकी होंगी। एक किसान की बेटी पारुल चौधरी कभी अपने गांव से स्टेडियम की यात्रा पैदल किया करती थी। आठ साल पहले जो जुनून इस बिटिया के अंदर आया उसी का असर है कि आज वह देश की नम्बर एक धावक बन गई है। इस चैंपियन बिटिया ने अब तक इतने मेडल जीते हैं कि एक पूरा कमरा ही मेडल से भर गया है।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 9:15.31 के समय के साथ दौड़ पूरी की थी। साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया था। पारुल ने तब ललिता बाबर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। ललिता ने रियो 2016 ओलंपिक में 9:19.76 के समय के साथ तीन हजार मीटर स्टीपलचेज की दौड़

पूरी की थी। पिछले साल प्रदेश सरकार ने 19वें एशियाई खेल-2022 में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी पारुल चौधरी को 4.50 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि के साथ ही पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर नियुक्ति का पत्र सौंपा था।

घरेलू सत्र से पहले बीसीसीआई के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों की बैठक

नई दिल्ली, 25 जून। सचिव जय शाह सहित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों ने सोमवार को यहां एक अनौपचारिक बैठक की जिसमें 'विचारों का आदान-प्रदान' किया गया और घरेलू क्रिकेट के नए ढांचे पर चर्चा की गई।

भारत का घरेलू सत्र 2024-25 दलीप ट्रॉफी के साथ पांच सितंबर से शुरू होगा। उसके बाद ईरानी कप और फिर रणजी ट्रॉफी होगी जिसे पहली बार दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। ऐसा उत्तर भारत में सर्दियों में खराब मौसम से निपटने और खिलाड़ियों को मैचों के बीच आराम और उबरने के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से किया गया है। यहां वानखेड़े स्टेडियम में बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक में बोर्ड ने नए प्रारूप पर राज्य संघों से उनकी प्रतिक्रिया भी मांगी। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा की सिफारिशों पर नए प्रारूप को लागू किया गया है। बोर्ड की ओर से जारी एक विज्ञिप्त में कहा गया, ''बैठक में 2023-24 के सबसे व्यस्त क्रिकेट सत्र के आयोजन में राज्य संघों के सराहनीय प्रयासों पर प्रकाश डाला गया जिसमें विश्व कप 2023, आईपीएल, डब्ल्यूपीएल के साथ-साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय श्रृंखलाएं और एक पूर्ण घरेलू क्रिकेट सत्र शामिल है।'' राज्य संघों से आने वाले सत्र में खिलाड़ियों के लिए और अधिक प्रयास करने का आग्रह किया गया।

महिला एशिया कप के पहले दिन होगी भारत-पाक की भिड़ंत

नयी दिल्ली, 25 जून। एशियाई क्रिकेट परिषद के महिला एशिया कप 2024 के कार्यक्रम में किये गये बदलाव के तहत मौजूदा चैंपियन भारत टूर्नामेंट के पहले दिन 19 जुलाई शाम को पाकिस्तान से भिड़ेगा। इसी दिन नेपाल और यूएई दोपहर में टूर्नामेंट का शुभारंभ करेंगे। एसीसी के पहले तय कार्यक्रम के अनुसार ये दोनों मुकाबले पहले 21 जुलाई को खेले जाने थे। नेपाल और पाकिस्तान के बीच पहला मैच होना था। दूसरा मैच भारत और यूएई के बीच खेला जाना था। अब ये मैच 21 जुलाई को खेले जाएंगे। शेष कार्यक्रम वही रहेगा। टूर्नामेंट 19 से 28 जुलाई तक चलेगा और सभी मैच दांबुला खेलें जायेंगे। इस बार टूर्नामेंट में आठ टीमें खेलेंगी।

पी.सी.सी. प्रमुख डोटासरा व कांग्रेस विधायकों के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज हुए

कोटा में नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए इस प्रदर्शन को उग्र हिंसक मानते हुए पुलिस ने केस दर्ज किए

- **पहला केस नयापुरा थाने के थानाधिकारी लक्ष्मीचंद वर्मा ने दर्ज कराया, जिसमें डोटासरा, टीकाराम जूली, विधायक अशोक चांदना, चेतन पटेल व सी.एल. प्रेमी तथा कोटा देहात के कांग्रेस अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह को आरोपी बनाया है।**
- **दूसरा केस हैड कांस्टेबल शेर सिंह ने प्रहलाद गुंजल व उनके समर्थक कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज कराया है, जिसमें मारपीट का आरोप भी लगाया गया है।**

कोटा, 25 जून (निसं)। कोटा में हुए कांग्रेस के प्रदर्शन को उग्र मानते हुए पुलिस ने दो मुकदमे दर्ज किए हैं। इसमें एक मुकदमे में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस विधायकों को आरोपी बनाया गया है जबकि दूसरे मुकदमे में पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल व कार्यकर्ताओं को आरोपी बनाया गया है।

प्रदेश कांग्रेस के आव्हान पर सोमवार को कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सर्किट हाउस और कोटा कलैक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया था। यह प्रदर्शन नैशनल टैस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित नीट यूजी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर था। प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने कलैक्ट्रेट चौराहे पर पुलिस की लगाई बैरिकेडिंग हटाकर कलैक्ट्रेट में घुसने की कोशिश की थी। इस मामले को लेकर पुलिस और कांग्रेसियों के बीच काफी देर तक बहस और धक्का मुक्की भी हुई। पुलिस ने बाद में वाटर कैनन से भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। इसके बावजूद कांग्रेस नेता बैरिकेडिंग के सामने जमे रहे तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। अब पुलिस ने इस प्रदर्शन के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए हैं। इसमें एक मुकदमे में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस विधायकों को आरोपी बनाया है। जबकि दूसरे मुकदमे में पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल व कार्यकर्ताओं को आरोपी बनाया है।

कोटा शहर की पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी कराई गई थी। इसमें कांग्रेस नेताओं के उग्र प्रदर्शन के कारण पुलिस से टकराव की स्थिति भी बन गई थी। इसलिए पुलिस अधिकारी व कर्मी की शिकायत पर ही कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए हैं। नयापुरा थाना पुलिस ने दर्ज मुकदमे में पी.सी.सी. अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री व विधायक (हिंडोली) अशोक चांदना, पीपल्दा विधायक चेतन पटेल कोलाना, केशोरायपाटन विधायक सी.एल. प्रेमी और कोटा देहात जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह आरोपी हैं।

इस मामले में नयापुरा थाना अधिकारी लक्ष्मीचंद वर्मा की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज हुई हैं इसमें बताया कि कांग्रेस की रैली में 2000 लोग थे, जिन्हें हिंडोली विधायक अशोक चांदना ने उत्तेजित किया। इसके बाद यह लोग कलैक्ट्रेट पहुंच गए। जहां पर पुलिस ने इन्हें समझाने का प्रयास किया लेकिन यह नहीं माने। इस मामले में पुलिस से धक्का मुक्की, गाली गलौज और राज कार्य में बाधा का आरोप लगाया है। इस मामले में अधिकांश आरोपी विधायक हैं ऐसे में इनकी जांच पड़ताल सीआईडी सीबी जयपुर को सौंपी जाएगी।

पुलिस उपाधीक्षक द्वितीय राजेश सोनी ने बताया दूसरे मामले में हैड कांस्टेबल शेर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। हैड कांस्टेबल शेर सिंह ने शिकायत दी थी कि वह अंबेडकर मूर्ति के नजदीक कलैक्ट्रेट चौराहे पर ड्यूटी कर रहा था। इस दौरान कांग्रेस नेता प्रदर्शन करते हुए आए और उसके साथ छीना झपटी व मारपीट की और उसको मुक्के मारे, जिसके चलते उसे काफी दर्द हो रहा है। इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है व शेर सिंह का मेडिकल करवाया जाएगा। यह जांच भी नयापुरा थाना पुलिस ही करेगी। इसमें प्रहलाद गुंजल, भानु प्रताप सिंह, रविंद्र त्यागी, नईमुद्दीन गुड्डू, मोइजुद्दीन गुड्डू, मंजूर तंवर, असरार अहमद, विजय प्रताप सिंह पानाहेड़ा, विशाल मेवाड़ा, पवन मीणा, शिव प्रकाश नागर, धनराज, जगरूप सिंह रंधावा, नरेश मीणा, बबलू कसाना और आबिद कागजी सहित अन्य कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं को आरोपी बनाया गया है।

राम मंदिर की छत टपक रही

अयोध्या, 25 जून। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद की पहली बारिश के बाद मंदिर की छत से पानी टपकने लगा है। नए रेलवे स्टेशन की दीवार ढह गई है और रामपथ पर कई जगह सड़क के धंस जाने की खबरें आ रही हैं। राम मंदिर की छत से पानी टपकने की जानकारी खुद मंदिर के महंत आचार्य सत्येंद्र दास ने दी है।

महंत आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि, छत में से ठीक उसी जगह पर पानी टपक रहा है जहां पुजारी रामलला की मूर्ति के सामने बैठते हैं और जहां लोग वी.आई.पी. दर्शन के लिए आते हैं।

- **राम मंदिर की छत से पानी टपकने की जानकारी खुद मंदिर के महंत, आचार्य सत्येंद्र दास ने दी है। उन्होंने बताया कि, छत में से ठीक उसी जगह पर पानी टपक रहा है जहां पुजारी रामलला की मूर्ति के सामने बैठते हैं।**

निर्माणाधीन मंदिर का हाल मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक दास ने कहा, "यह बहुत आश्चर्य की बात है। पूरे देश से इतने सारे इंजीनियर यहां बैठे हुए हैं और राम मंदिर बना रहे हैं। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई. लेकिन किसी को यह ज्ञान नहीं हुआ कि जब बारिश होगी तो मंदिर की छत से पानी चुएगा"

राजस्थान में मानसून का प्रवेश, 27 जिलों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी

उदयपुर, झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, बारां, कोटा, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ के रास्ते मानसून एंट्री हुई

- **मौसम केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अगले दो से तीन दिन में मानसून पूर्वी राजस्थान के कुछ जिलों में भी प्रवेश कर सकता है।**

उदयपुर, 25 जून (कासं)। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान में मानसून की एंट्री हो गई है। मानसून की एन्ट्री उदयपुर, झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, बारां, कोटा, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ के रास्ते हुई है। अब संभाग के जिलों में अच्छी बारिश की संभावना है। राजस्थान में सामान्य तौर पर 25 जून को मानसून का प्रवेश होता है।

राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश समेत मध्य और उत्तर भारत के राज्यों में मानसून बंगाल की खाड़ी ब्रांच से आता है, लेकिन इस सीजन मानसून ने पूर्वोत्तर भारत और केरल में प्रवेश किया। मौसम केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले दो से तीन दिन में मानसून पूर्वी राजस्थान के कुछ और जिलों जैसे टोंक, भीलवाड़ा, राजसमंद, जयपुर और सवाई माधोपुर समेत अन्य जिलों में भी प्रवेश कर सकता है। मौसम विशेषज्ञों ने इस वर्ष अच्छी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने राजस्थान के 27 जिलों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। मानसून के प्रवेश के साथ ही बारिश का जो दौर चलना चाहिए था उसकी अभी कमी महसूस की जा रही है। झीलों की नगरी उदयपुर में सोमवार रात को अच्छी बारिश हुई लेकिन यह सिलसिला लंबा नहीं चला। मंगलवार को पूरा दिन भारी उमस के बीच बीता व बारिश का इंतजार होता रहा। मौसम में भारी उमस के मद्देनजर रात को बारिश होने की संभावना जताई गई है।

इस बार मानसून का प्रवेश राजस्थान में मेवाड़ हाड़ोती के रास्ते हुआ है। मानसून ने बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर और झालावाड़ के रास्ते एंट्री की है। मौसम विभाग के मानसून की एंट्री होने की घोषणा के साथ ही अब अच्छी बारिश की संभावना है। उदयपुर शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं और बीच-बीच में धूप निकल रही है। मौसम ठंडा बना हुआ है।

उदयपुर के मौसम वैज्ञानिक प्रो. एन.एस. राठौड़ ने बताया कि, दक्षिणी राजस्थान में मानसून की एंट्री हो चुकी है। इस क्षेत्र में जो खंडित वर्षा हुई है वह मानसून का ही हिस्सा है। इससे पहले रविवार सोमवार तड़के से शुरू हुई रिमझिम बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई है जिससे गर्मी से सुबह-सुबह राहत महसूस हुई लेकिन दोपहर में गर्मी का असर बरकरार है।

सिंचाई विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में उदयपुर जिले में सर्वाधिक बारिश बावलवाड़ा और कोटड़ा के सेंई डेम पर एक इंच दर्ज की गई। इसके अलावा जिले के वल्लभनगर में 23 मिलीमीटर, उदयसागर पर 22, झाड़ोल और मावली के बागोलिया बांध पर 15 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने आज उदयपुर, राजसमंद, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा जिलों में आंधी चलने और बारिश होने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। केंद्र ने 26 जून को भी इन जिलों में आंधी चलने और बारिश होने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

प्रधानमंत्री मोदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यात्रा की योजना वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए बनाई जा रही है। पुतिन ने इस साल मई में लगातार पांचवीं बार रूस के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी, जबकि नरेंद्र मोदी ने भी 9 जून को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। अगर यह यात्रा होती है, तो यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की शुरुआत के बाद से पीएम मोदी की पहली रूस यात्रा होगी।

आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी की खबर के मुताबिक, क्रेमलिन के अधिकारी यूरी उशाकोव ने कहा मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हम भारतीय प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारियां कर रहे हैं। अगर मोदी रूस जाते हैं तो वह और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तीन वर्षों के अंतराल के बाद भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन करेंगे। भारत के प्रधानमंत्री और रूस के राष्ट्रपति के बीच यह वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी में उच्च स्तरीय संस्थागत संवाद तंत्र है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभायेंगे राहुल गांधी

- **कांग्रेस पार्टी की ओर से यह घोषणा महा सचिव के.सी. वेणुगोपाल ने मंगलवार को की, उन्होंने बताया कि राहुल गांधी का नाम प्रोटैम स्पीकर महताब को भेज दिया गया है।**
- **मंगलवार को इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर मीटिंग की। इस मीटिंग में स्पीकर पद के लिए होने वाले चुनाव के लिए रणनीति के अलावा नेता विपक्ष के नाम पर भी मुहर लगाई गई।**

नई दिल्ली, 25 जून। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ही होंगे, इस बात पर कांग्रेस ने मंगलवार को मुहर लगा दी। कांग्रेस पार्टी की ओर से यह घोषणा महा सचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को की। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी का नाम प्रोटैम स्पीकर भर्तृहरि महताब को भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक हुई थी, जिसमें यह फैसला लिया गया।

इससे पहले मंगलवार को भी लोकसभा में सदन की कार्यवाही काफी हंगामेदार रही। सोमवार की तरह मंगलवार को भी प्रोटेम स्पीकर महताब ने नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई। हालांकि आज 7 सांसद शपथ नहीं ले पाए। इस वजह से वे बुधवार को होने वाले लोकसभा स्पीकर के चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

मंगलवार को सांसदों की शपथग्रहण के दौरान नारेबाजी का मुद्दा भी काफी गर्माया। असदुद्दीन ओवैसी का जय फिलिस्तीन नारे को लेकर भाजपा सांसदों ने आपत्ति जताई तो प्रोटेम स्पीकर ने उस शब्द को कार्यवाही से हटा दिया। इसके अलावा भाजपा सांसद अतुल गर्ग ने जय मोदी और जय हेगडेवार के नारे लगाए।

मंगलवार को इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर मीटिंग की। इस मीटिंग में स्पीकर पद के लिए होने वाले चुनाव के लिए रणनीति के अलावा नेता विपक्ष के नाम पर भी मुहर लगाई गई।

विकीलीक्स के संस्थापक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सजा सुनाई गई होती। इस पर विश्व के तमाम मानव स्वतंत्रता संगठनों ने अमेरिका के खिलाफ भारी विरोध शुरु कर दिया था।

असांज के खिलाफ उठाए गए कदम को उदार पश्चिमी लोकतंत्र की कथित स्वतंत्र दुनिया में एक सशक्त सरकार द्वारा प्रैस की स्वतंत्रता का गला घोंटने की एक कोशिश के रुप में देखा गया।

केस की मुख्य बात की जाए तो लंदन स्थित इक्वेडोर दूतावास में शरण लेकर कोर्ट से अनुरोध किया कि उन्हें अमेरिकी सरकार को प्रत्यर्पित करने से वहां मानवाधिकारों का उल्लंघन कर उनके सात अनुचित व्यवहार किया जाएगा और आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी। असांज ने यूरोपीय मानवाधिकार कानूनों के अन्तर्गत भी अपील की थी।

असांज ने अमेरिकी सरकार के साथ एक अपराध स्वीकारोक्ति समझौता किया, जिसके अमेरिका उन्हें उतने ही साल की जेल की सजा देगा, जितने साल की सजा वह इक्वेडोर दूतावास सहित लंदन की जेल में काट चुके हैं। समझौते के तहत इस सौदेबाजी को एक कानूनी रुप दिए जाने से पूर्व असांज अमेरिका की एक कोर्ट में उपस्थित होंगे।

हालांकि, असांज किसी भी तरह का कोई जोखिम उठाना नहीं चाहते, इसलिए वह नॉर्थ अमेरिका की लोअर स्टेट्स सहित अमेरिका में कहीं भी उपस्थित नहीं होना चाहते। अत: उन्होंने अमेरिका से 6 हजार कि.मी. दूर स्थित प्रशांत महासागर के द्वीप हवाई के एक यू.एस. फैडरल कोर्ट में उपस्थित होने का विकल्प चुना है।

अदालती कार्रवाई, सजा और सजा में छूट जैसी सभी प्रक्रियाओं को कानूनी रुप से अंतिम रुप दिए जाने के बाद असांज अपने मूल देश ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए स्वतंत्र होंगे और ऑस्ट्रेलिया की सरकार भी असांज के लिए एक तय समझौते की दिशा में सक्रिय रहती आई है।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने आज देश की संसद के समक्ष घोषणा की कि असांज हवाई जहाज में बैठकर प्रशांत महासागर स्थित अमेरिकी द्वीप हवाई जाएंगे और उनके साथ यू.के. में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त भी होंगे। उनकी हवाई यात्रा में उच्चायुक्त को शायद यह सुनिश्चित करने के लिए साथ में बिठाया जा रहा है कि अमेरिका कहीं समझौते का उल्लंघन ना कर दे।

यह केस एक अधिनायकवादी राष्ट्र के विरुद्ध प्रैस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाप संघर्ष का एक प्रतीक बन गया है।

केजरीवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई से पहले उन्हें गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में उनके खिलाफ मनी लॉण्डरिंग मामले में जमानत याचिका पर सुनवाई तय है।

बुधवार शाम को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में ही सी.बी.आई. ने तिहाड़ जेल में सी.एम. केजरीवाल से मंगलवार को पूछताछ की थी। इसके बाद केंद्रीय एजेंसी ने मंगलवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सी.बी.आई. ने केजरीवाल का बयान भी रिकॉर्ड कर लिया है। उन्हें कल बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा और सी.बी.आई. उनकी कस्टडी मांगेगी।

मु.मंत्री भजनलाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मॉनिटरिंग मैकेनिज़्म सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग राज्यमंत्री, के. के. विश्नोई, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश ने अभी तक माफ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जगनमोहन की बहन शर्मीला कांग्रेस को बचाने में रही है ज्यादा कुछ नहीं कर पाई, वो खुद कडप्पा सीट पर तीसरे स्थान पर रही हैं। असल में शर्मीला के सामने एक बड़ी चुनौती है क्योंकि आंध्र प्रदेश की इस दुर्दशा के लिए जनता कांग्रेस को जिम्मेदार मानती है जिसकी अपनी कोई राजधानी नहीं है और अर्थव्यवस्था अव्यवस्थित है। वास्तव में, उन्हें पार्टी की अपेक्षित परन्तु निराशाजनक हार की जिम्मेदारी लेनी ही होगी। जब इस पराजय का दोष उनके मत्थे मढा गया तो शर्मीला अपने गुस्से का इज़हार स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं पर किया और प्रदेश में तत्काल पार्टी की सभी समितियों को भंग कर दिया और उन्होंने पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष को प्रदेश मुख्यालय से बाहर कर दिया।

पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ता इससे नाखुश है।

पी.सी.सी. के दो कार्यकारी अध्यक्ष सुनकारा पद्मश्री एवं पी. राकेश रेड्डी दोनों ने दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के हाईकमान से औपचारिक रूप से शिकायत की थी कि प्रदेश में पार्टी के प्रदर्शन के लिए हर तरह से शर्मीला जिम्मेदार है और उस पर ही गलत तरीके से चुनावी टिकट वितरण का आरोप भी लगाया था। जब शर्मीला को इनके द्वारा लिखे गए पत्रों का पता चला तो कहा जाता है कि शर्मीला ने इन दोनों पदाधिकारियों को विजयवाड़ा स्थित पार्टी कार्यालय से बाहर कर दिया।

पद्मश्री ने कहा कि "ए.आई.सी.सी. के इतिहास में न तो पार्टी और न ही उसके नेतृत्व ने कभी ऐसा नहीं देखा कि पी.सी.सी. अध्यक्ष ने कार्यकारी अध्यक्षों के लिए कार्यालय के द्वार बंद कर ताले लगा दिए हो और जब पार्टी की पराजय का कारण पूछा गया तो सभी समितियों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया।"

कांग्रेस पार्टी को तेलंगाना की तरह आंध्र प्रदेश में भी पार्टी के पुर्नजीवित होने की उम्मीद थी, और जिस समय शर्मीला ने पार्टी में प्रवेश किया था तो लगा था कि वो कुछ चमत्कार करेंगी। उन्होंने अपने पिता की विरासत का दावा किया था। दु:खी कार्यकारी अध्यक्ष पद्मश्री ने अपने पत्र में आरोप लगाया था कि जो शर्मीला की टीम थी उसे तेलंगाना से बुलाया गया था जिसे आंध्र प्रदेश के बारे में राजनीतिक समझ नहीं थी और वो ही वहाँ टिकट वितरण के लिए जवाबदेह हैं।

यह बिल्कुल साफ है कि आंध्र प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों में यदि कांग्रेस को अपनी सार्थक प्रासंगिकता बनानी है तो उसे वहाँ बहुत ज्यादा काम करना पड़ेगा।

परन्तु अपने नुकसान के बावजूद, वाय.एस.आर.सी.पी. ने यह दिखा दिया है कि अभी भी एक जबरदस्त ताकत है क्योंकि अभी भी उनका वोट शेयर सम्मानजनक स्तर 40 प्रतिशत पर कायम है।

इण्डिया गठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साफ होने के बाद पार्टी अध्यक्ष जगनमोहन ने भाजपा से निराश होने के संकेत दिए हैं। इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर चली बहस के दौरान जगन ने भी पेपर बैलट से वोटिंग कराने की मांग का आह्वान किया था। वाय.एस.आर. कांग्रेस अध्यक्ष की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण प्रतीत होती है कि वे इस कारण से इंडिया गठबंधन के नेताओं से मिल सकते हैं, जिन्होंने यह संभावनाएं व्यक्त की थी कि ई.वी.एम. मशीनों से छेड़-छाड़ की जा सकती है। आंध्र में लोकसभा की 25 सीटों में से एन.डी.ए. के गठबंधन ने 21 सीटें जीतीं हैं। इस प्रकार वाय.एस.आर.सी.पी. की सीटें सिमटकर चाररह गई हैं। राज्यसभा में जबकि वाय.एस.आर.सी.पी. के 11 सदस्य हैं। इंडिया गठबंधन के पास सरकार बनाने के लिए सीटों का संख्याबल नहीं हैं, परन्तु इस गठबंधन को उम्मीद है आने वाले महीनों में न्यूट्रल पार्टियाँ जैसे कि वाय.एस.आर.सी.पी. एवं बी.जे. डी. का इनके खेमे में आने से इनकी ताकत बढ़ेंगी।

अमित शाह, नड्डा, रिजिजू के साथ ओम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंत्री के पास इस तरह की लेन-देन संबंधी बातचीत के अधिकार नहीं थे।

तथापि, सरकार ने अपने रूख को यह कहकर न्यायोचित ठहराने का प्रयास किया कि स्पीकर पद के प्रत्याशी को समर्थन देने की एवज में विपक्ष अपनी शर्तें लागू कर रहा था, जो लोकतांत्रिक परम्पराओं के विरूद्ध है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इससे पहले कहा कि सरकार यदि डैपुटी स्पीकर का पद विपक्ष को दे दे तो विपक्ष स्पीकर पद के सरकार के प्रत्याशी का समर्थन करेगा। जब यह स्पष्ट हो गया कि ओम बिड़ला इस बार भी लोकसभा स्पीकर बनाए जा सकते हैं तो शिव सेना (उद्धव बाल ठाकरे, यू.बी.टी.) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बिड़ला के स्पीकर कार्यकाल में ही इतिहास में पहली बार लोकसभा से 130 से अधिक सांसद निलम्बित किए गए और एक कमेटी, जिसका झुकाव भाजपा की ओर था, की रिपोर्ट के आधार पर ही महुआ मोइत्रा को डिस्क्वालिफाई किया गया और सुप्रीम कोर्ट के केस की अनदेखी कर बागियों के कृत्यों को न्यायोचित ठहराते हुए शिव सेना संसदीय पार्टी ऑफिस को शिंदे सेना को आवंटित करने का निर्णय लिया गया था।

उन्होंने कहा कि "यदि तेलुगू देशम पार्टी (टी.डी.पी.) और जद (यू) सरकार के इस निर्णय का समर्थन करते हैं तो उन्हें भाजपा द्वारा अपनी-अपनी पार्टियों में विभाजन की कोशिश के लिए तैयार रहना चाहिए और साथ ही विभाजन की असंवैधानिकता को न्यायोचित ठहराने के लिए भी।

देश के संवैधानिक इतिहास में यह पहला मौका है जबकि विपक्ष ने इस अहम संवैधानिक पद के लिए बराबर की टक्कर देने का निर्णय लिया है, यद्यपि ऐसे दो अवसर रहे हैं, जब इस पद के लिए प्रतीकात्मक संघर्ष हुआ था।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी व समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने इससे पहले कहा था कि सरकार के लोकसभा स्पीकर पद के अभ्यर्थी को विपक्ष का समर्थन सशर्त है। सरकार यदि डैपुटी स्पीकर का पद विपक्ष को देने के लिए राजी हो जाती है तो विपक्ष भी उसके स्पीकर पद के व्यक्ति को अपना समर्थन दे देगा।

कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल और द्रमुक के टी.आर. बालू डैपुटी स्पीकर के मुद्दे को लेकर केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और अमित शाह के पास चर्चा करने गए थे किन्तु वापस लौट आए। उन्होंने बताया कि सरकार इस मुद्दे पर कोई प्रतिबद्धता व्यक्त नहीं करना चाहती।

सूत्रों ने बताया कि स्पीकर पद के लिए बिड़ला को चुनाव मैदान में उतारने के निर्णय से विपक्ष के पास यह स्पष्ट संकेत गया कि सरकार आमना-सामना करने के लिए तैयार है तथा कोई आम सहमति बनाने के मूड में नहीं है। बिड़ला 17वीं लोकसभा में भी स्पीकर थे और उनका कार्यकाल तब पूर्णतया विवादित हो गया, जब उन्होंने संख्याबल से कमज़ोर विपक्ष को कथित रूप से धमकाने और दबाने की कोशिश की। विपक्ष उनके प्रति आशंकित है।

एग्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओ.एम.आर. शीट्स की स्क्रीनिंग की बारी आई तो उसकी सील खोली गई तो पता लगा कि 333 अभ्यार्थियों की उपस्थिति है, मगर ओ.एम.आर. शीट केवल 332 ही हैं। एक अभ्यर्थी की ओ.एम.आर. शीट नहीं मिली। गफलत होने की आशंका में जेट समन्वयक मनमोहन सुंदरिया की तरफ से मंडोर थाने में ओ.एम.आर. शीट गायब होने का केस दर्ज कराया गया है। कृषि विश्वविद्यालय के स्ट्राँग रूम से ओ.एम.आर. सीट गायब हो गई। परीक्षा प्रवेश परीक्षा जैट प्री-पीजी, पीएचडी प्रवेश के अभ्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी।

राजस्थानः उपचुनावों में कांग्रेस का खेल बिगाडेंगी मायावती

नई दिल्ली/ जयपुर, 25 जून। राजस्थान की पांच विधानसभा उप चुनाव में बसपा अपने उम्मीदवार खड़ा करेगी।

राजस्थान में बसपा प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने कहा कि, पार्टी नगर निकाय चुनाव भी लड़ेगी। जिससे ग्रासरूट पर कार्यकर्ता तैयाह हो सके। भगवान सिंह बाबा ने कहा कि मायावती की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।

राजस्थान में 5 सीटों पर विधायक अब सांसद बन चुके हैं, जिसके बाद 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान होने वाला है। उपचुनाव के लिए अलग-अलग पार्टियां तैयारियों में जुट चुकी है। इस बीच कांग्रेस ने भी अपनी कमर कस ली है। बता दें 5 विधानसभा सीटों में से तीन सीटों पर कांग्रेस के विधायक सांसद पहुंचे हैं। ऐसे में कांग्रेस अपनी जीती हुई सीट को हाथ से निकलने नहीं देगी।

'हार सुनिश्चित देखकर दलित कार्ड खेलती है कांग्रेस और विपक्ष'

चिराग पासवान ने कहा कि, लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव में सबको पता है कि, विपक्ष की हार तय है फिर भी दलित हितैषी चोला ओढ़कर उम्मीदवार खड़ा कर दिया है

- **चिराग पासवान ने कहा कि, कांग्रेस ने कई मौकों पर ऐसा किया है, यह ऐसी पार्टी है जो अपने काम निकलवाने के लिए दलितों का सहारा लेती है। इतिहास में ऐसे कई मौके आये हैं, जब यह बात तय होती है कि, विपक्ष का उम्मीदवार किसी भी सूरत में जीत नहीं सकता तो वहां कांग्रेस पार्टी दलित उम्मीदवार का इस्तेमाल करती है।**

नई दिल्ली, 25 जून। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने देश की सबसे पुरानी पार्टी पर दलितों का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को पता है कि उसके पास संख्याबल नहीं है फिर भी उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए अपना उम्मीदवार खड़ा किया। बता दें कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) केंद्र के सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिराग पासवान को अपने मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया है।

चिराग ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए एक्स पर लिखा, "जब भी कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष को पता चलता है कि उनकी हार सुनिश्चित है, तो वे दलित कार्ड चल देते हैं। 2002 में जब उन्हें पता था कि वे उपराष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं, तो उन्होंने सुशील कुमार शिंदे जी को उम्मीदवार बनाया था। 2017 में जब वे जानते थे कि वे राष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं तो उन्होंने श्रीमती मीरा कुमार जी को उम्मीदवार बनाया। अब जब उनके पास स्पष्ट रूप से लोक सभा अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए संख्याबल नहीं है तो वे कांग्रेस के दलित के नेता के. सुरेश जी को नामांकित कर रहे हैं। विपक्ष के लिए क्या दलित नेता केवल और केवल प्रतीकात्मक उम्मीदवार हैं?"

बता दें कि लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए सरकार और विपक्ष के बीच मंगलवार को आम-सहमति नहीं बन सकी और अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार तथा भाजपा सांसद ओम बिरला का मुकाबला कांग्रेस के कोडिकुन्नील सुरेश के साथ होगा। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान बुधवार को होगा। बिरला और सुरेश ने मंगलवार को क्रमश: राजग और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के उम्मीदवारों के रूप में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

पिछली लोकसभा में भी अध्यक्ष रह चुके बिरला को राजग की तरफ से सर्वसम्मति से उम्मीदवार बनाया गया है। यदि वह बुधवार को हुए मतदान में जीत जाते हैं तो 25 साल में इस पद पर दोबारा आसीन होने वाले पहले व्यक्ति होंगे। जनता दल (यूनाइटेड) के नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि बिरला का नाम राजग के सभी दलों ने सर्वसम्मति से तय किया और भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह भी समर्थन हासिल करने के लिए विपक्ष के पास पहुंचे। बिरला ने नामांकन दाखिल करने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वह राजस्थान के कोटा से लगातार तीसरी बार भाजपा के टिकट पर सदस्य निर्वाचित हुए हैं।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए ललन सिंह ने कहा कि वे लोकसभा उपाध्यक्ष के पद पर तुरंत फैसला चाहते हैं, जबकि राजनाथ सिंह ने अनुरोध किया था कि चयन का समय आने पर सभी को एक साथ बैठना चाहिए और इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के लिए उम्मीदवार के नाम पर सर्व सम्मति होती तो बेहतर होता। उन्होंने इस संबंध में शर्तें रखने के लिए विपक्ष की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को शर्तों पर नहीं चलाया जा सकता।

'रिटायर्ड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से आई.एफ.एस. (इण्डियन फॉरेस्ट सर्विस) पद से रिटायर हुआ। उसे एक साल की सेवा अवधि, 30 जून 17 से 30 जून 18 की एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ नहीं दिया गया। जबकि भारतीय वन सेवा पे नियम-2016, के नियम 8 के तहत वह वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ प्राप्त करने का अधिकारी है। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव, प्रमुख कार्मिक सचिव व केन्द्रीय वन व पर्यावरण मंत्रालय के सचिव को भी प्रतिवेदन देकर उसे एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ देने का आग्रह किया था। इसके बावजूद उसके प्रतिवेदन को अभी तक तय नहीं किया है और यह अब तक लंबित ही चल रहा है। इसलिए उसका प्रतिवेदन तय कराया जाए और उसे वेतन वृद्धि सहित अन्य सेवा परिलाभ दिलवाए जाएं।

मामले की सुनवाई करते हुए अधिकरण ने केन्द्र व राज्य सरकार को उसे पूर्व के निर्णयों के पालन में एक वार्षिक वेतन वृद्धि का मुद्दा तय करने को कहा है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908